हिन्दी दैनिक

तीसरा विकल्प न्यूज़

(लखनऊ से प्रकाशित)

वर्षः- 02, अंकः-21, पृष्ठः-08, मूल्यः- 2 रु.
लखनऊ, सोमवार 01 जुलाई 2024

संस्कार भारती के कार्यालय पर हुआ भव्य कवि सम्मेलन...02

बारिश के शुरुआती दौर में ही ढह गई साधन सहकारी ...06

ठग 420 नहीं 316 कहलाएंगे

हत्यारों को 302 नहीं 101 में मिलेगी सजा, नए कानून से और क्या बदलेगा?

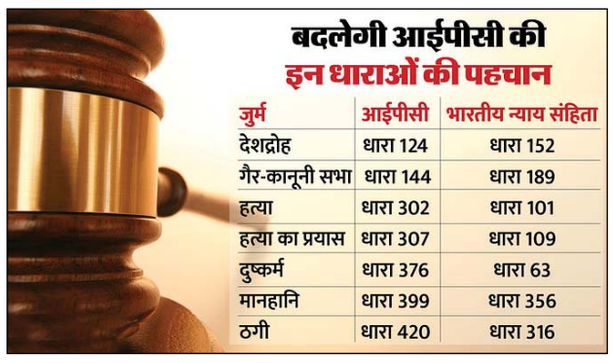

नई दिल्ली,(एजेंसी)। भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) में 511 धाराएं थीं, लेकिन भारतीय न्याय संहिता में धाराएं 358 रह गई हैं। आपराधिक कानून में बदलाव के साथ ही इसमें शामिल धाराओं का क्रम भी बदल जाएगा। देश में अंग्रेजों के जमाने से चल रहे तीन आपराधिक कानून 1 जुलाई से बदल जाएंगे। दिसंबर 2023 में संसद द्वारा पारित तीन कानून अगले महीने से पूरे देश में प्रभावी हो जाएंगे।

तीनों नए कानून भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम कहे जाएंगे, जो क्रमशरू भारतीय दंड संहिता (1860), आपराधिक प्रक्रिया संहिता (1898) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (1872) का स्थान लेंगे। कानूनों में प्रभावी होने के साथ ही इनमें शामिल धाराओं का क्रम भी बदल जाएगा। आइये जानते हैं आईपीसी की कुछ अहम धाराओं के बदलाव के बारे में? नए कानून में इन्हें किस क्रम में रखा गया है? वे पहले किस स्थान पर थीं? पहले जानते हैं कि भारतीय न्याय संहिता में क्या बदला है? भारतीय दंड संहिता में 511 धाराएं थीं, लेकिन भारतीय न्याय संहिता में धाराएं 358 रह गई हैं। संशोधन के जरिए इसमें 20 नए अपराध शामिल किए हैं, तो 33 अपराधों में सजा अवधि बढ़ाई है। 83 अपराधों में जुर्माने की रकम भी बढ़ाई है। 23 अपराधों में अनिवार्य न्यूनतम सजा का प्रावधान है। छह अपराधों में सामुदायिक सेवा की सजा का प्रावधान किया गया है। बता दें कि भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम को 12 दिसंबर 2023 को केंद्र सरकार ने लोकसभा में तीन संशोधित आपराधिक विधियकों को पेश किया था।

फास्ट न्यूज

मन की बात का श्रवण किया मोहन यादव ने

भोपाल,(एजेंसी)। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात के 111वें संस्करण के प्रसारण का श्रवण यहां मिसरोद क्षेत्र में किया। डॉ यादव ने राज्य मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर, भारतीय जनता पार्टी के स्थानीय नेता और अन्य लोगों के साथ मन की बात संबंधी कार्यक्रम में शिरकत की। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए कहा कि श्री मोदी के ओजस्वी उद्बोधन से देश को नयी ऊर्जा और दिशा मिली है।

भारतीय क्रिकेट टीम को जीतू ने दी बधाई

भोपाल,(एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के टी-20 विश्व कप क्रिकेट में विजेता बनने पर मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने टीम के सदस्यों और देशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। श्री पटवारी ने सोशल मीडिया के जरिए कहा कि भारतीय टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन कर दक्षिण अफ्रीका को पराजित कर विश्वकप खिताब पर कब्जा जमाया है। यह क्षण प्रत्येक देशवासी को गौरवांवित करने वाला है।

विष्णुदत्त ने भारतीय टीम को दीं शुभकामनाएं

भोपाल,(एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका को सात रन से पराजित कर टी-20 विश्व कप विजेता बनने वाली भारतीय क्रिकेट टीम को मध्यप्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। श्री शर्मा ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि भारतीय टीम ने फाइनल मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को सात रन से पराजित कर नया इतिहास रचा है। इस अभूतपूर्व जीत के लिए देशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं।

मिलकर लड़ेंगे महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव: शरद पवार

मुंबई,(एजेंसी)। शरद पवार ने कहा कि राज्य विधानसभा चुनावों में छोटे सहयोगियों के हितों की रक्षा करना महाराष्ट्र में प्रमुख विपक्षी दलों की नैतिक जिम्मेदारी है, जो 2024 के लोकसभा चुनावों में गठबंधन का हिस्सा थे। शरद चंद्र पवार वाली राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी (एनसीपीएसपी) के प्रमुख ने साफ कर दिया है कि उनकी पार्टी कांग्रेस और उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के साथ मिलकर महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव लड़ेगी। बता दें, चुनाव इस साल अक्तूबर में होने वाले हैं। शरद पवार ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि राज्य विधानसभा चुनावों में छोटे सहयोगियों के हितों की रक्षा करना महाराष्ट्र में प्रमुख विपक्षी दलों की नैतिक जिम्मेदारी है, जो 2024 के लोकसभा चुनावों में गठबंधन का हिस्सा थे। महा विकास अघाड़ी का हिस्सा ये दल कांग्रेस, शरद चंद्र पवार वाली एनसीपी और शिवसेना (यूबीटी) विपक्षी महा विकास अघाड़ी का हिस्सा हैं। ठाकरे के नेतृत्व वाली सरकार के गिरने से पहले नवंबर 2019 से जून 2022 तक महा विकास अघाड़ी राज्य में सत्ता में था। पवार ने कहा कि महाराष्ट्र के लोगों के सामने विपक्ष एकजुट होकर रहेगा। उन्होंने आगे कहा कि राज्य में बदलाव की जरूरत है और इसका निर्वहन करना विपक्षी गठबंधन की नैतिक जिम्मेदारी है।

विधानसभा का मानसून सत्र सोमवार से, उन्नीस दिन तक चलेगा

भोपाल,(एजेंसी)। मध्यप्रदेश विधानसभा का सोमवार से प्रारंभ होने वाला मानसून सत्र मुख्य विपक्षी दल की विभिन्न मुद्दों को जोर से उठाने की तैयारियों के बीच हंगामेदार होने की संभावना है। उन्नीस दिनों तक चलने वाले इस सत्र के दौरान 14 बैठकें प्रस्तावित हैं और इस दौरान तीन जुलाई को वार्षिक बजट भी पेश किया जाएगा। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार सत्र एक जुलाई से 19 जुलाई तक प्रस्तावित हैं और इस अवधि में 14 बैठकें होंगी। तीन जुलाई को राज्य सरकार अपना बजट पेश करेगी। लोकसभा चुनाव के चलते राज्य सरकार ने एक अप्रैल 2024 से 31 जुलाई 2024 तक लेखानुदान पेश कर पारित कराया था। अब राज्य सरकार शेष आठ माह के लिए बजट पेश करेगी।

सीएम योगी ने विद्यार्थियों को दी सलाह

कभी शॉर्टकट न अपनाएं

अनुशासित रहकर अपने स्वास्थ्य का भी ध्यान रखें

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मेधावी सम्मान समारोह में विद्यार्थियों को संबोधित किया और उन्हें सफलता के मंत्र दिए। सीएम योगी ने कहा कि जीवन में कठिन परिश्रम करें। शॉर्टकट न अपनाएं। सफलता का एक मात्र फार्मूला कठिन परिश्रम लेकिन परिश्रम भी सही दिशा में होना चाहिए। जैसे किसान जब समय से खाद और पानी देता है तभी अच्छी फसल होती है। वैसे ही विद्यार्थियों को करना चाहिए। सरकार ने आपकी सुविधा के लिए अनेक प्रयास प्रारंभ किए हैं। सरकारी स्कूलों में सरकार अच्छे शिक्षक दे रही है। प्राजेक्ट अलंकार के तहत सरकारी स्कूलों का कायाकल्प हो रहा है। हमने अभ्युदय कोचिंग प्रारंभ की है। छात्रों को चाहिए लक्ष्य तय करें। अपने टीचरों से अपनी बात कहने में संकोच ना करें। आज शिक्षा को लेकर अच्छा माहौल है। समाज का हर तबका आपके साथ खड़ा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति दुनिया में भारत को विश्व गुरू के रूप में स्थापित करेगी। अपने स्वयं के जीवन में निश्चित दिनचर्या को अपनाएं। अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहें। हर काम समय से करें। दिन और रात को समय में बांटकर काम करें। आपकी समयबद्धता आपको अनुशासित करेंगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ये बातें अमर उजाला की ओर से लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यक्रम मेधावी सम्मान समारोह में कही। सन्यास लेने पर लोग मुझे टोकते थे मेधावियों के सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि संन्यास लेने पर शुरू-शुरू में लोग मुझे टोकते थे। आज मैं उन लोगों को देखता हूं तो पाता हूं कि कोई संतुष्ट नहीं है। भौतिक उपलब्धि व्यक्ति को कभी संतुष्ट नहीं कर सकती। ये ठीक है कि मैं आज मुख्यमंत्री हूं। मगर मैंने संन्यास लिया, ये पलायन का नहीं परिश्रम और संघर्ष का मार्ग है। आज भी 16-18 घंटे काम करता हूं, इसलिए नहीं कि कोई पद या प्रतिष्ठा प्राप्त होगी, बल्कि इसलिए क्योंकि ये मेरा कर्तव्य है। मैं अपने संन्यास की सार्थकता को साबित कर सकूं। भारत की ऋषि परंपरा ने संन्यास की जो व्यवस्था बनाई है वो व्यवस्था सही है, इसे साबित कर सकूं। आज मैं भगवान श्रीकृष्ण के सिद्धांतों पर चलते हुए सज्जनों के साथ खड़ा रहता हूं और दुष्टों के त्राण के लिए कदम भी उठाता हूं। पीड़ितों के साथ खड़े रहना ही मेरे जीवन की सार्थकता मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मेधावी छात्र-छात्राओं की ओर से पूछे गये सवालों का जवाब देते हुए कहा कि संन्यास का फैसला लेना उनके और उनके माता-पिता के लिए चुनौती थी। कोई अभिभावक नहीं चाहता कि उसका बच्चा सन्यासी बन जाए। अभिभावक रिटर्न चाहते हैं। उन्होंने कहा कि बचपन में वह भी वही सोचते थे, जो आज के बच्चे सोचते हैं। वह चाहते थे कि एक अच्छा इंजीनियर बनें। बाद में अहसास हुआ कि कोई इंजीनियर या पद प्राप्त करने से अच्छा है कि पीड़ितों के साथ खड़ा रहूं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यही मेरे जीवन की सार्थकता है। परिश्रम का कोई विकल्प नहीं उन्होंने कहा कि परिश्रम का कोई विकल्प नहीं होता। जितना परिश्रम करेंगे उसका परिणाम हमारे पक्ष में जरूर आएगा। कहा कि किसी कार्य में अगर बाधाएं नहीं हैं तो मानकर चलिए कि आपकी दिशा ठीक नहीं। जितने शुभचिंतक हैं उतने ही दुश्मन भी होने चाहिए। तब जो सफलता मिलती है उसका आनंद भी अलग होता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर छात्र छात्रा को प्रधानमंत्री मोदी की किताब एग्जाम वारियर्स जरूर पढ़ना चाहिए। पॉलिटिक्स फुल टाइम जॉब नहीं, हर क्षेत्र के विशेषज्ञों को आना होगा मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के विकास के लिए एक टीम की जरूरत होती है, जो बिना रुके, बिना झुके लगातार आगे बढ़े। यकीन है कि मेरी युवा पीढ़ी इसके लिए तैयार है। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण को राजनीति में अपना आदर्श बताते हुए कहा कि पॉलिटिक्स फुल टाइम जॉब नहीं है। राजनीति में अलग-अलग फील्ड से जुड़े विशेषज्ञों को आना चाहिए। इसमें अच्छे शिक्षाविद, अच्छे पत्रकार, अच्छे चिकित्सक, किसान सबको योगदान देना होगा। जब ऐसे लोग राजनीति में आएंगे तो स्वस्थ चर्चा-परिचर्चा आगे बढ़ेगी। केवल इसलिए कि हम राजनीति में आ जाएं और जाति, परिवार क्षेत्र के नाम पर विभाजन करके सामाजिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न करें तो देश के साथ इससे बड़ी गद्दारी कुछ और नहीं हो सकती। पद और प्रतिष्ठा हमारे पीछे आए, हमें इतना परिश्रम करना होगा उन्होंने कहा कि ये जानते हुए कि भारत की सबसे बड़ी कमजोरी यही जाति वैमनस्यता थी, क्योंकि क्या नहीं था भारत के पास। बल, वैभव, विद्या सबकुछ था यहां। दुनिया में तूती बोलती थी भारत की, लेकिन जाति वैमनस्यता ने इतनी गहरी खाई को चौड़ा किया कि चंद विदेशी आक्रांता आए और हम पर शासन करने लगे। सामाजिक ताने बाने को छिन्न भिन्न करने का जो काम इतिहास में किया गया, आज वही काम ये जातिवादी और वंशवादी नेता कर रहे हैं। सीएम ने छात्र-छात्राओं को सलाह दी कि वे अच्छे अधिवक्ता, इंजीनियर, डॉक्टर, अधिकारी बनें और आपकी वहां की अच्छाई की चमक आपको स्वतरू राजनीति में आने के लिए प्रेरित कर सकती है। राजनीति खुद आपकी डिमांड करेगी। आपको उसके पीछे नहीं जाना होगा।

सन्यास लेने पर लोग मुझे टोकते थे

मेधावियों के सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि संन्यास लेने पर शुरू-शुरू में लोग मुझे टोकते थे। आज मैं उन लोगों को देखता हूं तो पाता हूं कि कोई संतुष्ट नहीं है। भौतिक उपलब्धि व्यक्ति को कभी संतुष्ट नहीं कर सकती। ये ठीक है कि मैं आज मुख्यमंत्री हूं। मगर मैंने संन्यास लिया, ये पलायन का नहीं परिश्रम और संघर्ष का मार्ग है। आज भी 16-18 घंटे काम करता हूं, इसलिए नहीं कि कोई पद या प्रतिष्ठा प्राप्त होगी, बल्कि इसलिए क्योंकि ये मेरा कर्तव्य है। मैं अपने संन्यास की सार्थकता को साबित कर सकूं। भारत की ऋषि परंपरा ने संन्यास की जो व्यवस्था बनाई है वो व्यवस्था सही है, इसे साबित कर सकूं। आज मैं भगवान श्रीकृष्ण के सिद्धांतों पर चलते हुए सज्जनों के साथ खड़ा रहता हूं और दुष्टों के त्राण के लिए कदम भी उठाता हूं।

दो दिन में पूरे देश को ढंक लेगा मानसून

इन राज्यों में मूसलाधार बारिश का अनुमान

नई दिल्ली,(एजेंसी)। मौसम विभाग के मुताबिक, असम समेत पूर्वोत्तर के सभी राज्यों, महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक और प. बंगाल के कुछ हिस्सों, केरल, तमिलनाडु में भी भारी बारिश हो रही है।

मौसम विभाग ने 3 जुलाई तक इन राज्यों में भारी बारिश की संभावना जताई है। दिल्ली में अगले सात दिनों तक आंधी-तूफान के साथ मध्यम से भारी बारिश का पूर्वानुमान है। पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड समेत कई राज्यों में भारी बारिश का दौर जारी है। पहाड़ी राज्यों में बारिश के चलते भूस्खलन से सड़कें बंद हैं, वहीं मैदानी राज्यों में सड़कों पर पानी भर गया है। अरुणाचल प्रदेश में टेलीफोन की लाइनें टूट गई हैं। मौसम विभाग ने दिल्ली समेत उत्तर पश्चिम और पूर्वोत्तर भारत के 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में अगले चार दिन भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने बताया कि उत्तर-पूर्व राजस्थान, पूर्वी और उत्तर-पश्चिमी यूपी के ऊपर चक्रवाती परिसंचरण की स्थिति है। इसके कारण हिमाचल, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, यूपी, मध्य प्रदेश और राजस्थान के कई हिस्सों में शनिवार को भारी बारिश हुई। मानसून पूर्वी और पश्चिमी यूपी में कुछ और क्षेत्रों में आगे बढ़ा है और दो दिन में पूरे देश में पहुंच जाएगा। मौसम विभाग के मुताबिक, असम समेत पूर्वोत्तर के सभी राज्यों, महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक और प. बंगाल के कुछ हिस्सों, केरल, तमिलनाडु में भी भारी बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने 3 जुलाई तक इन राज्यों में भारी बारिश की संभावना जताई है। दिल्ली में अगले सात दिनों तक आंधी-तूफान के साथ मध्यम से भारी बारिश का पूर्वानुमान है। पूर्वी राजस्थान में आज जोरदार बारिश के आसार राजस्थान के लिए मौसम विभाग का कहना है कि अगले 2 से 3 तीन तक प्रदेश में मानसून के आगे बढ़ने के लिए स्थितियां अनुकूल हैं। जयपुर, भरतपुर संभाग के कुछ हिस्सों में भारी बारिश की संभावना भी जताई गई है। उत्तरकाशी समेत छह जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट भले ही इस बार मैदानी इलाकों में मानसून की बारिश का आंकड़ा सामान्य है, लेकिन आने वाले दिनों में मैदानी इलाकों से लेकर पर्वतीय जिलों में भारी बारिश होने की संभावना है। प्रदेश के छह जिलों में आज भारी बारिश होने के आसार हैं। मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से जारी पूर्वानुमान के अनुसार पिथौरागढ़, टिहरी, उत्तरकाशी, पौड़ी, ऊधमसिंह नगर और चंपावत में कहीं-कहीं भारी बारिश होने का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया।

बारिश: अधिकारियों से बोलीं आतिशी- ये समस्या दोबारा सामने न आए

नई दिल्ली,(एजेंसी)। दिल्ली सरकार की जल मंत्री आतिशी ने चंद्रावल वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जल्द से जल्द पंप हाउस को ठीक किया जाए। साथ सुनिश्चित किया जाए कि भविष्य में ये समस्या किसी भी प्लांट पर दोबारा सामने न आए। दिल्ली में हुई मूसलाधार बारिश की वजह से चंद्रावल वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के पंपिंग हाउस में पानी भरने से मोटरों को नुकसान पहुंचा है। दिल्ली सरकार की जल मंत्री आतिशी ने चंद्रावल वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जल्द से जल्द पंप हाउस को ठीक किया जाए। साथ सुनिश्चित किया जाए कि भविष्य में ये समस्या किसी भी प्लांट पर दोबारा सामने न आए। आतिशी ने सोशल मीडिया पर लिखा, श्अप्रत्याशित बारिश के कारण चन्द्रावल वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के पंपिंग हाउस में पानी भरने से मोटरों को नुकसान पहुंचा। इस कारण सेंट्रल दिल्ली के कई हिस्सों में सप्लाई बाधित हुई। जलबोर्ड ने इस समस्या को दूर करने के लिए तेजी से काम किया है और प्लांट लगभग 80 फीसदी ठीक हो चुका है, और जल्द सप्लाई सामान्य हो जाएगी।

चार महीने बाद पीएम मोदी की 'मन की बात' पेरिस ओलंपिक से लेकर योग दिवस तक

एक पेड़ मां के नाम: प्रधानमंत्री

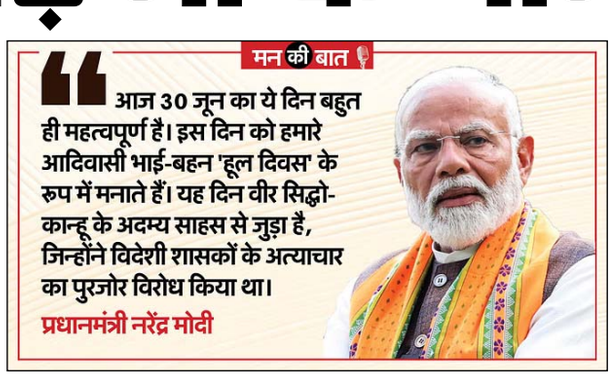

नई दिल्ली,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री मोदी ने कार्यक्रम के 111वें संस्करण में कहा कि मैं आज देशवासियों को धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने हमारे संविधान और देश की लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं पर अपना अटूट विश्वास दोहराया है। 24 का चुनाव, दुनिया का सबसे बड़ा चुनाव था। दुनिया के किसी भी देश में इतना बड़ा चुनाव कभी नहीं हुआ, जिसमें, 65 करोड़ लोगों ने वोट डाले हैं। मैं चुनाव आयोग और मतदान की प्रक्रिया से जुड़े हर व्यक्ति को इसके लिए बधाई देता हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का रेडियो कार्यक्रम श्मन की बातश् रविवार (30 जून) यानी आज फिर से शुरू हो गया। इस दौरान पीएम मोदी ने कई मुद्दों पर बात की। मन की बात के 111वें संस्करण में प्रधानमंत्री ने कहा कि आज वो दिन आ ही गया जिसका हम सभी फरवरी से इंतजार कर रहे थे द्य मैं श्मन की बातश् के माध्यम से एक बार फिर आपके बीच, अपने परिवारजनों के बीच आया हूं। एक बड़ी प्यारी सी उक्ति है- श्इति विदा पुनर्मिलनायश् इसका अर्थ भी उतना ही प्यारा है, मैं विदा लेता हूं, फिर मिलने के लिए द्य इसी भाव से मैंने फरवरी में आपसे कहा था कि चुनाव नतीजों के बाद फिर मिलूंगा और आज, श्मन की बातश् के साथ, मैं, आपके बीच फिर हाजिर हूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि मन की बातश् रेडियो प्रोग्राम भले ही कुछ महीने बंद रहा हो, लेकिन श्मन की बातश् का जो आत्मा है देश में, समाज में, हर दिन अच्छे काम, निस्वार्थ भावना से किए गए काम, समाज पर सकारात्मक असर डालने वाले काम निरंतर चलते रहे द्य चुनाव की खबरों के बीच निश्चित रूप से मन को छू जाने वाली ऐसी खबरों पर आपका ध्यान गया होगा। उन्होंने कहा कि मैं आज देशवासियों को धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने हमारे संविधान और देश की लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं पर अपना अटूट विश्वास दोहराया है। 24 का चुनाव, दुनिया का सबसे बड़ा चुनाव था। दुनिया के किसी भी देश में इतना बड़ा चुनाव कभी नहीं हुआ, जिसमें, 65 करोड़ लोगों ने वोट डाले हैं। मैं चुनाव आयोग और मतदान की प्रक्रिया से जुड़े हर व्यक्ति को इसके लिए बधाई देता हूं। आदिवासी भाई-बहन श्हूल दिवसश् के रूप में मनाते हैं उन्होंने कहा कि आज 30 जून का ये दिन बहुत ही महत्वपूर्ण है। इस दिन को हमारे आदिवासी भाई-बहन श्हूल दिवसश् के रूप में मनाते हैं। यह दिन वीर सिद्धो-कान्हू के अदम्य साहस से जुड़ा है, जिन्होंने विदेशी शासकों के अत्याचार का पुरजोर विरोध किया था। वीर सिद्धो-कान्हू ने हजारों संथाली साथियों को एकजुट करके अंग्रेजों का जी-जान से मुकाबला किया, और जानते हैं ये कब हुआ था ? ये हुआ था 1855 में, यानी ये 1857 में भारत के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम से भी दो साल पहले हुआ था, तब, झारखंड के संथाल परगना में हमारे आदिवासी भाई-बहनों ने विदेशी शासकों के खिलाफ हथियार उठा लिया था। पीएम मोदी ने कहा कि मैं आपसे पूछें कि दुनिया का सबसे अनमोल रिश्ता कौन सा होता है तो आप जरूर कहेंगे- श्मांश। हम सबके जीवन में श्मांश् का दर्जा सबसे ऊंचा होता है।

जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने नए सेना प्रमुख का पदभार संभाला, जनरल मनोज पांडे हुए सेवानिवृत्त

नई दिल्ली,(एजेंसी)। जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने रविवार को 30वें सेना प्रमुख के रूप में कार्यभार संभाल लिया। उन्हें करीब 40 साल का अनुभव है। अपनी लंबी और विशिष्ट सेवा के दौरान उन्होंने कई कमांड, स्टाफ और इंस्ट्रक्शनल में काम किया है। जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने रविवार को 30वें सेना प्रमुख के रूप में कार्यभार संभाल लिया। वर्तमान सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे आज ही सेवानिवृत्त हुए हैं। चीन और पाकिस्तान से लगी सीमाओं पर व्यापक ऑपरेशनल अनुभव रखने वाले जनरल द्विवेदी इससे पहले सेना के उप प्रमुख के रूप में कार्यरत थे। द्विवेदी के बारे में कुछ खास बातें लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी का जन्म 1 जुलाई 1964 को हुआ था। उन्हें 15 दिसंबर, 1984 को भारतीय सेना की इन्फैंट्री जम्मू और कश्मीर राइफल्स में कमीशन मिला था। उन्हें करीब 40 साल का अनुभव है। अपनी लंबी और विशिष्ट सेवा के दौरान उन्होंने कई कमांड, स्टाफ और इंस्ट्रक्शनल में काम किया है। लेफ्टिनेंट उपेंद्र द्विवेदी की कमांड नियुक्तियों में रेजिमेंट 18 जम्मू और कश्मीर राइफल्स, ब्रिगेड 26 सेक्टर असम राइफल्स, आईजी, असम राइफल्स (पूर्व) और 9 कोर की कमान शामिल हैं। कई अहम जिम्मेदारियां संभाली लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने सेना के उप प्रमुख के रूप में नियुक्त होने से पहले 2022-2024 तक महानिदेशक इन्फैंट्री और जनरल ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ (मुख्यालय उत्तरी कमान) सहित कई अहम जिम्मेदारियां संभाली हैं।

संस्कार भारती के कार्यालय पर हुआ भव्य कवि सम्मेलन

तीसरा विकल्प न्यूज़ – संवाददाता
राकेश पाण्डेय

सीतापुर – राष्ट्रीय कवि संगम एवं संस्कार भारती उत्तर प्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में संस्कार भारती के प्रदेश कार्यालय में काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कवि गोष्ठी की अध्यक्षता राष्ट्रीय कवि साहित्य भूषण कमलेश मौर्य मृदु ने की। मुख्य अतिथि नरेश चन्द्र अग्रवाल (प्रदेश महामंत्री संस्कार भारती) एवं विशिष्ट अतिथि डा. दिनेश चन्द्र अवस्थी रहे। कार्यक्रम में पूर्व दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री गिरीश चन्द्र मिश्रा की विशेष उपस्थिति रही। गोष्ठी का सुरुचि पूर्ण काव्यात्मक संचालन युवा कवि जितेंद्र मिश्र %भास्वर% ने किया। गोष्ठी का संयोजन सुनील त्रिपाठी एवं राजीव वर्मा %वत्सल% के द्वारा किया गया। गोष्ठी का आरम्भ वाणी वन्दना द्वारा किया गया जिसे सुनील त्रिपाठी ने प्रस्तुत किया। गोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे कमलेश मौर्य मृदु ने देश की स्वतंत्रता को अक्षुण्ण बनाए रखने की बात पर बल देते हुए कहा – बलिदानों से प्राप्त हुई ये स्वतंत्रता है इसको मिटने नहीं देंगे।हम आप प्रतिज्ञा यही कर लें मृदु भारत को बँटने नहीं देंगे卐। मुख्य अतिथि नरेश अग्रवाल ने संस्कार भारती के क्रियाकलापों अपनी बात रखी। विशिष्ट अतिथि डा०दिनेश चन्द्र अवस्थी ने अपने चुटीले दोहों और कुंडलिया से सभी का मन मोह लिया। आलू ने है कर दिया, सब रिश्तों को ध्वंसाहर सब्जी को ब्याह ले, देखे गोत्र न बंस卐। अनिल अमल ने प्रभु राम जन्मभूमि पर अपनी रचना प्रस्तुत की पांच सदी तक लड़े अनवरत लाखों हैं बलिदान दिए।कितनी पीढ़ी बीत गई हैं मन्दिर का अरमान लिए। इसी अयोध्या की सड़कें जाने कितनों का काल हुईं, इन आँखों ने देखा खूँ से सरजू माता थीं लाल हुईं卐। गोला गोकर्णनाथ से पधारे बी पी मिश्र बेधड़क ने पत्रकारिता पर अपना दोहा पढ़ा 卐पत्रकारिता का बढ़ा,कितना है आकार।पृथ्वी से आकाश तक, बिकता है अखबार卐। बन्थरा क्षेत्र से आये कृष्ण कुमार मौर्य सरल ने सामान्य व्यक्ति की स्थिति को अपनी रचना में इंगित करते हुए कहा सब कुछ है मगर आदमी खुशहाल नहीं है। 卐सुख चैन की दो वक्त रोटी दाल नहीं है卐 राजीव वर्मा %वत्सल% ने वर्तमान परिदृश्य को लेकर व्यंग्य रूप में ग़ज़ल में प्रस्तुत किया 卐दौरे हाज़िर कह रहा अच्छा न बन। बोलबाला झूठ का सच्चा न बन卐। संग माँ के ज़िन्दगी भर बन के रह, रूबरू पर और के बच्चा न बन। चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े डॉ प्रवीण कुमार प्रेम ने देश प्रेम को अपनी रचना में रखा बचा लो राष्ट्र भारत को लहू तुम में अगर बाकी।वचन दो आज वीरों तुम शहादत आज गर बाकी卐। प्रसिद्ध हास्य व्यंग के कवि अरविन्द झा ने कहा 卐फिर से हमको एक कर दिया यह ताकत है रघुनन्दन में卐 गोष्ठी का संचालन कर रहे जितेन्द्र भास्वर ने सम्बन्धों के महत्व पर बल देते हुए कहा गिरेंगे कांच के बर्तन हमेशा टूट जाएंगे। नहीं होगा दिलों में प्रेम रिश्ते छूट जाएंगे।दिखावे से बचें हरदम कभी अभिमान मत पालें,नहीं यदि संगठित होंगे विदेशी लूट जाएँगे卐। सुनील त्रिपाठी ने सुन्दर दोहा पढ़ा पास तुम्हारे दिल नहीं कहते थे कुछ लोग।दिल का दौरा कर गया खारिज हर अभियोग卐। डॉ एच एस अर्श लखनवी ने पढ़ा 卐सदा रोता है दिल मेरा कसक सीने में होती है।किसी की याद आ आ कर मेरा दामन भिगोती है卐। मनमोहन बाराकोटी तमाचा लखनवी ने अपने चिर-परिचित व्यंग्य के अंदाज में कहा 卐कुर्सी की ही लालसा भला नहीं संकेत।दो कौड़ी के लोग से जुतवाएँ मत खेत卐। भारतीय सेना से सेवानिवृत्त कवि श्यामजीत सिंह श्याम ने पढ़ा 卐है भीड़ बहुत इस दुनिया में लेकिन सब लोग अकेले हैं।कहने के हैं रिश्ते तो बहुत रिश्तो में मगर झमेले हैं卐। अनिल किशोर शुक्ल निडर ने पढ़ा 卐समय सदा होता बलवान।बच्चों इसका रखना ध्यान।समय निरंतर है गतिमान।उड़े पखेरू जैसा जान卐। कवित्री में इशरत सुल्ताना ने शेर पढ़ा %बीमार है ईमान दवा क्यों नहीं देते। इंसान को इंसान बना क्यों नहीं देते卐। सीतापुर से आये युवा शायर आफान सीतापुरी ने लाजवाब शायरी से सभी का मन मोहा। कवित्री प्रदक्षिणा मिश्रा ने प्रभु राम पर पैंक्तियाँ पढ़ीं 卐सुखद पावन घड़ी आई सुखद परिणाम आए हैं।अयोध्या में अवध पति लौटकर श्री राम आए हैं卐। इसी कड़ी में राष्ट्रीय कवि संगम काशी प्रांत के अध्यक्ष अटल नारायण अटल ने ओजस्वी घनाक्षरी छंद सुना कर कवि गोष्ठी को ऊंचाइयां प्रदान की तथा अध्यक्षता कर रहे कवि संगम के राष्ट्रीय मंत्री कमलेश मौर्य मृदु को अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। गोष्ठी के समापन पर गोष्ठी के संयोजक सुनील त्रिपाठी द्वारा पधारे सभी कवियों का आभार प्रकट किया गया।

बरियातू में सेविका चुनाव को लेकर हुआ आम सभा सेविका बनी शम्मा परवीन

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता झारखंड

लोहरदगा झारखंड - जिले के पेशरार प्रखंड अंतर्गत सीरम पंचायत के बरियातू स्थित आंगनबाड़ी केंद्र बरियातू में शनिवार को आंगनबाड़ी सेविका चुनाव को लेकर आम सभा का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य रूप से प्रखंड विकास पदाधिकारी सह प्रभारी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, मुखिया भागवत खेरवार, पर्यवेक्षिका रोसा बाड़ा सहित अन्य मौजूद रहे। यहां सेविका चुनाव को लेकर आयोजित आमसभा में सेविका पद के लिए चार महिलाओं का प्रस्ताव आया। और सभी ने सेविका हेतु अपना दावेदारी पेश करते हुए अपना डिग्री प्रस्तुत किया। जिसमें सबसे अधिक अंक प्राप्त करने पर सर्वसम्मति से शांतिपूर्वक ढंग के साथ सेविका पद के लिए शम्मा परवीन पति वाहिद अंसारी को चयन किया गया। जिसका सभी लोगों ने समर्थन किया। इसके बाद प्रभारी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी के द्वारा शम्मा परवीन को सेविका के रूप में घोषित कर दिया गया।

किस्को मिडिल स्कूल में मुख्यमंत्री मेधा छात्रवृत्ति परीक्षा में 155 रहे उपस्थित 106 रहे अनुपस्थित

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता झारखंड

झारखंड - किस्को स्थित राजकीय मध्य विद्यालय किस्को में ज़िला शिक्षा पदाधिकारी लोहरदगा के आदेशानुसार मुख्यमंत्री मेधा छात्रवृत्ति योजना परीक्षा 2024 का आयोजन किया गया। जिसमें परीक्षा को लेकर कुल 261 परीक्षार्थियों में से 155 बच्चे उपस्थित और 106 बच्चे अनुपस्थित रहे। वहीं कन्या मध्य विद्यालय किस्को, रा मध्य विद्यालय बगडू जामून टोली और राजकीय मध्य विद्यालय किस्को के बच्चों के लिए परीक्षा केंद्र बनाया गया। जिमसें लगभग 60ल बच्चे उपस्थित रहे। इस दौरान बताया गया कि अच्छे अंक हासिल करने वाले बच्चों को झारखंड सरकार की ओर से छात्रवृत्ति दी जायेगी। मौके पर बीईईओ किस्को कल्पना तांती, बीपीओ इंदु अग्रवाल, केन्द्राधीक्षक मोहम्मद असलम के अलावे वीक्षक लाल देव भगत, रामेश्वर भगत, बिनोद राम, बीगम्बर मुंडा, जगरनाथ भगत, लालचंद यादव, बिनोद उरांव, रंजित उरांव, सूकरा उरांव, ?कबीरुददीन अंसारी, प्रदीप भगत,बसुधा सिंह, अमित कुमार मेहता, अरविंद कुजूर, सुनील कुमार, मंजु कुजूर, राकेश मुंडा, वकील अंसारी, मुस्ताक अनवर, मुस्तफा आलम और जार्ज जानसन बखला उपस्थित थे।

कोर्ट से पूर्व सीएम हेमंत सोरेन को जमानत मिलना न्याय की जीत है: अख्तर अंसारी

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता झारखंड

लोहरदगा - झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को न्यायालय से जमानत मिलने पर झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकर्ताओं में काफी खुशी है।? कार्यकर्ता अपने आदर्श झारखंड के विकासशील पुरूष हेमंत सोरेन के पुन: वापसी पर काफी उत्साहित हैं और इसे लेकर पूरे झारखंड प्रदेश के सभी क्षेत्रों में जमकर खुशियां मनाई जा रही है। जगह-जगह पर मिठाइयां बांटी जा रही है और आतिशबाजी कर जश्न मनाया जा रहा है। यहां पर लोहरदगा जिला झारखंड मुक्ति मोर्चा युवा विंग के जिला उपाध्यक्ष अख्तर अंसारी ने पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को कोर्ट से जमानत मिलने पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि शेर की वापसी से विपक्षियों की नींदें उड़ गई है। उन्होंने कहा कि पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की आंधी की तरह झारखंड के सवा तीन करोड़ जनता के बीच वापसी से हर ओर जश्न का माहौल है। झामुमो नेता अख्तर अंसारी ने कहा कि राज्य में पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की वापसी से अब कार्यकर्ताओं में दोहरी जोश आया है, कार्यकर्ता अपने आदर्श को अपने बीच पाकर काफी हर्षित हैं। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन शुरू से ही झारखंड की जनता को उनके हक अधिकार को दिलाने हेतु कृतसंकल्पित रहे थे और आगे भी उनका संघर्ष झारखंड की जनता के हित में जारी रहेगा। झामुमो नेता अख्तर अंसारी ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के साथ षड्यंत्र रचकर जेल भेजने वाले लोगों में खलबली मची हुई है। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में झारखंड की जनता वैसे लोगों को जो आदिवासियों और आदिवासियत को समाप्त करने की नाकाम कोशिश कर हेमंत सोरेन को जेल भेजने का कार्य किया था निश्चित रूप से सबक सिखाने का कार्य कर दिखाएंगे। झामुमो नेता अख्तर अंसारी ने कहा कि विधानसभा चुनाव में भाजपा और उसके सहयोगी दल को जनता करारा जवाब देते हुए झारखंड से बेदखल कर दिखाएंगे।

असम के तिनसुकिया में उद्योग मंत्री ने किया मोबाइल कच्ची चाय पत्ती प्रयोगशाला का उद्घाटन

➲ इस अवसर पर उपस्थित रहे असम के श्रम एवं श्रम कल्याण मंत्री संजय किशन

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता
पंकज नाथ

असम - दुनिया में असम को चाय की पत्तियों के लिए जाना जाता रहा है और असम का पहला चाय एस्टेट तिनसुकिया जिले में स्थापित किया गया था। लेकिन आज इस चाय उद्योग की स्थिरता के बारे में संदेह पैदा हो गया है। असम के 卐 उद्योग मंत्री बिमल बड़ा ने आज तिनसुकिया में कच्ची चाय की पत्तियों की एक मोबाइल प्रयोगशाला के उद्घाटन के अवसर पर अपने भाषण में यह बात कही। उन्होंने कहा कि हम गुणवत्ता के मामले में चाय के उत्पादन में थोड़ा पिछड़ गए हैं, जिसके कारण हमारी चाय की पत्तियों को बाजार में कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने छोटे चाय उत्पादकों से रासायनिक उर्वरकों के बिना उत्कृष्ट चाय की पत्तियों के उत्पादन पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। मंत्री ने चेतावनी दी कि नहीं तो आज के बाजार में बने रहने में परेशानी रहेगी। उनके मुताबिक अगर आज इसका उद्घाटन हुआ है पर यह वैन लैब 6 जुलाई से ही पूरी तरह से चालू हो पाएगी। जिला आयुक्त की अध्यक्षता में एक जिला निगरानी समिति इसके कामकाज की निगरानी करेगी। इस अवसर पर बैठक में उपस्थित रहे राज्य के श्रम एवं श्रम कल्याण मंत्री संजय किशन ने अपने भाषण के दौरान छोटे चाय उत्पादकों द्वारा उत्पादित चाय की पत्तियां बटलीफ कारखानों द्वारा खरीद पर आपत्तियों से उत्पन्न समस्या को हल करने के लिए उठाए गए इस कदम के लिए मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा को धन्यवाद दिया। बैठक की शुरुआत को संबोधित करते हुए जिला आयुक्त स्वप्निल पाल ने कहा कि तिनसुकिया जिले में 40,000-45,000 छोटे चाय उत्पादक हैं और जिले में पांच लाख से अधिक लोग प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से इसमें शामिल हैं। छोटे चाय उत्पादक और बटलीफ कारखाने अन्योन्याश्रित हैं। इसलिए उन्होंने दोनों को आपसी सहयोग के माध्यम से आगे बढ़ने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने इस संबंध में कच्ची चाय की पत्तियों के लिए मोबाइल प्रयोगशाला खोलने के लिए उठाए गए इस अभिनव कदम के लिए मुख्यमंत्री के साथ-साथ उद्योग मंत्री की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि अब हम कितनी कुशलता से इस लैब का इस्तेमाल कर सकते हैं यहीं महत्वपूर्ण होगा । जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी विकास शर्मा द्वारा संचालित बैठक में ऑल असम स्मॉल टी ग्रोवर्स एसोसिएशन के तिनसुकिया जिला सचिव अजीत गोगोई और स्मॉल टी ग्रोवर्स काउंसिल के जिला अध्यक्ष किशोर गुप्ता ने भी असम सरकार के इस कदम की सराहना की। गोगोई ने अरुणाचल से अवैध कच्ची चाय की पत्तियों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने का अनुरोध किया। आज के बैठक में भारतीय चाय संघ के सचिव रंजन पाल, ओबिता के उप सचिव सिद्धार्थ घोष, ऑल असम स्मॉल टी ग्रोवर्स एसोसिएशन के तिनसुकिया जिला अध्यक्ष मोहम्मद आमीन, असम बटलिफ प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन के कंसल्टेंट देवेन सिंह, जिले के चाय सेल के प्रभारी अपर आयुक्त जावेद रहमान, जिला उद्योग विकास केन्द्र के महाप्रबंधक हीरक ज्योति पेगु आदि भी मौजूद थे ।

गोवर्धन में विश्व हिंदू परिषद के एक दिवसीय जिला अभ्यास वर्ग हुआ समापन

तीसरा विकल्प न्यूज़ -संवाददाता मुकेश कौशिक

मथुरा - रविवार को एकता तिराहे पर स्थित विगिस्टन होटल गोवर्धन में विश्व हिंदू परिषद जिला मथुरा ग्रामीण का अभ्यास वर्ग संपन्न हुआ जिसमे प्रांत सहमंत्री मुकेश शुक्ला जिला अध्यक्ष विनोद राघव और जिला मंत्री योगेश गौतम ने दीप प्रज्वलित कर वर्ग का शुभारंभ किया।मंच का संचालन जिलामंत्री योगेश गौतम द्वारा किया गया।वर्ग में जिला के समस्त प्रखंड, खंड और जिले की पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।जिसके अंतर्गत जिले की प्रखण्ड इकाइयों में नए पदाधिकारियों की नियुक्ति की घोषणा की गई। विहिप का वर्ग सुबह आठ बजे प्रारंभ हुआ और शाम चार बजे अभ्यास वर्ग का समापन हुआ।प्रांत सहसंगठन मंत्री मुकेश शुक्ला द्वारा सभी दायित्ववान कार्यकर्ताओं को जागरूक कर विश्व हिंदू परिषद संगठन को प्रखण्ड खण्ड एवं ग्राम समिति तक विस्तार करने की बात कही। प्रांत संगठन मंत्री राजेश भाई साहब ने प्रत्येक प्रखण्ड से एक हजार दायित्ववान कार्यकर्ताओं के साथ गिरिराज परिक्रमा लगाने की बात कही।जिलाध्यक्ष विनोद राघव ने सभी को लगन ईमानदारी से संगठन विस्तार पर जोर दिया।वर्ग में प्रांत संगठन मंत्री राजेश जी भाई साहब मुकेश शुक्ला प्रांत सहसंगठन मंत्री देवेंद्र सिंह विभाग मंत्री मुकुंदानन्द दास प्रांत सह धर्मप्रसार प्रमुख विनोद राघव जिला अध्यक्ष योगेश गौतम जिला मंत्री।योगेश पाठक जिला संगठन मंत्री राजू राजपूत जिला संयोजक बजरंग दल कन्हैया लाल अग्रवाल जिला कोषाध्यक्ष बनवारी लाल पांडेय जिला प्रचार प्रसार प्रमुख तनु भारद्वाज दुर्गा वाहिनी सयोजिका पिंकी चौधरी जगदीश गोकुलिया श्रेयस हिन्दू सहित जिला प्रखण्ड एवं खण्ड के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

डॉक्टर को कर्मचारी कर रहे थे ब्लैकमेल

तीसरा विकल्प न्यूज़ – ब्यूरो लखनऊ

बिजनौर – बिजनौर में चर्चित त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉक्टर एच. एस. चौहान पिछले दो महीनों से काफी चर्चा में छाए हुए थे, पिछले कई दिनों से उनका वीडियो वायरल हो रहा था जिसको लेकर वह चर्चा में बने हुए हैं थे जहां पर उन्हीं के क्लीनिक के कर्मचारी ही उन्हें धोखा दे रहे थे और आए दिन तमाम वीडियो बनाकर उन्हें धोखा धड़ी का शिकार बना रहे थे इन लोगों ने प्रशासन और अधिकारियों को गुमराह करने का काम किया और छापा मरवा कर डाक्टर को काफी परेशान किया . पूरा मामला आपको विस्तार से बताते हैं द्य दरअसल पूरा मामला यूपी के जिला बिजनौर का है जहां पर बिजनौर के चर्चित त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉक्टर एच एस चौहान पिछले 14 सालों से बिजनौर शहर में प्रैक्टिस करते हैं और वहां पर वह तमाम त्वचा रोग से संबंधित लोगों का इलाज करते हैं लेकिन पिछले 2 महीने से उनके ही स्टाफ के चार कर्मचारी उनको काफी परेशान करते रहे, असल में यह कर्मचारी अस्पताल से निकाल दिए गए इसके बाद इन लोगो ने इन्हें ब्लैकमेलिंग करने का काम शुरू कर दिया द्य जिन कर्मचारियों को अस्पताल से निकल गया उनका नाम अनुज सिंह,पता- मंडावर रोड ,दूसरा- सूर्यमणि पता सेंट मैरी स्कूल, तीसरा -कुलदीप कुमार पता टीकोपुर, चौथा पवन कुमार पता टिकापुर बिजनौर बताया गया है द्य डॉक्टर चौहान ने प्रेस वार्ता करते हुए बताया कि इन चार लड़कों को जिन्हें मेरे यहां से निकाल दिया गया था यह सभी प्रशासन व अधिकारियों को गुमराह करके त्वचा क्लिनिक और डॉक्टर एच एस चौहान के नाम बता कर रिश्तेदार के निवास पर छापेमारी की और सीज करवाने का काम कराया जा रहा था, लेकिन 28 तारीख की शाम को जब अधिकारियों ने उनके घर पर छापा मारा तो उनकी मौजूदगी में सिर्फ कुछ कॉस्मेटिक जिसमें फेस वॉश, शैंपू एवं सौंदर्य प्रसाधन मिले जोकि सही थे जिसकी पुष्टि औषधि निरीक्षक बिजनौर श्री उमेश भारती जी द्वारा प्रेस वार्ता मे बातचीत के माध्यम से दी गई, जब इसका खुलासा अधिकारियों के माध्यम से हुआ कि वहां पर कुछ भी नकली समान नहीं मिला तब इसके बाद दूध का दूध और पानी का पानी हो गया द्य जब डॉक्टर साहब को पता चला कि उनके नाम का इस्तेमाल करके इन्हें बदनाम किया जा रहा है और इन चारों लड़कों-अनुज, सूर्यमणि, कुलदीप व पवन मेरे खिलाफ साजिश रच रहे हैं तो डॉक्टर साहब ने इन चारों लड़कों के खिलाफ नामजद एफ आई आर दर्ज कराई और प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने बताया कि बहुत जल्द प्रशासन के द्वारा इन पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी और इन्हें बहुत जल्द हो सकता है जेल भेजा जाए द्य अब सवाल यह उठता है कि बिजनौर में कई दिनों से डॉक्टर साहब के नाम से जो कई वीडियो वायरल हो रहे थे उसका खुलासा अब हुआ कि यह चारों लड़के डॉक्टर एच एस चौहान को बरगलाकर और इन्हें ब्लैकमेलिंग करने का कार्य कर रहे थे और अब इनकी करतूत का पर्दाफाश हुआ और अब इनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है द्य फिलहाल डॉक्टर साहब ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह बताया कि मुझे 14 साल से बिजनौर की सेवा करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है और मेरे खिलाफ कभी ऐसा कोई मामला नहीं हुआ इन चारों लड़कों ने मेरे खिलाफ गलत किया और साजिशन मुझे फसाने का कार्य किया है फिलहाल इन लोगो के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी और एक्शन लिया जाएगा ।

हूल दिवस पर आजसू ने शहीदों को दी श्रद्धांजलि

तीसरा विकल्प न्यूज़ – संवाददाता झारखंड

हरिहरगंज झारखंड – आजसू पार्टी के तत्वधान में रविवार को हरिहरगंज

स्थित पूर्व विधायक कुशवाहा शिवपूजन मेहता के आवास पर आजसू पार्टी के प्रखंड अध्यक्ष अजीत कुमार सिंह के अध्यक्षता में हुल दिवस मनाया गया। इस मौके पर पार्टी के नेताओं तथा कार्यकर्ताओं ने वीर शहीद सिद्धो कान्हू के चित्र पर फूल माला चढ़ाकर श्रद्धांजलि अर्पित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पार्टी के केंद्रीय उपाध्यक्ष सह हरिहरगंज हुसैनाबाद विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक कुशवाहा शिवपूजन मेहता ने कहा कि सिद्धो-कान्?हो की अगुआई में संथालों ने मालगुजारी नहीं देने के साथ ही अंग्रेज हमारी माटी छोड़ो का एलान किया था। इससे घबराकर अंग्रेजों ने विद्रोहियों का दमन प्रारंभ किया। अंग्रेजी सरकार की ओर से आए जमींदारों और सिपाहियों को संथालों ने मौत के घाट उतार दिया। इस बीच विद्रोहियों को साधने के लिए अंग्रेजों ने क्रूरता की हदें पार कर दीं और सिद्धो-कान्हो को पकड़कर भोगनाडीह गांव में ही पेड़ से लटकाकर फांसी दे दी। इन्हीं शहीदों की याद में हर साल 30 जून को हूल दिवस मनाया जाता है। हुल दिवस के इस कार्यक्रम में पार्टी के जिला अध्यक्ष दिलीप कुमार चौधरी, केंद्रीय समिति सदस्य रामजी पासवान, प्रखंड सचिव इरशाद आलम, उपाध्यक्ष उमाशंकर जायसवाल उर्फ सोनू जायसवाल, नगर सचिव विनय पासवान, छात्र नेता आदित्य तिवारी, मंजूर आलम, रंजीत मेहता, बबलू कुशवाहा सहित आजसू पार्टी के कई कार्यकर्ता शामिल थे।

वृद्ध का संदिग्ध परिस्थितियों में घर के अंदर कमरे में लटका मिला शव

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता राकेश पाण्डेय

सीतापुर - जिले के थाना कमलापुर क्षेत्र के कस्बा कमलापुर में एक वृद्ध का संदिग्ध परिस्थितियों में घर के कमरे में लटकता हुआ शव मिला। वृद्ध का शव कुत्ते के पटे से फांसी के फंदे पर झूलता हुआ मिला है। जांच के बाद ही मौत के कारण स्पष्ट होंगे कि वृद्ध ने आत्महत्या की है या उसकी हत्या की गई है। जानकारो के अनुसार वृद्ध काफी दिनों से परेशान दिख रहा था थाना कमलापुर क्षेत्र के अन्तर्गत स्टेशन रोड के रहने वाले साठ वर्षीय वृद्ध का संदिग्ध परिस्थितियों में उसी के घर के कमरे मे फांसी के फंदे पर शव लटका हुआ मिला है। इस घटना की खबर मिलते ही परिजनों के पैरों तले जमीन खिसक गई कि आखिरकार यह सब कैसे हुआ। वहीं इसके बारे में परिजनों के अनुसार जब सुबह वृद्ध के पुत्र को कमरे से दुर्गंध आने लगी तो देखा कि नवीन शुक्ल उर्फ उमाशंकर कमरे में फांसी के फंदे पर झूल रहे थे। इसकी जानकारी परिजनों ने पुलिस को दी। सूचना पाकर मौके पर अपने दल बल के साथ पहुंचे थाना कमलापुर के प्रभारी निरीक्षक व फोरेंसिक जांच टीम ने मृतक के शव को फांसी के फंदे से उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। इस सम्बन्ध में थाना कमलापुर के प्रभारी निरीक्षक भानु प्रताप सिंह ने बताया कि मृतक के बेटे द्वारा सरकारी नंबर पर थाने पर फोन किया गया पोस्ट मार्टम रिपोर्ट आने के बाद जो निकाल कर सामने आएगा उसे पर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

विधिक सेवा सह शक्ति करण शिविर का हुआ आयोजन

❑ विधिक सेवा सह शक्ति करण शिविर का आयोजन लाभार्थियों को योजना का मिला लाभ

तीसरा विकल्प न्यूज़ – संवाददाता झारखंड

हरिहरगंज झारखंड – ब्लॉक परिसर में रविवार को सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ आमजनों तक पहुंचाने के उद्देश्य से विधिक सेवा सह सशक्तिकरण शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान पदाधिकारी ने संयुक्त रूप से वृद्धा पेंशन, स्वामी विवेकानंद दिव्यांग पेंशन, दिव्यांगों में ट्राई साइकिल, किसानों में नैनो यूरिया, पीडीएस लाभुको में झोला, कैलेंडर, छात्रों में साइकिल, सखी मंडल के महिला समूहो में 20 लाख रुपए का चेक वितरण योजना सहित केंद्र और राज्य सरकार की कई महत्वाकांक्षी योजनाओं के लाभूको को विभिन्न योजनाओं का लाभ दिया गया।मौके पर ब्लॉक नाजीर ब्रजेश कुमार ने कहा कि समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े लोगों को हर संभव मदद करने के लिए सरकार हमेशा तत्पर है, ताकि समाज का कोई भी व्यक्ति सरकार की योजना के लाभ से वंचित न रह सके, अन्य अतिथियों ने भी सरकार द्वारा चलाई जा रही लाभकारी योजनाओं की भूरि भूरि प्रशंसा किया। इस अवसर पर जेएसएलपीएस के ब्लॉक बीपीएम मुकेश कुमार, प्रधान सहायक सरजू बैगा ,कल्याण पदाधिकारी निरंजन सिंह, पारसनाथ, मनोज रंजन, सत्यम कुमार, सुशील मिश्रा, मो महताफ सहित कई लाभुक मौजूद थे।

जिम्मेदारों के संरक्षण में सरकारी धन का किया जा रहा बंदर बांट

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता
राकेश पाण्डेय

सीतापुर - सरकार की लाख कोशिशों के बावजूद जमीन स्तर पर भृष्टाचार रुकने का नाम ही नहीं ले रहा है। गांव के सरकार के मुखिया दोनों हाथों से सरकारी धन को लूटने में मशगूल हैं। लेकिन गांव के विकास पर नजर रखने के लिए बनाए गए विभाग भी खाऊ कमाऊ नीति में मस्त होकर आंखें बंद कर गांव की सरकार को खुला संरक्षण प्रदान कर रहे हैं।

जानकारी के अनुसार जिले के विकास खण्ड हरगांव के अन्तर्गत एक ग्राम पंचायत में गांव की सरकार के मुखिया सरकारी धन का बड़े पैमाने पर बन्दर बाँट कर रहे हैं। हरगांव क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम पंचायत रीछिन में फर्जी तरीके से कार्य को दिखाकर गांव की सरकार के मुखिया सरकारी धन को निकाल लिया। कुछ काम को दिखा कर लाखों रूपये निकाल लिए वहीं पर कार्य की बात की जाये तो कहीं पर कार्य किया ही नहीं गया और जहां कार्य किया भी गया है वहां तीस प्रतिशत लेकिन संपूर्ण कार्य पूर्ण होना दर्शा कर सरकारी धन की लूट की जा रही है।बताते हैं कि मेन रोड से विजय के खेत तक बनाए गए नाले के नाम से एक लाख तीस हजार दो सौ इकतिस रूपये निकाले गये। जबकि मौके पर स्थानीय लोग बताते है यह नाला केवल नाम मात्र को बनवाया गया है वहीं पास में डोंगवा बाबा के स्थान पर चबूतरा के निर्माण मे लगभग एक लाख सत्ताइस हजार एक सौ नवासी रूपये निकाल लिए,और चबूतरा केवल नाम मात्र का बनवा दिया। यही ग्राम प्रधान ने हाल में आर आर सी सेन्टर में तार फिनिशिंग के लिए एक लाख इकतालिस हजार नौ सौ अड़तिस रूपये निकाल लिए गए लेकिन मौके पर एक भी तार नहीं लगाया गया। इतना ही नहीं गौशाला में केवल मात्र लगभग 20म35 में खड़ंगा का निर्माण दिखाकर उसमें एक लाख पचहत्तर हजार आठ सौ रूपये निकाले गये गांव मे कई नाले का निर्माण चल रहा है। जिसमे मात्र पीला ईंटा का प्रयोग करके निर्माण कराया जा रहा है। गांव के लोगों ने जिले के मुखिया जिलाधिकारी अभिषेक आनंद एवं मुख्य विकास अधिकारी निधि बंसल से मांग की है कि ग्राम पंचायत रीछिन की निष्पक्ष जांच खण्ड विकास अधिकारी के स्तर से हो पाना संभव नहीं दिख रहा है अतैव जनहित में अपने मार्गदर्शन में ग्राम पंचायत की जांच कराकर सरकारी धन की गई लूट के सम्बन्ध में दोषी ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत अधिकारी के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करने की मांग की है।

मानसून ने दी दस्तक गांव के गलियारे पुराने खडंजा होने के कारण चलना हुआ दुश्वार

तीसरा विकल्प न्यूज़ – संवाददाता राकेश पाण्डेय

सीतापुर – उत्तर प्रदेश मुखिया की आम नागरिकों के बेहतरी के लिए अनेकों योजनाएं चलाई जा रही हैं लेकिन जिम्मेदारों की उदासीनता के चलते सरकार की योजनाएं भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रही हैं।इसी कड़ी में जिले के हरगांव विकास खण्ड क्षेत्र के अन्तर्गत एक ग्राम पंचायत के एक गांव में गांव की सरकार की उदासीनता के चलते निकलने का रास्ता न होने से ग्राम वासियों ने जिला प्रशासन को प्रार्थना-पत्र देकर मार्ग बनवाने की गुहार लगाई है। जानकारी के अनुसार जिले के हरगांव विकास खण्ड के अन्तर्गत ग्राम पंचायत पैंतला के मजरा छौंछिया में गांव के अंदर ऊबर खाबड़ खडंजा लगा हुआ है।जो चलने लायक नहीं है।गांव के ही निवासी रवि मौर्य व रत्नेश प्रताप सिंह ने जिलाधिकारी को प्रार्थना -पत्र देकर गांव में रास्ता बनवाए जाने की मांग की है। पीडितों ने बताया कि गांव में बहुत पुराना खडंजा लगा हुआ है।जो क्षति ग्रस्त होकर चलने लायक नहीं है। गांव की सरकार रास्ते को दुरुस्त करने की पहल नहीं कर रही है।मानसून ने दस्तक दे दी है।मानसून की पहली बरसात ने खडंजे को चलने लायक नहीं छोडा है।इधर बच्चों के स्कूल भी खुल गए है।स्कूल जाते समय छोटे छोटे बच्चे रपट रपट कर गिरकर चोटिल हो रहे हैं। ग्रामवासियों ने गांव में सड़क व नाली दुरुस्त कराए जाने की मांग जिला अधिकारी से की है।देखते हैं गांव के इस रास्ते की तरफ प्रशासन की नजरें कब इनायत होती है।यह भविष्य के गर्भ में है।

बरसात के सीजन मे भीषण गंदगी से वार्ड मशकगंज वजीरगंज में संक्रमण फैलने की संभावना प्रबल

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ - स्वच्छ भारत अभियान, स्मार्ट सिटी, सबका साथ सबका विकास, आदि दावे महज़ मात्र चुनावी जुमले बनकर रह गये है, हकीकत तो ये है कि प्रदेश का नाकारा प्रशासन सरकार की छीछालेदर कराने पर उतारू है अधिकारी क्षेत्र में झांकने तक नहीं, कर्मचारी काम करने नहीं आता जन जीवन नर्क बनता जा रहा है और सरकार अभी भी कड़े फैसले लेने में विफल रही है। राजधानी के पुराने क्षेत्रों की स्थिती भयावाह बन चुकी है, सीवर चोक होकर बह रहे है, भरी हुई नालियाँ संक्रमण को दावत दे रही है, जगहां जगहां कूड़े के ढेर स्वच्छ भारत अभियान की बखिया उधेड़ रहे है। ये स्थिति पुराने लखनऊ में हर जगहां बनी हुई है अमीनाबाद नजीराबाद, मौलवीगंज, रस्सी बटान, मशकगंज, वजीरगंज नख्खास, चौक, बिल्लौचपुरा, ठाकुरगंज, सआदतगंज, आदि पुराने क्षेत्रों की किसी भी गली मुहल्ले में जाकर देखें स्थिति ऐसी ही मिलेगी। वार्ड मशकगंज वजीरगंज के मुहल्ला खेमेटोला तथा मशकगंज में सीवर अर्से से बह रहा है, सुपरवाइज़र राजेश, तथा इंजीनियर अभिलाष फोन तक नहीं उठाते, खेमेटोला मोहल्ले में तीन ताक के सामने नालियाँ कयी दिन से भरी है, नगरनिगम सुपरवाइजर संतोष बालमिकी का कहना है कि उस नाली सीवर मे गयी है, सीवर भरा है सीवर वालों को बुलाओ उनका काम है, जल निगम के सुपरवाइज़र राजेश एव अभिलाष को कयी दिनों से फोन लगाया जा रहा है, किन्तु फोन उठता ही नहीं, मशकगंज मे धड़ान से भवन संख्या 182/26/27/28/29/ के सामने की गली के सभी टैंक भरे पड़े बह रहे है, कोई देखने वाला नहीं। मशकगंज की गलियां गंदगी से सड़ रही है, मशकगंज में ही बिस्कुट बेकरी के सामने एक भरी हुई बिल्ली कयी दिनों से पड़ी सड़ रही है दुर्गंध से निकलना मुश्किल है, सुपरवाइज़र संतोष बालमिकी सफाई कर्मियों की कमी का रोना रोकर पल्ला झाड़ लेता है। इसी वार्ड मशकगंज वजीरगंज के मुहल्ला मुर्गाखाना भी भीषण गंदगी से सड़ रहा है, कोई देखने वाला नहीं कहीं कोई सुनवाई नहीं। क्या समाजवादी समासद सरकार को बदनाम करने का षडयंत्र रच रहे है। दैनिक बिजनौर टूडे संवाददाताओं ने पुराने लखनऊ के अनेक क्षेत्रों में स्थिती का आंकलन किया तथा सुपरवाइजरों से भी बात की, इस दौरान एक चौंकाने वाली बात सामने आई। पुराने लखनऊ के अधिकांश वार्डों मे समाजवादी पार्टी के समासद है जिनमें से अधिकांश दबंग है, सूत्रों द्वारा जो जानकारी प्राप्त हुई है उसके अनुसार अनेक समासद सुपरवाइजरों तथा सफाई कर्मियों को केवल चिन्हित क्षेत्रों में ही सफाई करने को कहते है तथा अनेक ऐसे क्षेत्रों में जहां उनका विरोध होता हो काम करने से मना कर रहे है। कुछ दिन पहले एक वीडियों वायरल हुआ था जिसमें सभी लक्ष्मीबाई वार्ड के समाजवादी पार्टी के समासद शफीकुर्रहमान उर्फ वच सुपरवाइज़र राजेश बालमिकी से लाल मस्जिद वाली खाली, नयागांव पश्चिम, ख्यालीखाना, आदि क्षेत्रों में जाने से मना कर देते है। ऐसी भी खबरे उन सभी वार्डों से भी मिली जहां समाजवादी पार्टी के समासद है, तो क्या समाजवादी पार्टी के समासद जानबूझकर सरकार को बदनाम करने के उद्देश्य से आम जन का जीवन नर्क बना रहे है। नगरनिगम के भ्रष्ट अधिकारी भी कम नहीं है जिम्मेदार लखनऊ नगरनिगम में सफाई कर्मियों की नियुक्तियों में बहुत बड़ा फ्राड चल रहा है, सफाई कर्मियों का एक वर्ग जो एक पूर्व सांसद अखेलाल बालमिकी की कृपा से नगरनिगम में घुसा था, आज उसने पूरे नगरनिगम में भ्रष्ट अधिकारियों से सांठ-गांठ करके पूरा साम्राज्य स्थापित कर लिया है तथा नगरनिगम सफाई कर्मचारी यूनियन से लेकर अनेक बड़ी पोस्टों पर यही परिवार छाया है, तथा नियुक्तियों में भी इसी परिवार का दखल रहता है, जिनमें से आधे से अधिक नियुक्तियां फर्जी है, आधे से अधिक वे कर्मचारी जिनकी सैलरी आती है, फील्ड में दिखते ही नहीं, उनके स्थान पर प्राइवेट कर्मचारी तीन हजार चार हजार की सैलरी पर लगाकर सफाई के नामपर खानापूर्ती की जा रही है। अनुमान सफाई का कार्य दो वर्ग करते है, बालमिकी, तथा धानुक, किन्तु नगरनिगम में अधिकांश सफाई कर्मचारी बालमिकी ही मिलेंगे, जबकि धानुक प्राइवेट के तौर पर तीन हजार चार हजार प्रतिमाह पर सुपरवाइजरों के अधीन काम करने को विवश है। लखनऊ नगरनिगम में जमा मलाईदार कर्मचारी अधिकारी सांठ-गांठ कर न केवल सरकारी खज़ाने में बड़े पैमाने पर चूना लगा रहा है, अपितु राजधानी वासियों का विशेष कर पुराने लखनऊ के नागरिकों का जीवन भी नर्कीय बनाये है।

मेरी राजनीति का उद्देश्य केवल जनसेवा : डॉ. राजेश्वर सिंह

अमांवा खुशहालगंज में लगा 77 वां आपका विधायक - आपके द्वार जनसुनवाई शिविर, विधायक की टीम ने सुनी जन समस्याएं

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर लखनऊ - सरोजनीनगर की जनता के साथ संवाद, मेधावियों के सम्मान और जन समस्याओं के समाधान के लिए विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह द्वारा आपका विधायक आपके द्वार जनसुनवाई शिविर अनवरत संचालित है। रविवार को ग्राम पंचायत अमांवा, खुशहालगंज में 77वें आपका विधायक – आपके द्वार जनसुनवाई शिविर का आयोजन कर विधायक की टीम द्वारा ग्रामीणों की समस्याएँ सुनीं गईं और उनके यथोचित समाधान हेतु आश्वस्त किया गया। ग्रामीणों ने मुख्य रूप से सड़क, बिजली, प्रधानमंत्री आवास, आयुष्मान कार्ड, जल निकासी आदि से जुडी समस्याएं विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह की टीम के सामने रखी। साथ ही गाँव की पहल के अंतर्गत हाईस्कूल परीक्षा में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले अमांवा, खुशहालगंज के मेधावियों दिव्यांशु पटेल (95%), अनन्या (78.83%) और इंटरमीडिएट परीक्षा में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले मेधावियों रागिनी देवी (88%) व विनीता (58.4%) को विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह की ओर से साईकल, घड़ी तथा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। जनसुनवाई शिविर के दौरान अमांवा के बूथ अध्यक्ष अरुण सिंह, बीडीसी बाबू लाल रावत, पूर्व सेक्टर संयोजक राजवीर सिंह, शिव बोध सिंह, मुन्ना सिंह, नन्हे कुमार एवं दोसे लाल को भी विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह की ओर से सम्मानित किया गया। सभी उपस्थित जनों को सरोजनी नगर की पहचान बन चुकी ताराशक्ति निःशुल्क रसोई के माध्यम से ताजा, पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया गया। शिविर के दौरान पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह (राजू), मंडल अध्यक्ष शिव बक्श सिंह, सेक्टर संयोजक गोमती रावत, बीडीसी संतोष कुमार, बूथ अध्यक्ष अरुण सिंह, अवधेश कुमार, भाजपा नेता रमेश साहू, राजवीर सिंह, राजेश सिंह आदि मौजूद रहें।

मानसून अभी पूरी तरह से आया भी नहीं वही नगर निगम के दावें खोखले साबित होते नजर आ रहे हैं।

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ- मानसून अभी सही से प्रारंभ भी नहीं हुआ लेकिन नगर निगम लखनऊ और क्षेत्रीय पार्षद,विधायक या संसाद सब के दावे खोखले साबित होने लगे हैं। मस्जिद धनिया महरी मौलवीगंज में आज ज़ोहर की नमाज़ के लिए अज़ान तो हुई लेकिन मुख्य द्वार पर जलभराव के कारण नमाज़ी नमाज़ के लिए नहीं जा पाए, ऐसा पहली बार नहीं हुआ है ये समस्या इस क्षेत्र की बहुत पुरानी है, मस्जिद धनिया महरी मध्य विधानसभा क्षेत्र के मौलवीगंज के मौलाना अब्दुल शकूर मार्ग के निकट स्थित है ये हिस्सा वार्ड 87 पीर जलील और वार्ड 99 मौलवीगंज दोनों में आता है। इस्थानीय निवासी हाजी मुहम्मद अहमद ने बताया कि ये समस्या इस क्षेत्र की तकरीबन 50 साल पुरानी है,चुनाव में नेता वोट लेने आ जाते हैं लेकिन छेत्र की समस्या के समाधान के लिए कोई नहीं आता, अगस्त 2013 में जलभराव के कारण पानी में करंट आ गया था जिससे एक व्यक्ति की मृत्यु भी हो गई थी फिर भी नगर निगम नहीं जागा। मौलवीगंज जनहित व्यापार मंडल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष हाजी शिराज उद्दीन ने बताया नगर निगम में मेयर से लेकर क्षेत्रीय पार्षद, विधायक एवं सांसद तक इस समस्या से अवगत कराया जा चुका है, लेकिन जिस जनता ने देश को दो बार रक्षा मंत्री दिया उस जनता की समस्या को सुनने वाला कोई नहीं।

लोकसभा चुनाव जीत के बाद पहली बार मन की बात पर पार्षद गीता देवी ने किया संबोधित

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर लखनऊ - पार्षद गीता देवी ने सरोजनीनगर कार्यालय में रविवार को प्रधानमंत्री मोदी द्वारा मन की बात का प्रसारण हुआ। लोकसभा चुनाव में जीत के बाद पहली बार संबोधित किया । मन की बात प्रधानमंत्री मोदी का मासिक रेडियो कार्यक्रम है, जहां वे भारत के नागरिकों के साथ महत्वपूर्ण राष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी का मासिक %मन की बात% प्रसारण आखिरी बार 25 फरवरी को प्रसारित किया गया था, जिसके बाद लोकसभा चुनाव के चलते इसे रोक दिया गया था।पीएम मोदी ने आज मन की बात कार्यक्रम को संबोधित किया। पीएम मोदी का लोकसभा चुनावों में जीत के बाद और अपने तीसरे कार्यकाल का यह पहला मन की बात कार्यक्रम था। मन की बात %मां से जुड़ी अपील, मानसून में केरल का छाता और आंध्र की कॉफी...%, पी एम ने %मन की बात% में कहा कुछ खास = मोदी जी ने कहा कि मैंने सभी देशवासियों से, दुनिया के सभी देशों के लोगों से ये अपील की है कि अपनी मां के साथ मिलकर या उनके नाम पर एक पेड़ जरूर लगाएं। उन्होंने कहा कि मुझे ये देखकर बहुत खुशी हो रही है कि मां की स्मृति में या उनके सम्मान में पेड़ लगाने का अभियान तेजी से आगे बढ़ रहा है। पीएम मोदी ने मन की बात कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केरल और मानसून के कनेक्शन की बात सुनाई। पीएम मोदी ने कहा कि मानसून के आते ही छाते की याद आ जाती है लेकिन किसी को यह शायद ही पता हो की केरल में सबसे ज्यादा अलग तरह के छाते बनाए जाते हैं और वो काफी सुंदर होते है। पीएम मोदी ने आगे कहा कि टोक्यो में हुए ओलंपिक में हमारे खिलाड़ियों के प्रदर्शन ने हर भारतीय का दिल जीत लिया था। टोक्यो ओलंपिक के बाद से ही हमारे खिलाड़ी पेरिस ओलंपिक की तैयारियों में जी-जान से जुटे हुए थे। सभी खिलाड़ियों को मिला दें, तो इन सबने करीब 900 अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया है।पार्षद गीता देवी गुप्ता ने आए हुए सभी कार्यकर्ता व क्षेत्रवासियों को मन की बात कायक्रम में उपस्थित रहने के लिए धन्यवाद दिया। इस अवसर पर मुख्य रूप से हमारे क्षेत्रीय मंत्री पिछडा मोर्चा संजय गुप्ता जी , बूथ अध्यक्ष (211)निर्मल कुमार श्रीवास्तव, बूथ अध्यक्ष (209) राम सुमेर वर्मा, सचिन जी, सपना तिवारी, गुड्डू ,धीरेंद्र सिंह, धर्मेंद्र कुमार, हरी ,राजेश पाल ,प्रदीप पाल, रोहित पाल ,राम जानकी, कृष्ण कुमार, सतीश गुप्ता, सुमन यादव, दीपू आदि लोग उपस्थित रहे।

समाचार

अखिल विश्व पाल क्षत्रिय महासभा उ.प्र. इकाई प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक हुई सम्पन्न

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ -अखिल विश्व पाल क्षत्रिय महासभा उत्तर प्रदेश इकाई की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी विजय सनातन की अध्यक्षता में राजधानी स्थित दारुल सभा के कॉमन सभाहाल में सम्पन्न हुई । सभा का संचालन करते हुए प्रदेश कार्यकारिणी उत्तर प्रदेश के महामंत्री सुरेंद्र पाल ने सभी प्रतिभागियो का अभिनंदन किया तथा कार्यकारिणी की कार्ययोजना का विस्तार से वर्णन किया। सुझावों की दृष्टि से कार्यकारिणी के प्रबुद्ध सदस्यों ने अपने सुझाव प्रस्तुत किये। सभा में उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष होसिला प्रसाद पाल ने संगठन के इतिहास व गठन का विस्तार से रेखांकन किया तथा संगठन को विस्तार देने की दृष्टि से तीन माह के भीतर 10000/- सदस्य बनाये जाने का लक्ष्य निर्धारित किया। नॉमिनल सदस्यता शुल्क के सहयोग से पूरे उत्तर प्रदेश हेतु लखनऊ में भव्य कार्यालय व भव्य देवी अहिल्या बाई की प्रतिमा स्थापित किये जाने का लक्ष्य रखा। बैठक को संरक्षक मंडल के सदस्य डॉ प्रेम प्रकाश पाल, डॉ मोहन पाल, मथुरा प्रसाद पाल व उपाध्यक्ष वैज्ञानिक शीलू पाल ने भी सम्बोधित किया। इस बैठक में मुरादाबाद मंडल से राष्ट्रीय सचिव दिनेश पाल व सूरज पाल, मथुरा से नौबत बघेल, सीतापुर से जगदीश पाल, हरदोई से मुन्ना पाल अपनी अपनी टीम के सदस्यों के साथ उपस्थित रहे। आयोजन की कुशल व्यवस्था में राजेश पाल, सुरेंद्र पाल व मीडिया प्रभारी राहुल पाल और कोषाध्यक्ष सत्यजीत पाल आदि का विशेष सहयोग रहा।

राष्ट्रीय अध्यक्ष मुहम्मद सईद और प्रदेश अध्यक्ष आमिर कुरैशी ने किया समर्थन

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ - सर्वजन सेवा पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुहम्मद सईद और प्रदेश अध्यक्ष आमिर कुरैशी द्वारा एक प्रैस वार्ता हुई। जिस में बे रोजगारी, पर्चा लीक को लेकर राजनीतिक व सामाजिक संगठनों द्वरा इको गार्डन मे होने वाले धारणा परदर्शन को सफल बनाने की अपील की। जिसमे मुख्य रूप से राजनीतिक और सामाजिक संगठनों के नेता गौतम राणे सागर, पीसी कुरील, रिजवान कुरेशी, मुर्तजा अली, मुहम्मद आफ़ाक़, फैजुद्दीन सिद्दीकी, आमिर कुरेशी, मुहम्मद हुसैन, इरशाद अहमद सिद्दीकी, फहीम सिद्दीकी, रफी अहमद, साहब सिंह धवड आदि शामिल हुए। आमिर कुरैशी ने कहा कि बढ़ती महंगाई और पर्चा लीक के संबंध में मुहम्मद अफाक ने जो निमंत्रण दिया है, हम सभी उनके फैसले का समर्थन करते हैं, उन्होंने यह भी कहा कि 2 जुलाई को दिन में 2 बजे शांतिपूर्वक विरोध करना हमारे सभी नागरिकों का संवैधानिक अधिकार है, जो धर्ना स्थल इकोगार्डन थाना आलमबाग के तत्वावधान में जिलाधिकारी द्वारा राष्ट्रपति जी को भेजा जायेगा, जिसमें पेपर लीक और बढ़ती महंगाई का मुख्य मुद्दा होगा।

उत्तर प्रदेश बना 41 वीं नेशनल ताइक्वांडो प्रतियोगिता का चैम्पियन

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ - प्रतियोगिता के तीसरे दिन मुख्य अतिथि के रूप में प्रकाश डी. (आई पी एस) ए.डी.जी (रेलवे), उत्तर प्रदेश ने अपने कर कमलों से विजेता खिलाड़ियों को मेडल प्रदान किए। ताइक्वांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया के महासचिव जिम्मी आर जगतियानी ने बताया कि उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों ने लगातार अच्छा प्रदर्शन करते हुए आज चैंपियनशिप में बाज़ी मारी। प्रतियोगिता के अंतिम दिन आयोजन समिति से ग्रैंडमास्टर जिम्मी आर जगतियानी, सेलिब्रिटी कोच - ग्रैंड मास्टर महेंद्र मोहन जैसवाल, तकनीकी चेयरमैन ग्रैंड मास्टर पीटर जगतियानी, ग्रैंड मास्टर गौरव सिंह चौहान - चेयरमैन प्रसार विंग, मनोज वर्मा, राजेश कुमार सिंह, मनोज शर्मा, निशा सिंह, रूप कमल नंदी, सुंदरम, निधि राज, निशा राज, पियूष आदि उपस्थित रहे। 41 वीं नेशनल ताइक्वांडो चैंपियनशिप के दौरान फेडरेशन का चुनाव भी संपंन हुआ। जिसमें सर्व सम्मति से पवन सिंह चौहान को ताइक्वांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया का राष्ट्रीय अध्यक्ष घोषित किया गया। आज प्रतियोगिता के अंतिम दिन परिणाम इस प्रकार रहे - ताइक्वांडो (खेरोगी) प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश ने 13 गोल्ड, 15 सिल्वर, 16 ब्रॉन्ज़ के साथ चैंपियनशिप ट्राफी उठाई। दसूरे स्थान पर वेस्ट बंगाल ने 11 गोल्ड, 7 सिल्वर और 6 ब्रॉन्ज़ के अपना स्थान बनाया। तीसरे स्थान पर पंजाब ने 7 गोल्ड, 7 सिल्वर और 10 ब्रॉन्ज़ के साथ अपना स्थान बनाया।

नेशनल ड्राइंग कम्पटीशन में सीएमएस छात्र को 'सुपर परफार्मर अवार्ड'

लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, अलीगंज द्वितीय कैम्पस के छात्र मोहम्मद यासीन को नेशनल ड्राइंग कम्पटीशन में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन हेतु 'सुपर परफार्मर अवार्ड' से नवाजा गया है। यह प्रतियोगिता भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त चाइल्ड ड्रीम बूस्टर हब के संयोजकत्व में आयोजित हुई, जिसमें देश भर के अनेक प्रतिष्ठित विद्यालयों के छात्रों ने प्रतिभाग कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। यह जानकारी सी.एम.एस. के जन-सम्पर्क अधिकारी ऋषि खन्ना ने दी है। श्री खन्ना ने बताया कि प्रतियोगिता में देश भर के विभिन्न विद्यालयों के छात्रों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच सी.एम.एस. अलीगंज द्वितीय कैम्पस के इस प्रतिभाशाली छात्र ने अपनी कलात्मक क्षमता का उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के साथ ही रचनात्मक सोच का प्रभावशाली उदाहरण प्रस्तुत किया। आयोजकों ने विद्यालय के इस प्रतिभाशाली छात्र की बहुमुखी प्रतिभा की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए ट्राफी एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। सी.एम.एस. प्रबन्धक, प्रो. गीता गाँधी किंगडन ने इस प्रतिभाशाली छात्र के उज्जवल भविष्य की कामना की है। श्री खन्ना ने बताया कि सी.एम.एस. अपने छात्रों की बहुमुखी प्रतिभा को निखारने एवं संवारने हेतु छोटी उम्र से ही प्रोत्साहित करता है।

दबंगों ने ग्राम समाज की सुरक्षित जमीन पर किया अवैध कब्जा

● तहसील प्रशासन ने दिए कड़े निर्देश , मौके की जांच पड़ताल करने का दिया आश्वासन

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

मोहनलालगंज - सम्पूर्ण समाधान दिवस मोहनलालगंज में कई प्रार्थीगण ने तहसील प्रशासन को कई लिखित प्रार्थना पत्र दिए गए। जिसमे एक मामला ग्राम सुल्सामऊ व ग्राम मीनापुर में दबंगों द्वारा ग्राम समाज की सुरक्षित भूमि में किये गये कब्जा को हटवाने के सम्बन्ध में आया। प्रार्थी रमेश कुमार पुत्र स्व. मुन्नीलाल निवासी ग्राम सन्ता खेड़ा मजरा सुल्सामऊ परगना निगोहां तहसील मोहनलालगंज जिला लखनऊ का पूर्व प्रधान है। भूमि गाटा संख्या- 41ख व 39ख स्थित ग्राम मीनापुर जो कि राजस्व अभिलेखों में ग्राम समाज सीलिंग भूमि के रूप में अंकित भूमि गाटा संख्या- 1177 व 1169 स्थित ग्राम सुल्सामऊ परगना निगोहां तहसील मोहनलालगंज जिला लखनऊ जो कि राजस्व अभिलेख में ग्राम समाज कृषि योग्य बंजर भूमि अंकित है। जिसमें विपक्षी कोमल कान्त उर्फ लल्लन यादव पुत्र सुन्दर लाल निवासी- मीनापुर मजरा सुल्सामऊ थाना व तहसील मोहनलालगंज लखनऊ जो कि दबंग जिला बदर अपराधिक मुकदमें दर्ज है। व उनके साथी मुकेश पुत्र कल्लू निवासी- सिसेण्डी थाना मोहनलालगंज, लखनऊ कुछ अन्य व्यक्तियों के साथ मिलकर ग्राम समाज सीलिंग भूमि पर पक्का डामर रोड व दो मंजिला मकान बनाकर पूर्ण रूप से अवैध कब्जा कर लिया है जिसमें सम्बन्ध में प्रार्थी ने पूर्व में कई प्रार्थना पत्र दिया था जिसमें तहसील प्रशासन द्वारा राजस्व टीम गढ़ित करके अवैध कब्जा हटवाने हेतु मौके पर निशान देही करा दी गयी थी । किन्तु विपक्षीगण दंबग अपराधी किस्म के व्यक्ति है इसलिये दंबगई के बल पर दो मंजिला मकान बनाकर खड़ा करा दिया है व डामर रोड बना दिया है जिसे ध्वस्त कराया जाना आवश्यक है। फिलहाल मोहनलालगंज तहसील प्रशासन ने दिए गए शिकायत पत्र की जांच पड़ताल कर , उचित कार्यवाही करने के आदेश दे दिए है।

मारपीट की रिपोर्ट दर्ज

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर लखनऊ - सरोजनीनगर के आजाद नगर, अमौसी एयरपोर्ट निवासी रोशनी खातून ने यहीं की खैरून निशा, सुफिया, रेशमा और बरकत शेख अली के खिलाफ मारपीट की सरोजनीनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। रोशनी का कहना है कि उसके घर के सामने रहने वाले आरोपियों से सुबह लड़ाई हुई थी। बाद में जब वह घर में अकेली थी तभी सभी आरोपियों ने अकेला पाकर उसकी पिटाई कर दी। फिलहाल सरोजनीनगर पुलिस मामले के रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई कर रही है।

क्रांति सिंह ने प्रदेश अध्यक्ष पद पर आठवी बार ली शपथ

लखनऊ। रविवार को उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफ़ाई कर्मचारी संघ का शपथ ग्रहण कार्यक्रम एकता भवन लखनऊ में लगभग 62 जनपद शाखों की गरिमा में उपस्थिति में संपन्न हुआ। प्रदेश अध्यक्ष पद पर क्रांति सिंह, महामंत्री सुशील कुमार, कोषाध्यक्ष श्याम देव, संगठन मंत्री कन्हैया लाल पटेल, संप्रेक्षक दिनेश कुमार मौर्य ने शपथ ली। ज्ञात हो कि क्रांति सिंह आठवी बार प्रदेश अध्यक्ष पद की शपथ ली है। सभागार में पदाकारियों सदस्यों की सहमति से कार्यक्रम के दौरान प्रदेश कार्यकारिणी का भी विस्तार किया गया। सफ़ाई कर्मचारियों की मांगों की निराकरण हेतु संवाद व संघर्ष जारी करने की बात रखी। शपथ ग्रहण समारोह में चुनाव अधिकारी श्रवण कुमार पदाधिकारियों को शपथ दिलाई। सभा के दौरान कुलदीप बाल्मीकि, डी डी चौहान, बृजेश शुवा डोर, राघवेंद्र तिवारी, प्रमोद गौड, रामअजोर प्रजापति, शिव प्रकाश यादव, मनोज कुमार सिंह चंदेल।

पल्टन छावनी मे हुआ दादी नानी की कहानी का 58वां आयोजन

● स्टोरीमैन जीतेश ने सुनाई पारम्परिक लोककथा

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ - विपरीत परिस्थितियां हों तो मन पर संयम रखते हुए सूझबूझ से कैसे उससे पार पाया जा सकता है यह सीख शनिवार को लोक कथा के माध्यम से बच्चों को मिली। लोक संस्कृति शोध संस्थान की श्रृंखला दादी-नानी की कहानी का 58वां आयोजन पलटन छावनी स्थित बाल निकुंज इंग्लिश स्कूल में हुआ। स्टोरीमैन जीतेश श्रीवास्तव ने पारम्परिक लोक कथा सूरज चन्दा सुनाई। बच्चों ने कहानी पर आधारित बोधात्मक प्रश्नों के उत्तर भी दिये। कार्यक्रम का शुभारम्भ मनोरंजक खेल से हुआ। बच्चों ने कठिन वाक्यों का उच्चारण अभ्यास किया। कहानी में मुन्ना मुन्नी नामक भाई बहन की बहादुरी और सूझ-बूझ से अपनी जान बचाने का नाटकीय वृतान्त था जिसके माध्यम से बच्चों को मुश्किल समय पर भी ना घबराने की सीख मिली। बाल निकुंज समूह के प्रबन्ध निदेशक एच. एन. जायसवाल ने एकाग्रता का महत्व बताते हुए कहा कि जिस किसी काम को करें तो एकाग्र होकर करें। पढ़ाई के समय पूरा ध्यान पढ़ाई पर और खेल के समय खेल पर होना चाहिए। कक्षा में पढ़ाई के समय मन यदि कहीं और रहेगा तो पिछड़ने से कोई नहीं रोक सकता। कार्यक्रम के पूर्व विद्यालय की प्रधानाचार्य रश्मि शुक्ला ने कथा प्रस्तोता समूह का स्वागत किया। इस दौरान लोक संस्कृति शोध संस्थान की सचिव सुधा द्विवेदी, वरिष्ठ पत्रकार शम्भूशरण वर्मा, जनवीणा चैरिटेबल ट्रस्ट की उपाध्यक्ष संगीता पाण्डेय, डा. एस.के.गोपाल के साथ ही शिक्षक एवं पूर्व माध्यमिक स्तर की छात्र-छात्रायें उपस्थित रहीं।

शिप्रा कृष्णा विस्टा के चुनाव कार्यक्रम में यूपी अपार्टमेंट अधिनियम, मॉडल बाई लॉ और माननीय इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेशों के उल्लंघन का आरोप

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ - शिकायतकर्ता अमन जैन, संजय सक्सेना और प्रिंस तेवतिया ने दिनांक 18 जून 2024 और 20 जून 2024 को यूपी अपार्टमेंट अधिनियम, मॉडल बाई लॉ और माननीय इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेशों से सम्बंधित सभी बिंदुओं को डिप्टी रजिस्ट्रार महोदय फर्म्स सोसाइटीज एंड चिट्स गाजियाबाद के संज्ञान के रखकर कार्यवाही का अनुरोध किया गया था जिसपर त्वरित कार्यवाही करते हुए डिप्टी रजिस्ट्रार महोदय ने दिनांक 28 जून 2024 को सभी पक्षों को साक्ष्यों/प्रमाणों सहित उपस्थित होकर सुनवाई के आदेश दिए थे इसमे गौर करने वाली बात है कि सुनवाई के आदेश को नज़रअंदाज़ करते हुए बोर्ड द्वारा सुनवाई आदेश का संज्ञान होने के बाद भी दिनांक 20 जून 2024 को वार्षिक बैठक बुलायी गयी और चुनाव समिति का गठन किया गया जिसमे माननीय इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश का उल्लंघन करते हुए सीमित ओनर्स को बुलाया गया शिकायतकर्ताओं का आरोप है की माननीय इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा आदेशित है कि अपार्टमेंट ओनर में मालिक के पति या पत्नी और बच्चे भी शामिल है लेकिन बोर्ड द्वारा सीमित ओनर्स के आधार पर मीटिंग की गयी जबकी मीटिंग के बोर्ड पदाधिकारी का चुनाव नहीं होना था उक्त चुनाव समिति द्वारा सुनवाई निर्णय से पूर्व ही दिनांक 22 जून 2024 को चुनाव कार्यक्रम एवं मतदाता सूची प्रकाशित कर दी गयी जिसमे विचाराधीन विषय की उपेक्षा करते हुए समिति द्वारा अपने स्तर पर पात्रता का निष्कर्ष निकाला गया जो की लोक सेवक के सार्वजनिक कृत्यों के निर्वहन में स्वेच्छा पूर्वक बाधा डालना है. आरोप है बोर्ड द्वारा पूंजीगत व्यय के मूल्यांकन हेतु दिनांक 15 अगस्त 2023 को स्पेशल बैठक में प्रस्ताव पास कराया गया था किन्तु बोर्ड द्वारा मूल्यांकन को अनुमोदन के रूप में प्रस्तुत करते हुए एवं व्यय की गणना प्रति स्क्वायर फ़ीट न करते हुए अवैधानिक बिल बना दिए गए जिसमे यूपी अपार्टमेंट अधिनियम का गम्भीर उल्लंघन किया गया है इसके साथ ही यूपी अपार्टमेंट अधिनियम की मॉडल बाई धारा 55 में स्पष्ट है की किसी भी विषय के अधिनियम के प्रावधानों के प्रतिकूल होने की स्थिति में की अधिनियम के प्रावधान/उपबंध ही प्रभावी होंगे जिससे यह स्पष्ट है की किसी भी प्रस्ताव को पारित कराकर अधिनियम को संशोधित अथवा बाधित नहीं किया का सकता है अधिनियम की धारा 18 के अनुसार सम्मिलित व्यय की राशि की गणना अपार्टमेंट स्वामी के हित प्रतिशत के अनुसार की जानी चाहिए किन्तु पूंजीगत व्यय की गणना में इसका उल्लंघन किया गया है. शिकायतकर्ताओं द्वारा कहा गया है की चूँकि पूंजीगत व्यय की गणना में धारा 18 का उल्लंघन है अतः अधिनियम की धारा 24 के अनुसार यह राशि बाध्य नहीं है. उनके कॉमन एरिया मेंटेनेंस का बैलेंस 0 है किन्तु उनके और उनके जैसे सैकड़ों निवासियों के मताधिकार अवैधानिक रूप से छीन लिए गए इसके अतिरिक्त आरोप है की यूपी अपार्टमेंट अधिनियम की मॉडल बाई धारा 5 के अनुसार संयुक्त ओनर होने की स्थिति में अपार्टमेंट ओनर एसोसिएशन में मतदान के अधिकार की पात्रता शेयर प्रमाण पत्र के आधार पर है. चुनाव समिति द्वारा न तो डिप्टी रजिस्ट्रार महोदय की सुनवाई के निर्णय का इंतज़ार किया गया और न ही इस धारा का पालन सुनिश्चित किया गया जिससे 70 से ज्यादा और निवासी भी वोटिंग अधिकार से वंचित रह गए चूँकि पूरी प्रक्रिया में गंभीर उल्लंघन हुए है इसीलिए अब सभी निवासियों को विधिसम्मत अधिकारों की रक्षा हेतु डिप्टी रजिस्ट्रार महोदय के निर्णय की प्रतीक्षा है।

सोलर पंप जारी करने का झांसा देकर व्यक्ति से लाखों रुपए की ठगी

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर लखनऊ - जालसाजों में बीते दिनों बंथरा के एक व्यक्ति को पीएम कुसुम योजना के तहत सोलर पंप जारी करने का झांसा देकर आरटीजीएस के जरिए उससे 1,72,638 रुपए ठग लिए। बाद में संदेह होने पर पीड़ित ने बैंक में जानकारी करने के बाद मामले की रिपोर्ट बंथरा थाने में दर्ज कराई है। बंथरा के शराय शहजादी निवासी संतोष कुमार के मुताबिक बीती 26 जून को उसके मोबाइल पर 8279439702 से एक फोन आया। फोन करने वाले ने उससे कहा कि आपके द्वारा पीएम कुसुम योजना के तहत जो सोलर पंप बुक किया गया था, वह जारी कर दिया गया है।

इसके एवज में भेजे गए चालान पर बैंक के माध्यम से 1,72,638 रुपए आरटीजीएस करना है। संतोष का कहना है कि सूचित करने वाले द्वारा भेजे गए चालान पर एग्रीकल्चर डायरेक्टर का नाम था। पीड़ित ने उसकी बातों में आकर बताए गए बंधन बैंक चौक शाखा के खाते में अपने अकाउंट से 1,72,638 रुपए आरटीजीएस कर दिए। बाद में जब संतोष को 28 जून को संदेह हुआ तो उसने बंधन बैंक पहुंचकर इसकी जानकारी की। जहां पता चला कि उसके साथ धोखाधड़ी की गई है। यह भनक लगने के बाद पीड़ित संतोष ने साइबर क्राइम में इसकी सूचना दी और बाद में बंथरा थाने पहुंचकर मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर मोबाइल नंबर के आधार पर जालसाज का पता लगा रही है।

एनडीए के सामने बड़े सवाल

2024 के लोकसभा चुनाव में 240 सीटों पर सिमटने के बावजूद नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू के समर्थन से नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने में कामयाब हो गए हैं। लेकिन इस बार विपक्ष बेहद मजबूत है। विपक्ष के पास 230 से ज्यादा सांसद हैं। पिछले 10 साल नरेंद्र मोदी ने तानाशाहपूर्ण तरीके से सरकार चलाई। संसद में होने वाली बहसों और सड़कों पर होने वाले आंदोलनो पर भी नरेंद्र मोदी ने कभी जवाबदेही नही स्वीकार की। क्या अपने तीसरे कार्यकाल में नरेंद्र मोदी उत्तरदायी सरकार चलाएंगे? क्या विपक्ष एकजुट होकर सरकार को घेरेगा? क्या एनडीए सरकार अपना कार्यकाल पूरा करेगी? आज भारतीय लोकतंत्र के सामने ऐसे तमाम सवाल खड़े हुए हैं? 24 जून को 18वीं लोकसभा का पहला सत्र शुरू हो चुका है। नरेंद्र मोदी ने पहले दिन से ही संकेत दिए हैं कि वह भले ही एनडीए की सरकार चला रहे हैं लेकिन उनके काम का तरीका और तेवर वही पुराने रहेंगे। अलबत्ता, अबकी बार नरेंद्र मोदी के लिए राह आसान नहीं है। भाजपा के भीतर भी मोदी विरोध में आवाजें उठने लगी हैं। वसुंधरा राजे सिंधिया, शिवराज सिंह चौहान, नितिन गडकरी और योगी आदित्यनाथ जैसे गुजराती लॉबी के विरोधी नेता जी हुजूरी करने के लिए तैयार नहीं हैं। यही कारण है कि मोदी ने भाजपा संसदीय दल की बैठक के बजाय एनडीए की बैठक में नेता सदन का प्रस्ताव पास कराया। वे जानते हैं कि अगर नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू काबू में रहे तो उन्हें कोई खतरा नहीं है। इसलिए जेडीयू और टीडीपी से अंदरूनी समझौते के बाद नरेंद्र मोदी ने उनकी पार्टियों को मंत्रिमंडल में झुनझुना पकड़ा दिए। गृह, विदेश, रक्षा, रेल और वित्त जैसे महत्वपूर्ण मंत्रालय मोदी ने भाजपा के ही पास रखे। इन मंत्रालयों में पिछले कार्यकाल के मंत्रियों की पुनरू बहाली से मोदी ने संकेत दिया है कि वे कहीं से भी कमजोर नहीं हैं। पहले अपने सहयोगी घटक दलों के जरिए मोदी ने मजबूत होने का संदेश दिया, फिर प्रोटेम स्पीकर के मामले में विपक्ष को बेपरवाही से दरकिनार कर दिया। भाजपा ने प्रोटेम स्पीकर के लिए उड़ीसा से सातवीं बार के सांसद भर्तृहरि महताब को चुना जबकि विपक्ष का दावा था कि केरल कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और पिछली लोकसभा में कांग्रेस के मुख्य सचेतक रहे आठवीं बार के सांसद अडूर सीट से जीतकर आने वाले दलित के.सुरेश सबसे वरिष्ठ हैं। इसलिए उन्हें प्रोटेम स्पीकर बनाया जाना चाहिए। लेकिन नरेंद्र मोदी ने इसे स्वीकार नहीं किया। इसके बाद स्पीकर के लिए तकरार शुरू हुई। राजनाथ सिंह के जरिए पहली बार स्पीकर पद के लिए आमराय बनाने का दिखावा किया गया। पहले एनडीए की बैठक में राजनाथ सिंह ने मोदी की राय बता दी कि स्पीकर उनकी ही पसंद का होगा। इसके बाद उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष से संपर्क करके उनका समर्थन मांगा। विपक्ष ने संसद की परंपरा का हवाला देते हुए डिप्टी स्पीकर की मांग की। इस पर राजनाथ सिंह कोई आश्वासन नहीं दे सके। इसके बाद विपक्ष ने के. सुरेश को स्पीकर के लिए अपना प्रत्याशी बनाया। लेकिन 26 जून को ध्वनिमत से मोदी की पसंद ओम बिरला को फिर से लोकसभा का स्पीकर चुन लिया गया। अब लगता है कि डिप्टी स्पीकर भी एनडीए का होगा। नरेंद्र मोदी परंपराभंजक हैं। लोकतंत्र की मर्यादा और विपक्ष के प्रति कोई सम्मान नरेंद्र मोदी के मन में नहीं है। उनके लिए जनविश्वास भी नंबर गेम है। नरेन्द्र मोदी के लिए लोकतंत्र महज चुनाव है। चुनाव जीतने के लिए परंपराएं, मर्यादाएं, मूल्य और नीतियां कोई मायने नहीं रखतीं। अब सवाल यह है कि इस बार भी क्या नरेंद्र मोदी क्या निरंकुश सरकार चलाएंगे? नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू की ओर सबकी निगाहें लगी हुई हैं। लेकिन ऐसा लगता है कि नीतीश कुमार ने समर्पण कर दिया है। नीतीश कुमार की निगाह में केवल बिहार है। उनका एजेंडा बिहार को विशेष आर्थिक पैकेज हासिल करना और विधानसभा चुनाव जीतकर पुनरू मुख्यमंत्री की कुर्सी पर विराजमान रहना है।

जबकि भाजपा की प्राथमिकता बिहार में अपना मुख्यमंत्री बनाना है। इसके लिए मोदी- शाह नीतीश कुमार की पार्टी तोड़ने में भी संकोच नहीं करेंगे। क्या इससे नीतीश कुमार अनजान हैं? इसी तरह आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की प्राथमिकता विशेष आर्थिक पैकेज हासिल करना है। नई राजधानी अमरावती उनका ड्रीम प्रोजेक्ट है। 16 सांसदों वाली टीडीपी के बिना नरेंद्र मोदी सरकार नहीं चला सकते। फिर भी नायडू ना तो अपना स्पीकर बनवा सके और ना ही कोई ढंग का मंत्रालय उन्हें मिला। लोग हैरान हैं कि आखिर नीतीश और नायडू ने मोदी के सामने आत्म समर्पण क्यों कर दिया? मोदी सरकार में उन्हें ना तो उचित स्थान मिला है और ना ही समुचित सम्मान। क्या नीतीश और नायडू विशेष आर्थिक पैकेज के लिए ही चुप है? नीतीश और नायडू की खामोशी के बावजूद नरेंद्र मोदी इस बार निरंकुश और अलोकतांत्रिक सरकार नहीं चला पाएंगे। इसके संकेत संसद सत्र के पहले दिन से ही मिलने लगे हैं। राहुल गांधी समेत विपक्ष के तमाम सांसदों ने संविधान की प्रति हाथ में लेकर शजय संविधान्य के नारे के साथ शपथ ली। यहां तक कि पहले दिन जब नरेंद्र मोदी बतौर सांसद शपथ ले रहे थे तो राहुल गांधी और अखिलेश यादव ने संविधान की प्रति उन्हें दिखाते हुए संदेश दिया था कि देश संविधान से चलेगा सेंगोल से नहीं। सरकार पर नकेल कसने के लिए कांग्रेस ने अपने सबसे लोकप्रिय और जनप्रिय नेता राहुल गांधी को विपक्ष का नेता बनाया है। पिछले दो साल में राहुल गांधी ने

अप्रतिम विश्वसनीयता हासिल की है। दलित, आदिवासी, अल्पसंख्यक और अतिपिछड़ा समाज में आज राहुल गांधी सबसे लोकप्रिय नेता हैं। देश के नवनिर्माण और समावेशी विकास के उनके स्वप्न और संघर्ष से प्रभावित नौजवान, किसान, दस्तकार, कारीगर और मजदूर राहुल गांधी की ओर उम्मीद से देख रहे हैं। आज उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में मोदी (32 प्रतिशत) राहुल गांधी को प्रधानमंत्री के रूप में देखना चाहते हैं। राहुल गांधी के सवालों और उनकी जनपक्षधरिता के सामने नरेंद्र मोदी बौने नजर आते हैं। चुनाव खत्म होने के बावजूद राहुल गांधी देश के लोगों के मुद्दों पर लगातार सक्रिय हैं। नीट और यूजीसी पेपर लीक होने का मुद्दा हो या ट्रेन दुर्घटनाओं का मुद्दाय राहुल गांधी सरकार को घेरने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं। नरेंद्र मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद कश्मीर में आतंकवादी हमले बढे हैं। मणिपुर अभी भी शांत नहीं हुआ है। इन मुद्दों पर भी नरेंद्र मोदी घिरते हुए नजर आ रहे हैं।राष्ट्रपति के अभिभाषण के बाद राहुल गांधी ने सदन में नीट पेपर लीक का मुद्दा उठाकर यह साबित कर दिया है कि शिक्षा और नौकरी जैसे सवाल उनकी प्राथमिकता हैं। राहुल गांधी की सक्रियता और आक्रामकता से स्पष्ट है कि इस बार नरेंद्र मोदी के दिन अच्छे नहीं हैं।

संपादकीय

मध्यम वर्ग और आगामी बजट

अपेक्षा और दावे के विपरीत आए चुनाव परिणामों से भाजपा का शीर्ष नेतृत्व चिंतित है। उसे समझ में आ गया है कि मध्यम वर्ग की उपेक्षा के कारण वह चुनाव में अपना लक्ष्य पूरा नही कर पाई। ऐसे में आगामी आम बजट के जरिए केंद्र की भाजपा सरकार चुनावी घोषणा पत्र के वादों को पूरा करने की तैयारी में है। माना जा रहा है कि इस बार का बजट युवा, रोजगार, महिला, बुजुर्ग और मध्यम वर्ग पर केंद्रित होगा। इसके लिए सरकार जहां आयुष्मान भारत से पांच लाख रुपये तक मुफ्त इलाज को जारी रखेगी वहीं 70 वर्ष से ऊपर के बुजुर्गों को मुफ्त इलाज मुहैया कराने का रास्ता भी साफ करेगी भाजपा ने चुनाव से पहले घोषणा की थी कि आयुष्मान भारत के तहत 70 वर्ष से ऊपर के बुजुर्गों को मुफ्त में इलाज मुहैया कराया जाएगा। अब बजट के माध्यम से पैसे का आवंटन करने की तैयारी है। इस तरह सरकार अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं का भी बजट बढ़ाने पर विचार कर रही है। इस बार युवाओं के लिए रोजगार पर भी विशेष ध्यान रहेगा। यही नही केन्द्र सरकार के कई विभागों में भारी भरकम रिक्तियों को भी भरने के लिए चरणबद्ध भर्ती प्रक्रिया शुरू कराने पर विचार कर रही है। आम चुनाव के नतीजे उम्मीद के मुताबिक न आने के बाद से भाजपा सरकार युवाओं को साधने की कोशिश कर रही है। ज्ञात हो कि इस वर्ष के अंत में कुछ राज्यों में विधानसभा चुनाव भी होने हैं, जिसमें भाजपा को लगता है कि अगर युवा वर्ग नाराज हुआ तो नुकसान उठाना पड़ सकता है। इसलिए युवाओं को रोजगार दिलाने के लिए केंद्र सरकार अपने खजाने का मुंह खोलने को तैयार है। इंफ्रास्ट्रक्चर, निवेश, उत्पादन, उच्च मूल्य वाली सर्विस, स्टार्टअप, पर्यटन और खेल के क्षेत्र में युवाओं के लिए रोजगार पैदा करने की संभावना तलाशी जा रही है। रोजगार पैदा करने वाले इन क्षेत्रों से जुड़ी परियोजनाओं में निवेश को बढ़ाने और नई परियोजनाओं को बजट के माध्यम से स्वीकृति मिलने की संभावना है। भाजपा सरकार भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने को लेकर लगातार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पैरवी कर रही है। जानकारों के अनुसार इस बार का बजट आधारभूत ढांचे से जुड़ी परियोजनाओं को आगे बढ़ाने का होगा। इसके लिए सरकार सड़क, रेल, बंदरगाह, बिजली, ग्रीन एनर्जी, एयरपोर्ट, मेट्रो समेत अन्य क्षेत्रों से जुड़ी परियोजनाओं को लेकर बड़ी घोषणा हो सकती हैं। इन परियोजनाओं के जरिए रोजगार के बड़े अवसर भी पैदा होंगे। इस तरह से उत्पादन और सर्विस क्षेत्र को लेकर भी बड़ी घोषणाएं संभव है, जिसमें सबसे ज्यादा कुशल व प्रशिक्षित युवाओं की जरूरत पड़ेगी। युवा अपने दम पर कारोबार के क्षेत्र में आगे बढ़ें, इसके लिए स्टार्टअप पर दी जा रही छूट को आगे भी जारी रखा जा सकता है कुछ अतिरिक्त ऐलान भी स्टार्टअप को लेकर किए जा सकते हैं। खेल और पर्यटन से जुड़ी मदों का बजट भी बढ़ाया जा सकता है। चुनाव से पहले भाजपा ने घोषणा पत्र में युवाओं के लिए इन सभी क्षेत्रों में रोजगार के अवसर पैदा करने का वादा भी किया था। यही नही बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी से परेशान मध्यम वर्ग के लिए आगामी बजट में वित्त मंत्री सीतारमण अभूतपूर्व घोषणाए कर सकती है। इस बॉत के संकेत गत दिवस बजट में राहत और आर्थिक सुधार के संकेत राष्ट्रपति अभिभाषण से भी मिले। श्री मुर्मू ने कहा कि आगामी बजट भविष्यदर्शी दस्तावेज होगा। सभी सुधारों को तेजी से आगे बढ़ाने का प्रावधान होगा। बजट में सरकार की ओर से ऐसे कई बड़े आर्थिक और सामाजिक फैसले लिए जाएंगे जिससे सरकार की दूरगामी नीति और भविष्य की दूरदर्शिता नजर आएगी।

संयुक्त परिवार का विघटनकारी स्वरूप, संस्कार संस्कृति को नकारती नई पीढ़ी

नई युग के रूपांतरण के साथ ही संयुक्त परिवार का विघटनकारी स्वरूप सामने आने लगा है बुजुर्ग लोगों को वृद्धा-आश्रम के हवाले सौंपने के पश्चात नौजवान पीढ़ी अपने एकल परिवार को लेकर अलग-अलग निवास करने लगी है और इसी के फल स्वरुप भारतीय संस्कृति तथा संस्कारो को नकारती हुई पाश्चात्य संस्कृति को आत्मसात करने में लगी हुई है। भारतीय संस्कृति हमें अपने भारतीय होने का एहसास कराती है। जो हमें विश्व के अन्य देशों से विकास की दौड़ में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है। भारत में अनेक परंपराएं ऐसी हैं जो सामाजिक जीवन को अधिक सभ्य एवं अच्छा इंसान बनाए रखने में योगदान देती है। जिनसे मनुष्यता का जीवन जीने की प्रेरणा भी मिलती है। यांत्रिक उपकरणों की तरह जिंदगी जीना भी कोई जीना है। यह भारतीय संस्कृति में पाश्चात्य का घालमेल ही है जो मनुष्य के जीवन को यंत्रवत बना देता है। जो आने वाले कल के लिए घातक भी हो सकती है। वहीं दूसरी ओर पाश्चात्य दर्शन की कुछ विशेषताएं भी हैं, जो हमारे विचारों को अधिक तार्किक तथा बौद्धिक बनाती है। जिससे हम अपना जीवन तार्किक तथा बौद्धिक बना सकते हैं। जिन्हें हम अपने जीवन में क्रियान्वित कर अपने मनुष्य जाति के जीवन को अधिक सार्थक एवं सुलभ बना सकते हैं। निसंदेह हमें रूढ़ीवादी या एकदम पुरातन पंथी संस्कृति से लगाव न रखकर पाश्चात्य संस्कृति के जो फायदे हैं, उन्हें अपनाकर अपना जीवन सरल सार्थक एवं सुगम बना सकते हैं। परंतु आज वर्तमान में हमने पश्चिम दर्शन से खोखला आधुनिकवाद ओढ़ लिया है ,हम ना अत्यंत आधुनिक ही हो सके हैं और ना ही सही-सही संस्कारित परंपरावादी ही बन पाए हैं हम हम पाश्चात्य दर्शन और भारतीय संस्कार और परंपरा के बीच त्रिशंकु बन कर झूल रहे हैंस विवेकानंद जी ने कहा है कि वीणा के तार को ईतना भी ना कसो कि वह टूट जाए, और इतना भी ढीला छोड़ो कि वह बज भी ना पाए, मूलतः हमें दोनों संस्कृतियों की समग्र अच्छाइयों को आत्मसात कर उनकी बुराइयों को त्यागना होगा तब ही जीवन सफल हो सकेगा। भारतीय संस्कृति अध्यात्म प्रधान है। जबकि पश्चिमी सभ्यता भौतिकता लिए होती है, और उसमें भौतिकता की प्रधानता होती है। आध्यात्मिक प्रधान संस्कृति से तात्पर्य भौतिकता वादी दृष्टिकोण से दूर रहकर भौतिकता वादी होने का ही है। प्राचीन काल से ही भारत देश में श्अतिथि देवो भवश् और श्वसुधैव कुटुंबकमश् वाली संस्कृति रही है। भारत की सांस्कृतिक धरोहर, विश्वास, भावना,आस्था, धर्म, रीति रिवाज जैसे तथ्यों से भरी पड़ी है। धर्म प्रधान संस्कृति होने के कारण ही इसे आध्यात्मिक प्रवृति वाला देश माना गया है। स्वामी रामकृष्ण परमहंस के शब्दों में यदि कहें तो ईश्वरत और त्याग पर्यायवाची शब्द है। संस्कृति और सदाचार उसकी बाह्य अभिव्यक्तियाँ है। परंपरागत दृष्टिकोण से हम अपने धार्मिक तथा अध्यात्मिक दर्शन को लेकर बहुत हद तक अपने आप को एवं देश को महिमामंडित करने में लगे रहते हैं। किंतु आज आवश्यकता इस बात की है कि हमें पूर्ण रूप से आध्यात्मिक ना होकर वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाकर इस तथ्य का मूल्यांकन किया जाना चाहिए कि 21 सदी में पांचवी एवं छठवीं सदी की मान्यताएं तथा परंपराएं जारी रख उन्हें अपना सकते हैं क्या?, आज जब दुनिया वैज्ञानिक चमत्कारों से भरी पड़ी है। दुनिया विज्ञान की प्रगति से चांद तो क्या सूर्य को भी खंगालने का प्रयास कर रही है। मानव का क्लोन बनाकर ईश्वर की सत्ता को चुनौती देने का प्रयास किया जा रहा है। ऐसे में धार्मिक संस्कृति तथा आध्यात्मिकता को आवश्यकता से अधिक महत्व एवं परंपरा में लाना प्रासंगिक एवं तार्किक होगा। निसंदेह नहीं। पाश्चात्य दर्शन भौतिकता प्रधान एवं वैज्ञानिक संस्कृति है। भौतिकता प्रधान युग से तात्पर्य ऐसी परंपरा जो यथार्थवादी दृष्टिकोण को सर्वाधिक महत्व देती है। वैसे ही भौतिकता का सामान्य मतलब इंद्रिय बोध से साक्षात संबंध रखने वाली वस्तु से है, अर्थात जो वास्तविकता है एवं यथार्थ है वही पाश्चात्य दर्शन है। पाश्चात्य संस्कृति को इसलिए भी वैज्ञानिक एवं वस्तु परख माना जाता है क्योंकि इसमें सूक्ष्म जांच पड़ताल कर वस्तु स्थिति का सही मूल्यांकन अपनाकर एक सामान्य सिद्धांत एवं नियम बनाया जाता है। जिससे भविष्य की बातों को जानकर जीवन को और अच्छा तथा बेहतर बनाने में मदद मिल सके। वैसे पाश्चात्य संस्कृति में बहुत सी अहितकर बातें भी हैं, जैसे वसुधैव कुटुंबकम की भावना कमतर होते जा रही है। संयुक्त परिवार की प्रणाली का विघटन होते जा रहा है। पारिवारिक वातावरण संघर्ष तथा तनावपूर्ण होते जा रहा हैं। पाश्चात्य संस्कृति की नकल कर लोग परिवार से अलग होकर स्वतंत्र जीवन यापन करना पसंद करते हैं। उनमे विवाह विच्छेद और अन्य विसंगतियां जन्म लेने लगी हैं। धर्म तथा आध्यात्मिक के प्रति आमजन की सूचिता धीरे धीरे कम होते जा रही है। ऐशो आराम के सामान खरीदने के कारण लोगों के खर्चे अनाप-शनाप बढ़ चुके हैं। बुजुर्गों की इज्जत तवज्जो होनी कम हो गई है। दादा और नाती के संबंधों में अब वह गर्माहट शेष नहीं रह गई है, जैसी की एक सांस्कृतिक तथा नैतिक परिवार जनों में हुआ करती थी। धीरे-धीरे परिवार के सदस्य अलग होकर अकेलेपन की समस्या से जूझ रहे हैं। आने वाली पीढ़ी अपनी संस्कृति एवं आध्यात्मिक प्रवृति भूलती जा रही है। प्रेम विवाह तथा अंतर जाति विवाह पाश्चात्य सभ्यता के कारण बहुत बढ़ गए हैं। जिससे वैवाहिक संबंध टूटने के कगार पर आ जाते हैं। दूसरी तरफपाश्चात्य सोच के कारण स्त्री सशक्तिकरण को बढ़ावा भी मिला है महिलाएं जहां पहले अपने घरों में कैद थी अब उन्मुक्त होकर शिक्षित होकर समाज में सफल होकर पुरुषों से कंधे से कंधा मिलाकर व्यवसायिक दृष्टिकोण अपनाकर बड़े-बड़े पदों में कार्य कर रही हैं। समाज में खुलापन भी आ गया है। विकास रोजगार एवं मानवीय सोच में भी काफी विस्तार आया है, जो विश्व की सभ्यताओं में आज मौजूद है,जो भारत के विकास में सहायक भी हैं। कुल मिलाकर बात यह है कि हमें आध्यात्मिक भारतीय परंपरा संस्कृति तथा पाश्चात्य दर्शन तथा पाश्चात्य संस्कृति की सकारात्मक बातें आत्मसात कर विकास की एक नई राह खोजनी होगी, एवं सदैव अच्छी बातों के लिए अपने मस्तिष्क को खुला रखना होगा और पाश्चात्य संस्कृति की विसंगतियों को दूर रख भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देना चाहिए।

जातिगत भेदभाव पर लोहिया, उनके विचार और शब्द रखते हैं अद्भुत समकालीनता

ब्रिटिश शासन के अंतिम दशकों की बात करें तो भारत में समाजवादी और कम्युनिस्ट नेता उपनिवेशवाद विरोधी राजनीति में सक्रिय थे। उसके बाद आजादी के पहले के दशकों में ये दोनों गुट कांग्रेस पार्टी के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती बने रहे। समाजवादियों और कम्युनिस्टों की शुरुआती पीढ़ियों में साहस और आदर्श के अलावा दूसरे कई गुण भी थे। फिर भी उनमें एक कमी थी- भारतीय समाज में जातिगत भेदभाव के बारे में जागरूकता की कमी। लेकिन इस मामले में समाजवादी विचारक और राजनीतिज्ञ राम मनोहर लोहिया एक अपवाद थे। जातिगत भेदभाव के ऊपर लोहिया ने जो लिखा, उसे प्रशंसकों ने इकट्ठा कर उनके जीवनकाल में ही एक किताब के रूप में हैदराबाद से प्रकाशित कराया था। हालांकि वह किताब लंबे समय से अब प्रिंट में नहीं है, लेकिन एक स्वतंत्र प्रकाशक ने उसका संशोधित संस्करण जरूर निकाला। संयोग की बात यह है कि वह प्रकाशन संस्थान भी हैदराबाद में ही स्थित था। लोहिया ने अपने वामपंथी साथियों के बारे में लिखा था कि वे ईमानदारी से, लेकिन गलत तरीके से यह सोचते हैं। वे मानते हैं कि सिर्फ आर्थिक असमानता को खत्म करने के परिणामस्वरूप जातिगत असमानता अपने आप खत्म हो जाएगी। उन्हें आर्थिक और जातिगत असमानता रूपी राक्षस को खत्म करना था, पर वे इसे समझ पाने में असफल रहे। लोहिया इस बात को बखूबी समझते थे कि भारतीय समाज में 'जाति' एक महत्वपूर्ण कारक है। जो लोग इसे सैद्धांतिक रूप से नहीं मानते हैं, वे इसे व्यावहारिक तौर पर इसे स्वीकार करते हैं। उन्होंने लिखा कि भारत में 'जन्म, मृत्यु, विवाह, दावत जैसे अनेक अनुष्ठान' जातिगत ढांचे के अनुसार ही चलते हैं। इस व्यवस्था को यह सुनिश्चित करने के लिए लागू किया गया था कि श्ऊंची जातियों के लोग राजनीतिक और आर्थिक, दोनों तरह से अपना शासन बनाए रखें। वे अकेले इस व्यवस्था को बंदूक के दम पर नहीं चला सकते थे, इसलिए उन्हें उन लोगों में हीनता की भावना को भरना था, जिन पर वे राज करना चाहते थे या जिनका शोषण करना चाहते थे। यद्यपि लोहिया दलितों के विरुद्ध भेदभाव को नजरअंदाज नहीं करते। उनका ध्यान उन सवर्ण या उच्च जातियों पर केंद्रित है, जहां से राजनीतिक, प्रशासनिक, पेशेवर, व्यावसायिक और बौद्धिक अभिजात्य वर्ग आते थे और छोटी जातियों का सत्ता और उच्च पदों पर बड़े पैमाने पर प्रतिनिधित्व नहीं था। 1958 में उन्होंने लिखा था कि सवर्ण, भारत की आबादी के पांचवें हिस्से से भी कम हैं। इसके बाद भी वे राष्ट्रीय गतिविधियों, व्यापार, सेना, सिविल सर्विस या फिर राजनीतिक पार्टियों में आसानी से आ जाते हैं। राष्ट्र की प्रगति के लिए इस असंतुलन को सही करना होगा। लोहिया चाहते थे कि उनके साथी समाज के निचले वर्गों, जैसे कि महिलाओं, पिछड़ों , हरिजन, मुस्लिम और आदिवासियों को ऊपर लाने के लिए संघर्ष करें, भले ही उनकी योग्यता आवश्यक रूप से कम हो। वे मानते थे कि सदियों पुराने इतिहास में जो कुछ हुआ, उसे अब खत्म किया जाना चाहिए। समाजवादियों से लोहिया की अपेक्षा थी कि वे अंतरजातीय, खासतौर से अलग-अलग वर्णों के बीच होने वाले विवाह को बढ़ावा दें। वे लिखते हैं, श्अगर जाति के बंधन को तोड़ दिया जाए या उसमें थोड़ी ढील दी जाए तो उच्च जाति के बहुत से युवा पिछड़ी जातियों की महिलाओं की ओर आकर्षित होंगे और अपने साथ-साथ देश के लिए खुशियां लाएंगे। ठीक इसी तरह पिछड़ी जातियों के लड़के उच्च जातियों की महिलाओं की जिंदगी में प्रवेश कर सकेंगे। 1960 में लोहिया ने जाति के अध्ययन और पिछड़ेपन को समझने के लिए संघ के गठन की बात कही थी। उन्होंने इस संघ के आठ मुख्य उद्देश्य बताए, जिनमें से दो के बारे में बताता हूं। पहला यह कि धर्म के साथ-साथ उसकी प्रथाओं को भी जाति दोष से मुक्त किया जाए, इस विश्वास के साथ कि अंतरजातीय विवाह करने से जातियां खत्म हो सकती हैं। दूसरा यह कि सरकारी पदों, राजनीतिक दलों, व्यापार और सशस्त्र सेवा में कानून या परंपरा के तौर पर 60 प्रतिशत पदों को पिछड़ी जाति, महिलाओं, हरिजन और आदिवासियों के लिए सुरक्षित करने की मांग की जाए। पुस्तक के एक दिलचस्प हिस्से में 1955-56 में एक तरफ डॉ. लोहिया और उनके सहयोगियों तथा दूसरी तरफ डॉ. भीमराव आंबेडकर के बीच आदान-प्रदान किए गए पत्रों की एक श्रृंखला को पुनः प्रस्तुत किया गया है। यहां इन दोनों नेताओं और उनके अनुयायियों को एक-दूसरे के करीब लाने का प्रयास किया गया था, शायद इस उद्देश्य से कि उनकी दोनों पार्टियां 1957 के आम चुनावों में एक साझा मंच पर लड़ें। लोहिया और आंबेडकर के बीच जब पत्र-व्यवहार की शुरुआत हुई थी, लोहिया ने आंबेडकर से कहा था, श्मैं चाहता हूं कि सहानुभूति के साथ गुस्सा भी जुड़ जाए और आप न सिर्फ पिछड़ी जातियों के, बल्कि भारतीय लोगों के भी नेता बनें।श आंबेडकर ने लोहिया के पत्र का जवाब देते हुए लिखा, श्आप मुझसे 2 अक्तूबर को दिल्ली में आकर मिलें।श यह गांधी का जन्मदिन था और शायद यह महज एक संयोग था। दुर्भाग्य से लोहिया के घुमक्कड़ जीवन और आंबेडकर के खराब स्वास्थ्य के कारण दोनों क्रांतिकारी सुधारक व्यक्तिगत रूप से मिलकर संभावित सहयोग पर चर्चा नहीं कर पाए। 6 दिसंबर, 1956 को आंबेडकर का निधन हो गया। लोहिया ने अपने साथी समाजवादी मधु लिमये को लिखा, श्आंबेडकर भारतीय राजनीति के महान व्यक्ति थे। गांधी के साथ-साथ वे भी सबसे बड़े हिंदू थे। इस तथ्य ने मुझे हमेशा से एक संबल और विश्वास दिया है कि हिंदू धर्म से जाति व्यवस्था एक दिन खत्म हो सकती है।श उन्होंने आगे लिखा, श्डॉ. आंबेडकर विद्वान, ईमानदार, साहसी और स्वतंत्र व्यक्ति थे। उन्हें बाहरी दुनिया में ईमानदार भारत के प्रतीक के रूप में देखा जा सकता था। लेकिन वे थोड़े सख्त थे। उन्होंने गैर-हरिजन का नेता बनने से मना कर दिया। लोहिया ने सोचा कि आंबेडकर के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि उन्हें डॉ. आंबेडकर ही बना रहने दिया जाए। जातिगत भेदभाव के प्रति लोहिया की गहरी जागरूकता उन्हें अपने समय के अन्य समाजवादियों से अलग करती है और यही बात उनके 'नारीवाद' पर भी लागू होती है। वे लिखते हैं, श्अगर भारतीय लोग पृथ्वी पर सबसे दुखी हैं, तो जातिगत भेदभाव और महिलाओं के प्रति दृष्टिकोण इस पतन के लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार हैं।

आज का राशिफल

मेष:- प्रतिभाओं के बावजूद हीनभाव प्रतिभाओं के लाभ से वंचित करेगा। कल्पनाओं में जीना छोड़ भौतिक जगत के अनुकूल चलने का प्रयत्न करें। सुख-साधनों की लालसा बढ़ेगी।

बृषभ:- किसी कार्य में सफलता से उत्साह में वृद्धि होगी। भौतिक सुख-साधनों की लालसा बढ़ेगी। महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति में असमर्थता जैसी स्थिति मन को निराश करेगी। परिश्रम से आर्थिक लाभ मिलेगा।

मिथुन:- नीरस स्वभाववश रचनात्मक योजनाओं को सार्थक करने में असमर्थ होंगे। सब कुछ सामान्य होते हुए भी मन अरुचि का शिकार होगा। समस्याओं के समाधान से उत्साह में वृद्धि होगी।

कर्क:- काफी दिनों से अवरोधित कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने के आसार बनेंगे। काफी दिनों से प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा। शिक्षा की दिशा में किया गया प्रयत्न सार्थक होगा।

सिंह:- अच्छे कायरें से परिजनो के दिल में जगह बनायें। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। महत्वपूर्ण कायरें में लापरवाही न करें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

कन्या:- कर्जदारों से मन परेशान होगा। नये क्षेत्रों में प्रयास से लाभ संभव। व्यावसायिक यात्रा द्वारा लाभ होगा। नये संबंधों के सहयोग से आर्थिक कठिनाइयां दूर होंगी। प्रणय संबंध के प्रति प्रगाढ़ता बढ़ेगी।

तुला:- भावुकता व्यावहारिक जगत के अनुकूल चलने में बाधक होगी। अतः व्यावहारिक बने। भविष्य संबंधी कुछ चिंतायें मन पर प्रभावी होंगी। विद्यार्थी शिक्षा में लापरवाही न बरतें। कल्पनाओं में जीना छोड़े।

वृश्चिक:- किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। सकारात्मक सोच अपनाते हुए जीवन को सही दिशा की ओर केंद्रित करें। परिजनो के अनुकूल चलने की चेष्टा करें।

धनु:- संवेदनील शरीर ग्रहों की प्रतिकूलता से बीमार पड़ सकता है। महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति में असमर्थता जैसी स्थिति मन को निराश करेगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव।

मकर:- नयी घरेलू जिम्मेदारियों के पैदा होने से व्यय संभव। प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा। नये कायरें के क्रियान्वयन हेतु प्रयत्न तीव्र होगा। घर में खुशहाल वातावरण रहेगा।

कुंभ:- कुछ व्यासायिक कारणों से घर से दूर रहना पड़ सकता है। परिजनों की सुख-सुविधा के प्रति मन चिंतित होगा। मस्त-मौला मन व्यर्थ के कायरे में समय जाया कर महत्वपूर्ण कायरे के प्रति लापरवाह होगा।

मीन:- थोड़ा संयमी व धैर्यवान बने। भाग्य से प्राप्त अच्छी-बुरी सभी स्थितियों के मध्य समझौतावादी रवैया आपनायें। कुछ नई व्यस्तताएं सामने आएंगी। महत्वपूर्ण दायित्वों की पूर्ति हेतु प्रयत्न तीव्र होगा।

आईआईटी आईएसएम में तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन संपन्न

➲ गणित और कंप्यूटिंग विभाग का मॉडलिंग, विश्लेषण एवं सिमुलेशन पर विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को दिया सेल्फ कॉन्फिडेंस

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता धनबाद

धनबाद - गणित और कंप्यूटिंग विभाग द्वारा आईआईटी (आईएसएम) धनबाद में मॉडलिंग, विश्लेषण और सिमुलेशन पर आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आज विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभागियों को झिझक छोड़ने एवं स्वयं पर लगाए गए अवरोधों से बाहर आनेऔर ज्ञान प्राप्त करेने के लिए विशेषज्ञों से बातचीत करने और के उपदेश के साथ संपन्न हुआ। यह अवसर आज शाम संस्थान के गोल्डन जुबली लेक्चर थियेटर में आयोजित तीन दिवसीय कार्यक्रम के समापन समारोह का था, जिसमें आईआईटी खड़गपुर के प्रख्यात गणितज्ञ प्रोफेसर ईजीपी राजशेखर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे, जबकि प्रोफेसर एमके सिंह, डीन (अकादमिक) ने समारोह की अध्यक्षता की। प्रतिभागियों की सभा को संबोधित करते हुए, प्रोफेसर

राजशेखर ने कहा, फविज्ञान में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए सबसे पहला और सबसे महत्वपूर्ण मानदंड प्रश्न पूछने के डर और विशेषज्ञों से बात करने की झिझक आदि को दूर करना हैफ और कहा कि सभी समान हैं इसलिए ज्ञान प्राप्त करने की प्रक्रिया.मैं किसी को भी किसी से डरने की जरूरत नहीं है। उन्होंने आगे राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) की आवश्यकताओं के अनुसार शिक्षा की अंत:विषय प्रकृति के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा, फवे दिन गए जब केवल कोर बीजगणित में रहने वाले लोग ही बीजगणितीय अभ्यास करने के लिए लगे हुए थे, लेकिन अब अधिकांश कॉम्बिनेटरिक्स हैं जो बीजगणितीय असाइनमेंट और इसके विपरीत के लिए लगे हुए हैं और कहा कि ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि विभाग अन्य प्रासंगिक डोमेन के विशेषज्ञों के लिए खुल रहे हैं। राजशेखर ने आगे कहा, फइस प्रकार चीजें बदल रही हैं और गणितज्ञ की भूमिका सीमित नहीं है, जबकि यह दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही हैफ और कहा कि नेशनल मिशन फॉर इंटरडिसिप्लिनरी साइबर फिजिकल सिस्टम (लगभग 4000 करोड़ रुपये) और नेशनल क्वांटम मिशन (लगभग 6000 रुपये) में गणितज्ञों के लिए बहुत बड़ा अवसर होगा और यह गणित के एक क्षेत्र तक सीमित नहीं है बल्कि विभिन्न क्षेत्रों के गणितज्ञों की आवश्यकता है प्रोफेसर एमके सिंह, डीन (अकादमिक) ने अपने अध्यक्षीय भाषण के दौरान कहा, फइस तरह के आयोजन किसी संस्थान के लिए आउटरीच गतिविधि के उद्देश्य को पूरा करते हैं क्योंकि शिक्षण, अनुसंधान, आउटरीच और सहकर्मी धारणाएं किसी भी संस्थान के पाठ्यक्रम के बहुत महत्वपूर्ण तत्व हैं उन्होंने आगे कहा कि इस प्रकार की गतिविधियाँ समय की आवश्यकता हैं और आजकल सभी विभागों को बहुत सारी सार्थक गतिविधियाँ करने के निर्देश दिए गए हैं, उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए सुधार और परिवर्तन बुनियादी आवश्यकता है।प्रोफेसर आरके उपाध्याय, विभागाध्यक्ष, गणित एवं कंप्यूटिंग, जो सम्मेलन के अध्यक्ष भी हैं, ने अपने विभाग के गौरवशाली इतिहास और सम्मेलन की पृष्ठभूमि के बारे में भी प्रकाश डाला। सम्मेलन के संयोजक प्रोफेसर संजीव आनंद साहू ने सम्मेलन की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए कहा कि फतीन दिवसीय सम्मेलन में अनुसंधान विद्वानों और संकाय सदस्यों सहित प्रतिभागियों द्वारा कुल 81 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए, जिनमें एनआईटी रायपुर, एनआईटी आंध्र प्रदेश, आईआईटी गुवाहाटी के प्रतिभागी शामिल थे। , आईआईटी दिल्लीफ और 16 प्रतिष्ठित विशेषज्ञों ने भी सम्मेलन में भाग लिया।

जिला जज व डीएम-एसपी ने किया जेल का औचक निरीक्षण

लखीमपुर खीरी। कारागार प्रशासन द्वारा बन्दियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, कारागार की साफ-सफाई तथा अन्य व्यवस्थाओं का जायज़ा लेने के लिए शनिवार को जिला जज लक्ष्मीकांत शुक्ला व डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल, एसपी गणेश प्रसाद साहा ने संयुक्त रुप से जिला कारागार का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की पड़ताल की। इस दौरान सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण योगेश कुमार यादव, प्रभारी मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट रेनू यादव मौजूद रहे।

जिला जज, डीएम व एसपी ने पुरुष और महिला बंदी ग्रह में जाकर बंदियों का हालचाल जाना एवं खाने-पीने के बारे में जानकारी प्राप्त की। साथ ही जेल प्रशासन को जरूरी दिशा निर्देश दिए। उन्होंने विभिन्न बैरिकों में जाकर बंदियों से मूलभूत सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं की जानकारी ली। कारागार में साफ-सफाई व्यवस्था मिलने पर संतोष व्यक्त किया। निर्देश दिए कि इसी प्रकार प्रतिदिन जेल में साफ-सफाई बनाए रखी जाए। जिला जज ने बंदियों से पूछा कि कोई ऐसा तो नहीं है जिसकी लंबे समय से पेशी ना रही हो रही हो। इस पर बंदियों ने उत्तर दिया कि सभी की पेशी हो रही है। इस दौरान ज़िला जज ने जेल बैरक, अस्पताल, आदि का निरीक्षण किया। पुरुष बंदियों, महिला बंदियों से वार्ता कर स्थिति का जायजा लिया उनकी समस्याओं की जानकारी लेकर उनके निस्तारण के लिए जेल अधिकारियों को निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान चिकित्साधिकारी डॉ शिवपूजन व डॉ दीपांकर ने कारागार चिकित्सालय में भर्ती मरीजो के बारे में विस्तृत जानकारी दी। जेल निरीक्षण के दौरान कारागार अधीक्षक पी.डी सलोनिया, जेलर हरिवंश कुमार पांडेय, डिप्टी जेलर भोजराज सिंह,चिकित्सक डॉ. दीपांकर रावत, डॉ शिवपूजन आदि मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक कर अधूरे काम जल्द पूरा करने के दिए निर्देश

जल निकासी की समस्या का तत्काल निराकरण हो

सीतापुर। शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी अभिषेक आनंद की अध्यक्षता में समस्त नगर निकायों के अधिशासी अधिकारियों की बैठक हुई। जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि नगर निकायों में संचालित विकास कार्यों को निर्धारित समयावधि में पूरी गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जाये।

उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों में लापरवाही करने वाले ठेकेदारों को नोटिस जारी की जाए। सुधार न होने की स्थिति में ब्लैक लिस्टेड किये जाने की कार्यवाही की जाये। जन शिकायतों का प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित किये जाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि बरसात के मौसम में सफाई की उचित व्यवस्था की जाये। जल निकासी तथा नाला सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करते हुये जलभराव की स्थिति में तत्काल जल निकासी करायी जाये। संचारी रोगों की रोकथाम हेतु स्वच्छता एवं फागिंग का भी पर्याप्त प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश भी जिलाधिकारी ने दिये। बेसहारा गौवंश को अभियान चलाकर संरक्षित किये जाने के निर्देश भी दिये। नैमिषारण्य क्षेत्र में चक्रतीर्थ एवं मॉ ललिता देवी मन्दिर के आस-पास क्षेत्र में बेहतर स्वच्छता व्यवस्था सुनिश्चित किये जाने हेतु भी निर्देशित किया। बैठक में अपर जिलाधिकारी नीतीश कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

भारी बारिश के चलते गांव के साथ साथ खेत भी हुए जलमग्न

सिकंदरा, कानपुर देहात। क्षेत्र में दो दिनों की बारिश से खेत-खलिहान लबालब गए हैं। इस वर्ष लगातार बारिश होने से किसानों को धान बुआई में बहुत परेशानी भी हो रही है। कई किसान इस वर्ष अपने खेतों में दो से तीन बार बोआई कर चुके हैं इसके बाद भी बीज अंकुरित नहीं हो पा रहा है क्योंकि अधिक पानी के कारण खेतों में बीज डालने के बाद बार-बार बीज सड़ जा रहा है।वर्ष जून माह के दूसरे सप्ताह से ही बारिश शुरू हो जाने से अच्छी बारिश के बाद किसान आषाढ़ लगने से पहले ज्येष्ठ माह में ही बोनी शुरू कर दिए थे। जिसके कारण अन्य वर्षों की अपेक्षा इस वर्ष बोआई का कार्य पहले ही प्रारंभ हो गया था। पहले बोआई करने वाले किसानों का धान तो अब निकल आया है वहीं कई किसानों का धान बोआई में लगातार पानी बाधक बन रहा हैइस वर्ष बारिश ज्यादा कृषि विभाग से मिली जानकारी के अनुसार पिछले वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष बारिश भी अधिक हुई है और बोआई का कार्य रुकावट आ रही है। और कई किसानों का बोआई का कार्य पूर्ण हो गया है। हालांकि से क्षेत्र के खेत खलिहानों में पानी लबालब हो गया है। जिससे किसानों द्वारा बोआई के लिए खेतों में डाला गया बीज के डूब जाने से सड़ जाने की आशंका बनी हुई है।

व्यापारी कल्याण दिवस के रूप में मनाया गया भामाशाह का जन्मदिन

सीतापुर। शनिवार को दानवीर भामाशाह के जन्मदिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय पर व्यापारी कल्याण दिवस आयोजित किया। जिलाधिकारी अभिषेक आनंद की अध्यक्षता में उद्योग विभाग एवं राज्य कर विभाग के संयुक्त तत्वाधान में कलेक्ट्रेट सभागार में कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान जनपद में एकल सर्वाधिक कर राजस्व जमा करने वाली दो फार्मों के प्रतिनिधियों को स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही जनपद में निवेश करने वाली फर्मों के प्रतिनिधियों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये जिलाधिकारी अभिषेक आनंद ने सभी को प्रेरित करते हुये कहा कि अपना टैक्स समय से भरा जाना सुनिश्चित करें। नए लोगों को भी समय पर टैक्स जमा करने के लिये प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि उद्यमियों और व्यापारियों को जो भी समस्याएं हों, वह तत्काल संज्ञान में लायें, समस्याओं का तत्काल निस्तारण कराया जायेगा। कार्यक्रम में दौरान मुख्य विकास अधिकारी निधि बंसल, आशीष गुप्ता, राममूरत, वीपी सिंह आदि मौजूद रहे।

अभिलेखों मे दर्ज होने के बाबजूद भी कब्जेदारों द्वारा नहीं छोड़ी जा रही जमीन

भोगनीपुर, कानपुर देहात। मूसानगर थाने की जमीन पर अवैध तरीके से दमगों का कब्जा राजस्व अभिलेखों में दर्ज होने के बाद भी एक दर्जन से ज्यादा अवैध कब्जेदार थाने की जमीन छोड़ने का नाम ही नहीं ले रहे जबकि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अवैध कबजेदारों के खिलाफ बुलडोजर चला कर धराशाई कर रहे हैं 15 दिन पहले भोगनीपुर तहसीलदार ने अवैध कबजेदारों के खिलाफ जांच करके रिपोर्ट जिला अधिकारी को सौंपी थी ।लेकिन कार्रवाई अधूरी पड़ी। भोगनीपुर तहसील के मूसानगर नगर पंचायत में एक दर्जन से ज्यादा दमगों ने अवैध कब्जा करके थाना पुलिस की जमीन हथिया ली है। थाना पुलिस ने काफी प्रयास करने के बाद दमगों ने अवैध कब्जा नहीं छोड़ा जबकि थाना पुलिस और तहसील प्रशासन व नगर पंचायत के कर्मचारियों ने एड़ी चोटी का जोर लगा लिया फिर भी अवैध कबजेदारों ने जमीन में मकान बनाकर खड़े कर लिए आए दिन काम सुचारू से चालू बना रहता है। और प्रशासन ताकता नजर आ रहा है। अवैध कब्जे धारकों से थाने की जमीन छुड़ाने की थाना पुलिस हिम्मत नहीं जुटा पा रही है। सूत्रों ने बताया कि मूसानगर की थाने की जमीन पर अवैध कब्जे धारकों को विधायक और मंत्रियों का संरक्षण प्राप्त होने से थाना पुलिस से लेकर तहसील प्रशासन और नगर पंचायत के कर्मचारियों के हाथ पांव कांप रहे हैं। जबकि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आए दिन अवैध कब्जे धारकों के खिलाफ बुलडोजर चला कर अवैध कब्जा मुक्त किया जा रहा है वही मूसानगर नगर पंचायत में अगर देखना है तो दमगों का कहर देखने को हकीकत मिलेगा। वही मूसानगर की जनता उत्तर प्रदेश के मंत्री और विधायक सरकार के खिलाफ सवाल खड़े कर रहे हैं।

जबकि उत्तर प्रदेश की सरकार भूमाफियाओं पर कड़ी कार्रवाई करने में पीछे नहीं हटती ।लेकिन मूसानगर नगर पंचायत में अवैध तरीके से दमगों ने कब्जा करके मकान खड़े कर लिए हैं । जबकि तहसील प्रशासन से लेकर पुलिस नगर पंचायत के कर्मचारी पीछे हटते नजर आ रहे हैं। वहीं नगर पंचायत के कर्मचारियों के द्वारा सरकारी समरसेबल से दमगों के अवैध कब्जे के मकान में पानी की व्यवस्था भी की गई है।लेकिन ऐसे कर्मचारियों पर कार्रवाई भी नहीं की जा रही है। दबंग कब्जेदार परवेज अलादीन पप्पू अखिलेश सोनकर छोटे दुल्ली अरुण यूसूफ सवाना आदि ने खाने की जमीन पर अवैध कब्जा करके मकान भी बनवा लिए हैं। थाना पुलिस ने अवैध कब्जा हटाने की कोशिश की लेकिन सत्ताधारी नेताओं ने अवैध कब्जा हटाने पर रोक लगाई। लेखपाल प्रवीण शुक्ल ने बताया कि थाने की जमीन पर नापतोल करके रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को भेजी गई है। जबकि भोगनीपुर तहसीलदार सुनील कुमार ने मौके पर पहुंचकर जांच रिपोर्ट जिला अधिकारी कुछ सौंपी लेकिन 15 दिन बीतने के बाद भी कार्रवाई अधूरी पड़ी हुई है। जिससे मूसानगर के ग्रामीणों में अवैध कबजे दारों के खिलाफ आक्रोश व्याप्त है। इस संबंध में भोगनीपुर तहसीलदार सुनील कुमार ने बताया कि जांच रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को भेजी गई है जल्द से जल्द अवैध कबजेदारकों के खिलाफ धस्तीकरण का आदेश जारी किया जाएगा।

वेतनमान की मांग को लेकर सहायक अध्यापकों ने निकाला मार्शल जुलूस

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता धनबाद

धनबाद - टुंडी, राज्य व्यापी आंदोलन के क्रम मे आज 30 जुन हुल दिवस पर राज्य के सभी प्रखंड मुख्यालयों में झारखण्ड सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा के बैनर तले मशाल जुलूस निकाला जा रहा है ।इस निमित 30 जुन रविवार को हुल दिवस के अवसर पर टुंडी प्रखंड के सहायक अध्यापको ने प्रखंड मुख्यालय से बाजार तक मशाल जुलूस कुलदीप पांडेय अनिल राजवंशी के नेतृत्व मे निकाला गया।मशाल जुलूस में मुख्य रूप से राज्य सदस्य निरंजन दे व सुशील पांडेय उपस्थित हुए। दोनों राज्य सदस्यों ने संयुक्त बयान जारी कर राज्य सरकार को चेताया ओर कहा कि अविलंब वर्तमान सरकार अपने तीन माह मे वेतनमान देने की वादा को पूरा करे अन्यथा इससे भी ज्यादा उग्र आंदोलन की रूप रेखा तैयार की जायेगी। मशाल जुलूस में राज्य सदस्य सुशील कुमार पांडे, राज्य सदस्य निरंजन दे समेत सैकड़ों सहायक अध्यापकों ने भाग लिया ओर कहा कि टुंडी दिशोम गुरू शिबु सोरेन का आंदोलन की धरती रही है,ओर राज्य के सहायक अध्यापक अब उन्ही के राह मे चलने को वीवश है,झारखंड सरकार बिहार के तर्ज पर वेतनमान जल्द लागू करे,अन्यथा जोरदार आंदोलन होगा। जुलुस में मुख्य रूप से राजीव सिंह, गिरीश साव,पंकज विश्वकर्मा,सतार अंसारी,अब्दुल रसीद, गाजों सिंह,अशोक महरा,लीलनाथ मंडल,पवन मंडल,मलयाशीस बनर्जी,कोमेश हंसदा,शुशील कुमार,अनोज शर्मा, भागीरथ सिंह,ईश्वर मुर्मु,नंदलाल महतो, सुरेन किस्कू,भानु प्रसाद,अब्दुल सतार,लक्ष्मण प्रसाद, रामचंद्र तिवारी,सुनील मुर्मु,नकुल रविदास,अख्तर अंसारी, एमडी सिराज,शुशील मुर्मु नीलांबर रजवार(दिनेश कुमार महतो(पूर्वी टुंडी प्रखंड अध्यक्ष) लखन राय,इंद्रदेव राय,सुभाष महतो,मनोज ,कृष्ण,सत्रुधन कुमार,सत्येंद्र चौधरी,परितोष,महतो, रामू ओझा ,सुभाष रजवार, अनेकों पारा शिक्षक शामिल थे।

एक सप्ताह से बिजली न आने से परेशान हैं हस्तिनापुर के लोग

➲ खराब ट्रांसफार्मर कई बार शिकायत के बाद भी नही बदला गया

सीतापुर। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शहर से लेकर गांवों तक बिजली व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दे रखे हैं। यहां तक कहा गया है कि अगर कहीं ट्रांसफार्मर फुंक जाए, तो उसे 24 घंटे के अंदर बदला जाए। बावजूद इसके जिम्मेदार मनमानी पर उतारू हैं।

ऐसा ही मामला जिले के पिसावां क्षेत्र में नेरी उपकेंद्र से जुड़ी ग्राम पंचायत हस्तिनापुर में देखने को मिल रहा है। इस ग्राम पंचायत में लगा ट्रांसफारमर करीब एक सप्ताह पूर्व फुंक गया था। ग्रामीणों को उम्मीद थी, कि जब मुख्यमंत्री ने 24 घंटे में ट्रांसफार्मर बदलने के निर्देश दे रखे हैं, तो बिजली विभाग जल्द ही यह काम करेगा। ग्रामीणों को इंतजार करते -करते एक सप्ताह का वक्त बीत चुका है, लेकिन अभी तक ट्रांसफार्मर बदला नहीं गया है। गांव के राम सेवक, बृजलाल, ठाकुर, राजू, पप्पू, बिंद्रा आदि ने बताया कि घरों मे लगे बिजली उपकरण शो पीस बन गए हैं। भीषण गर्मी में भी बिजली का पंखा नहीं चला सकते। गांव में कई लोगों के घर तो पेयजल तक की दिक्कत हो रही है। ग्रामीणों का कहना है कि तमाम शिकायतों के बावजूद जिम्मेदार ध्यान नहीं दे रहे हैं। रात के वक्त पूरा गांव अंधेरे में डूबा रहता है। जिससे चोरी जैसी वारदातों का भय भी बना हुआ है।

संदिग्ध परिस्थितियों में नदी में उतराता मिला युवक का शव

सीतापुर। महोली कोतवाली क्षेत्र में एक युवक की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। उसका शव नदी में उतराता हुआ मिला है। पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। महोली कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला चमारन टोला निवासी अनिल कुमार उर्फ बंटी पुत्र प्रमनलाल मछली पकड़ने के लिए कठिना नदी पर गया था।

जिसके बाद वह लौटकर घर नहीं पहुंचा। परिजन उसे तलाशने के लिए कठिना नदी तट पर पहुंचे, तो वहां का दृश्य देख उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। क्योंकि नदी में अनिल कुमार का शव उतरा रहा था। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल में जुट गई। परिजन हत्या का संदेह जता रहे हैं। इधर पुलिस का कहना है कि ऐसा प्रतीत हो रहा है, कि जैसे युवक की मौत डूबकर हुई हो। घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हैं। पुलिस ने मृत्यु का कारण स्पष्ट करने के लिए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

हुल दिवस पर मशाल जुलूस निकाल कर सहायक अध्यापकों ने सरकार के खिलाफ किया गया उलगुलान,सरकार पर वादाखिलाफी का लगाया आरोप

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता धनबाद

धनबाद - सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा के बैनर तलेफ वादा पुरा- करो सरकार , राज्यव्यापी कार्यक्रम के तहत आज 30 जून 2024 को वेतनमान सहित अन्य मांगो को लेकर झारखण्ड सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा बाघमारा - तोपचांची प्रखंड इकाई के कतरास कांलेज से मशाल जुलूस निकाला गया, जिसका नेतृत्व जिला प्रदेश अध्यक्ष सिद्दीक शेख,जिला अध्यक्ष अशोक चक्रवर्ती, रमेश सिंह, बीरेन्द्र शर्मा। छोटन प्रसाद राम कर रहे थे । आज हुल दिवस पर मशाल जुलूस के माध्यम से आंदोलन का शंखनाद किया गया,अपने पुराने आंदोलन की तरह शंकुल- प्रखंड में सहायक अध्यापक (पारा शिक्षक) की संकल्प सभा होगी । 30 जून हुल दिवस पर राज्य के सभी जिला मुख्यालयों मशाल जुलूस निकाल कर सरकार के प्रतिकार किया गया , अगर मांगो पर सकारात्मक पहल नही की गई तो 20 जुलाई से मुख्यमंत्री आवास का अनिश्चितकालीन घेराव किया जायेगा। प्रदेश अध्यक्ष सिद्दीक शेख ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सरकार बनने के तीन माह में वेतनमान देने वायदा कर सवा चार वर्षों में भी पूरा नहीं किया, पिछले चार माह से राज्य में चंपई सोरेन जी की सरकार है, जो स्वयं को हेमंत पार्ट 2 कहते हैं लेकिन इसमें भी पारा शिक्षकों का कुछ काम नहीं हुआ । जिला अध्यक्ष अशोक चक्रवर्ती वर्तमान समय में राज्य के 62 हजार पारा शिक्षक सरकार बनने के साढ़े चार वर्ष बीतने के बावजूद वेतनमान नहीं मिलने, ईपीएफ तथा अनुकंपा नहीं मिलने, आंदोलन के क्रम में रघुवर सरकार द्वारा किए गए केस वापसी नहीं होने सहित विभिन्न मांगों की पूर्ति नहीं हुआ। उन्होने कहा कि झारखंड में सहायक अध्यापक राजनीति षड़यंत्र के शिकार हुए है, हमारा राज्य खनिज- संपदा रहने के बावजूद यहां के सहायक अध्यापक बदहाल है । मांगे (1) वेतनमान एवं राज्यकर्मी का दर्जा सहायक अध्यापकों को अल्पसंख्यक विद्यालयों में नियुक्त शिक्षकों के तर्ज पर वेतनमान (93००---348००) एवं बिहार राज्य के तर्ज पर राज्यकर्मी का दर्जा प्रदान किया जाय। 2- सहायक अध्यापको को कर्मचारी भविष्य निधि का लाभ यथाशीघ्र दिया जाय। 3- झारखण्ड अधिविध परिषद राँची के हठधर्मिता के कारण आकलन परीक्षा के प्रश्नों के त्रुटिपूर्ण उत्तर के संशोधित परिणाम यथाशीघ्र जारी करने के साथ-साथ आकलन उत्तीर्णता के प्रमाण पत्र एवं द्वितीय आकलन परीक्षा आयोजित किया जाय। द्वितीय आकलन परीक्षा में ईडब्ल्यूएस एवं दिव्यांग अभ्यर्थियों को नियमानुसार अंकों का अधिभार दिया जाए (4) सहायक अध्यापक सेवा शर्त नियमावली 2021 में अंकित प्रावधानों के अनुरूप सहायक अध्यापकों को अनुकंपा का लाभ सहायक अध्यापकों के आश्रितों को योग्यता अनुरूप लचीला किया जाय । मशाल जुलूस कार्यक्रम में मुख्य रूप से (5) सहायक अध्यापकों के साथ सामाजिक न्याय करते हुए आंगनबाड़ी सेविका / सहायिका की तरह सेवानिवृत्ति 65 वर्ष किया जाय 6- बिहार सरकार के नियोजित शिक्षकों की तरह सीटेट एवं आकलन उत्तीर्ण सहायक अध्यापकों को टेट के समतुल्य लाभ दिया जाय। बैठक में मुख्य रूप से परितोष महतो ,संजय सिंह, बलराम महतो,साजीद शेख, नरेंद्र सिंह(गुड्डू) इम्तियाज शेख, जितेन्द्र सिंह कार्तिक रवानी, पिंकी कुमारी, प्रतिमा कुमारी,मुनमुन सरकार, मंजु देवी,रुबीना बानो , रूबिना कौशर,दिनेश तिवारी,पंकज प्रमाणिक, पुरण महतो, हरभजन सिंह, जयदेव चौबे,इमदाद, गोरखनाथ गुप्ता, ग्रीन्दर यादव, सुनील राम मुख्य रूप से उपस्थित थे ।

डीएम निशा अनंत-जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश अग्रहारि ने मेधावियों को किया सम्मानित

प्रदेश टॉपर की सूची में जिले के 2 छात्र तो जिले के 20 टॉपर छात्र छात्राएं हुए सम्मानित

अमेठी। माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश प्रयागराज द्वारा आयोजित यूपी बोर्ड हाईस्कूल/इंटरमीडिएट परीक्षा 2024 में जनपद स्तर पर उत्तीर्ण मेधावी छात्र-छात्राओं के सम्मान समारोह का आयोजन शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश अग्रहरि व जिलाधिकारी निशा अनंत ने हाईस्कूल/इंटरमीडिएट की परीक्षा में उत्तीर्ण मेधावियों को टैबलेट, प्रमाण पत्र, गोल्ड मेडल व चेक देकर सम्मानित किया है, जिसमें इंटरमीडिएट के छात्र गुलाब चौहान तथा विवेक पटेल को रुपए 1-1 लाख की धनराशि का चेक तथा इंटरमीडिएट के 9 छात्र- छात्राओं क्रमशः अंजली चौरसिया, जसवंत कुमार, श्रेया तिवारी, आकांक्षा मिश्रा, शुभम कुमार वर्मा, सुमित तिवारी, मोहम्मद अयान, हर्ष पांडे व श्रद्धा दुबे को रुपए 21-21 हजार का चेक तथा हाई स्कूल के मेधावी छात्र-छात्राओं क्रमशः सौरभ सिंह, आराधना शुक्ला, अबू जैद, समीक्षा सिंह, सेजल, अंकित मौर्या, आदित्य चौरसिया, यशी सोनकर, प्राची सिंह, आस्था पांडे व सुभी को रुपए 21-21 हजार का चेक, प्रमाण पत्र, गोल्ड मेडल व टैबलेट देकर सम्मानित किया गया तथा उत्तीर्ण सभी मेधावियों को बधाई व शुभकामनाएं दी एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।कार्यक्रम के दौरान लखनऊ में आयोजित मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण किया गया जिसे सभी छात्र-छात्राओं ने देखा एवं सुना। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष, जिलाधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक ने उत्तीर्ण सभी मेधावियों तथा उनके माता-पिता, गुरुजनों को बधाई दी एवं छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन किया और उत्तीर्ण सभी छात्र-छात्राओं से आगे भी कड़ी मेहनत करने की अपील किया। कार्यक्रम में जिला विद्यालय निरीक्षक रीता सिंह द्वारा जिला पंचायत अध्यक्ष व जिलाधिकारी को शील्ड देखकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में एसडीएम सात्विक श्रीवास्तव सहित मेधावी छात्र-छात्राएं, उनके अभिभावक व गुरुजन उपस्थित रहे।

दुद्धी तहसील में कार्यरत उपजिलाधिकारी के पेशकार सहित 3 कर्मियों का तबादला

दुद्धी, सोनभद्र। स्थानीय तहसील मुख्यालय पर कार्यरत उपजिलाधिकारी के पेशकार सहित न्यायिक लिपिक व टंकड़ लिपिक का तबादला यहां से जिलाधिकारी ने कर दिया है। उपजिलाधिकारी पेशकार अतुल कुमार मालवीय जो यहाँ दुद्धी तहसील में कार्यरत थे उन्हें ओबरा उपजिलाधिकारी के पेशकार पद पर नई तैनाती मिली है, वहीं तहसीलदार न्यायालय में तैनात न्याय लिपिक राकेश कुमार नवीन का तबादला नायब नाजिर तहसील राबर्ट्सगंज के पद पर कर दिया गया है, वहीं दुद्धी तहसील में टंकड़ लिपिक विवेकानंद यादव का तबादला टंकड़ लिपिक तहसीलदार ओबरा के पद पर कर दिया गया है । वहीं उपजिलाधिकारी राबर्ट्सगंज कार्यालय में तैनात प्रस्तुतकार सत्य प्रकाश सिंह को दुद्धी उपजिलाधिकारी कार्यालय में प्रस्तुतकार पद पर नवीन तैनाती मिली है।

बारिश के शुरुआती दौर में ही ढह गई साधन सहकारी समिति भुड़कुड़ा की बाउंड्री वॉल जिम्मेदारों ने साधी चुप्पी

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता राकेश पाण्डेय

सीतापुर - जिले में मानक विहीन निर्माण कार्य का चलन जोरों पर है। बीते वर्षों में एक गांव के साधन सहकारी समिति में बनवाई गई बाउंड्री वॉल पहली बरसात में ही ढह गई। बाउंड्री वॉल के गिरने के बाद लोगों में मानक विहीन निर्माण कार्य की चर्चा जोरों पर है। जानकारी के अनुसार जिले की तहसील महमूदाबाद क्षेत्र के ब्लाक पहला के अन्तर्गत ग्राम पंचायत शमशाबाद में साधन सहकारी समिति भुड़कुंडा की बाउंड्री वॉल का निर्माण बीते वर्षों में पूर्व प्रधान सहज राम वर्मा के द्वारा कराया गया था।मानक विहीन बाउंड्री निर्माण होने के कारण बीती 28 जून 2024 की रात को पहली ही बारिश में बाउंड्री वॉल ढह गई। बताते हैं कि बारिश का दौर शुरू ही हुआ था, कि बीती रात्रि को तेज आंधी व बारिश के चलते बाउंड्री वॉल गिर कर क्षतिग्रस्त हो गई है। इस सम्बन्ध में जागरूक ग्रामीणों की ओर से शासन प्रशासन से मांग की जा रही है कि इस समिति की क्षतिग्रस्त हुई बाउंड्री वॉल की जांच कराकर मानक विहीन निर्माण कार्य कराए जाने वाले दोषी पर त्वरित आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुए बाउंड्री वॉल का निर्माण कराया जाए, ताकि समिति के अन्य बिल्डिंग का किसी प्रकार से नुकसान न हो सके।

जमीन विवाद में हुए मारपीट में बुजुर्ग की मौत और तीन घायल

विवादित जमीन पर सरिया गाड़ने को लेकर हुआ विवाद

जगदीशपुर, अमेठी। जनपद में जमीन विवाद में हत्याओं का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। जहां शुक्रवार देर रात आबादी की जमीन पर सरिया गाड़ने के विवाद में दो सगे भाइयों के बीच मारपीट हो गई। जिसके बाद दोनों पक्षों में जमकर लाठी-डंडे चलने लगे। मारपीट में बुजुर्ग रामनेवाज (80) की मौके पर ही मौत हो गई।घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर एक आरोपी को हिरासत में ले लिया है। पूरा मामला भाले सुल्तान थाना क्षेत्र के अलीनगर गांव का है। जहां के रहने वाले रामनेवाज और उनके भाई रामजग के बीच आबादी की जमीन पर कब्जे को लेकर विवाद चल रहा था। देर रात विवादित जमीन पर रामजग का बेटा शुभम सरिया गाड़ने लगा, जिसे रोकने के लिए राम निवास का बेटा शिवचरन मौके पर पहुंचा,जिसके बाद दोनों में मारपीट होने लगी। देखते ही देखते दोनों पक्ष भिड़ गए। इसी बीच राम नेवाज जमीन पर गिर पड़ा जहां उसकी मौत हो गई। घटना के बाद हमलावर मौके से भाग निकले। पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को जगदीशपुर सीएससी पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने बुजुर्ग राम नेवाज को मृत घोषित कर दिया। जबकि उनकी पत्नी और दो बेटों का इलाज चल रहा है।मामले में मृतक रामनिवास के बेटे रामचरण ने बताया कि उसके चाचा रामजग ने परिवार सहित मिलकर उन लोगों पर हमला कर दिया। हमले में पिता राम नेवाज (80), मां सुषमा, बेटा रामचरण व शिवचरण गंभीर रूप से घायल हुए है। अस्पताल में पिता को डॉक्टरों ने मृत घोषितकर दिया है।थाना अध्यक्ष भाले सुल्तान दयाशंकर मिश्र ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह प्रतीत हो रहा है कि झगड़े में दहशत में आकर बुजुर्ग की मौत हुई है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। मृतक के बेटे की तहरीर पर तीन लोगों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है। एक आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

गाज गिरने से पांच की मौत, एक झुलसा

फतेहपुर, । अलग-अलग क्षेत्रो में गरज के साथ गिरी आकाशीय बिजली की चपेट में आकर पांच लोगों समेत आधा दर्जन पशुओं की मौत हो गई। जिलाधिकारी ने घटनाओं का संज्ञान लेते हुए घटनास्थल पर पीड़ित परिवार को सांत्वना देने व अग्रेतर कार्यवाई हेतु राजस्व विभाग के उच्चाधिकारियों को भेजा है। घटनाओं पर गहरी संवदेना व्यक्त करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि जिला प्रशासन पीड़ित परिवार के साथ है और मृतकों के परिजनों को तत्काल दैवीय आपदा के अन्तर्गत राज्य आपदा मोचन निधि से शासन द्वारा निर्धारित अहेतुक सहायता धनराशि उपलब्ध करायी जायेगी। जिसकी कार्यवाई की जा रही है। आकाशीय बिजली के चपेट में आकर मरने वालों में सदर तहसील के गाजीपुर थानां क्षेत्र के देवलान गाँव निवासी रामपाल का 40 वर्षीय पुत्र कैलाश, खागा तहसील के हथगांम विकास खण्ड क्षेत्र के अजमतपुर गांव निवासी विमलेश कुमार की 9 वर्षीय पुत्री काजल, खागा तहसील अंतर्गत किशनपुर थाना क्षेत्र के झुरहापुर गाँव निवासी राम कृपाल की 50 वर्षीय पत्नी कैरी देवी शामिल है।

अमेठी में प्रधान के भाई की पीट-पीटकर हत्या

गाड़ी हटाने को लेकर हुआ था विवाद

अमेठी। जनपद में शुक्रवार देर रात बाजार से घर जा रहे बाइक सवार ग्राम प्रधान के भाई पर दबंगों ने लाठी डंडों और धारदार हथियार से हमला कर दिया। दबंगों के हमले में ग्राम प्रधान के भाई की मौके पर मौत हो गई,जबकि साथी गंभीर रूप से घायल हो गया।वारदात अमेठी कोतवाली क्षेत्र के बेनीपुर नहर के पास की है। बताया जा रहा है कि गाड़ी हटाने को लेकर कुछ युवकों से ग्राम प्रधान के भाई का विवाद हो गया था। इसके बाद दोनों पक्षों में कहासुनी हो गई। युवकों ने धारदार हथियार और लाठी डंडों से दोनों पर हमला कर दिया।घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों को इलाज के लिए अमेठी सीएचसी पहुंचाया। यहां डॉक्टरों ने ग्राम प्रधान के भाई को मृत घोषित कर दिया। वहीं उसके साथी का इलाज चल रहा है। युवक की हत्या के बाद स्थिति तनावपूर्ण है। अमेठी एसपी समेत बड़ी संख्या में पुलिसबल मौके पर पहुंचे वहीं घटना के बाद परिजन और ग्रामीणों आक्रोशित रहे। पूरा मामला अमेठी कोतवाली क्षेत्र का है जहां करेडगांव गांव के ग्राम प्रधान विजय सिंह के भाई अजय सिंह (42) अपने साथी सौरभ सिंह के साथ अमेठी कस्बे से देर रात बाइक से गांव जा रहे थे।अजय अभी बेनीपुर नहर के पास पहुंचा ही था कि कुछ युवक बीच रास्ते में बैठकर शराब पी रहे थे।जहां गाड़ी हटाने को लेकर दोनों पक्षों में कहा सुनी हो गई। जिसके बाद शराब पी रहे दबंगों ने अजय और सौरभ पर धारदार हथियार और लाठी डंडों से हमला कर दिया।दबंगों के हमले में अजय की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि सौरभ गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद सभी दबंग मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस दोनों को लेकर अमेठी सीएचसी पहुंची। यहां डॉक्टरों ने अजय को मृत घोषित कर दिया। सौरभ के सर में गंभीर चोट होने के कारण उसका इलाज चल रहा है। जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।घटना से मृतक के परिजन और ग्रामीण काफी आक्रोशित हो गए। जिसके बाद एसपी अनूप कुमार सिंह एएसपी समेत एसओजी टीम और कई थानों की फोर्स मौके पर पहुंची। मौके पर पहुंचे एसपी और परिजनों में थोड़ी नोकझोंक भी हुई। परिजन बिना पोस्टमॉर्टम कराए शव को घर ले जाने की बात कर रहे थे, जबकि पुलिस शव को पोस्टमॉर्टम कराने के लिए कह रही थी।मामले में एसपी अनूप सिंह ने कहा कि अजय सिंह अपाचे बाइक से अपने घर जा रहे थे। जहां बीच रास्ते में गाड़ी हटाने को लेकर दो व्यक्तियों से विवाद हुआ, जिसमें अजय और उनके साथी को चोटें आई। दोनों को घायल अवस्था में अमेठी सीएचसी लाया गया। जहां डॉक्टरों ने अजय को मृत घोषित कर दिया। अभी मोनू पासी और एक अन्य व्यक्ति का नाम प्रकाश में आया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमों को रवाना कर दिया गया। जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। अन्य विधिक कार्रवाई की जा रही है।

(आस-पास)

अपर जिला पंचायत ने घघिया बांध का लिया जायजा

खामियां मिलने पर लगाई फटकार

सोनभद्र। विकास खंड दुद्धी के ग्राम पंचायत फुलवार में समोही नाला पर बांध का निर्माण जिला पंचायत से लगभग 50 लाख की लागत से कराया जा रहा है । जिसमें ग्रामीणों ने ठेकेदार व संबंधित जे,ई की मिलीभगत बताते हुए मनमानी तरीके से अनियमितता का आरोप लगाते हुए उच्चाधिकारियों से शिकायत की थी। जिसको तत्काल प्रभाव से संज्ञान में लेते हुए आज दोपहर में अपर जिला पंचायत सोनभद्र राजेश चौधरी मौके पर पहुँच कर बांध की स्थिति को देखा,तो अवाक रह गये । तत्पश्चात खामियों को गिनाते हुए संबंधितों को कड़ी फटकार लगाई तथा अल्टीमेटम देते हुए कहा कि , किसी भी स्थिति में समय रहते बांध के काम को दिन रात युद्ध स्तर पर करने की जरुरत है। जिससे ग्रामीण किसानों की किसी प्रकार की क्षति न हो। इस मौके पर ग्राम प्रधान दिनेश कुमार, जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि राधेश्याम पनिका, बिहारी लाल, मानिकचंद, सूरजमन, सतेंद्र सहित दर्जनों ग्रामीण व संबंधित ठेकेदार व जे,ई मौजूद रहे।

सेवानिवृत्त हुए बीडीओ एसएन सिंह की समारोह आयोजित कर की गई विदाई

सुलतानपुर। खण्ड विकास अधिकारी बल्दीराय एसएन सिंह का शनिवार को समारोह पूर्वक विदाई कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम का आयोजन ब्लाक प्रमुख शिव कुमार सिंह द्वारा किया गया।शिव कुमार सिंह ने विदाई समारोह के मौके पर कहा कि बल्दीराय में बीडीओ रहे एसएन सिंह का कार्य व व्यवहार बहुत ही सहयोगात्मक रहा ।आप की कार्य कुशलता का व सहयोग का परिणाम है कि ब्लाक बल्दीराय को जिले में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ।खण्ड विकास अधिकारी एसएन सिंह ने अपने विदाई समारोह कार्यक्रम में कहा कि बल्दीराय में कार्य करना बहुत ही सहज रहा।सभी प्रधान व क्षेत्र पंचायत सदस्यगणों के साथ प्रमुख व समस्त ब्लाक के कर्मचारियों का पूर्ण समर्थन मिला।स्थानान्तरण व सेवा निवृत्ति सरकारी नौकरी का हिस्सा है।बल्दीराय ब्लाक में सेवा पूर्ण होने पर आप सभी से जो प्रेम व सम्मान मिला उसके लिए हम आप सभी के सदैव आभारी रहेंगे।इससे पूर्व वर्तमान खण्ड विकास अधिकारी राधेश्याम वर्मा,प्रमुख शिव कुमार सिंह,आंगनबाड़ी सुपरवाइजर राजवती सिंह,प्रधान हजारी लाल साहू,देवेंद्र सिंह पप्पू,राम जी श्रीवास्तव, गुलाम हैदर,पवन अग्रहरि सहित तमाम प्रधानों ने अंग वस्त्र,श्रीराम दरबार,व माल्यार्पण कर स्वागत किया।इस मौके पर श्याम प्रीत,स्वामीनाथ यादव,बाबा योगराज,राजा सिंह,प्रभात सिंह,अरविंद सिंह बबलू ,हौंसला प्रसाद,विपिन कुमार सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

राष्ट्रीय हिंदू शेर सेना सीतापुर के जिला सचिव बनाए गए अंकित दीक्षित

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता राकेश पाण्डेय

सीतापुर - जब हो जज्बा कुछ कर गुजरने का तो सफलता कदम चूमती है। जी हां अगर आपने कुछ करने का प्रण अपने में ठाना है तो नियति भी उसे पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ती है। राष्ट्रीय हिंदू शेर सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विकास हिंदू व राष्ट्रीय महासचिव प्रदीप शुक्ला के अनुमोदन पर अंकित दीक्षित को राष्ट्रीय हिंदू शेर सेना का सीतापुर जिला सचिव नियुक्त किया गया। नवनियुक्त जिला सचिव अंकित दीक्षित ने कहा संगठन ने जिस विश्वास के साथ मुझे यह पद दिया है उस पर मैं पूर्ण रूप से खरा उतरने का हर संभव प्रयास करूंगा और संगठन को आगे बढ़ाने का कार्य करूंगा अंकित दीक्षित ने यह आश्वासन दिया कि मैं अपने पद का पूरी ईमानदारी के साथ निर्वाहन करूंगा।संगठन के सहयोग से सनातन धर्म के प्रति हमेशा कार्य करूंगा राष्ट्रीय हिंदू शेर सेना के समस्त पदाधिकारी का तन मन धन के साथ हमेशा सहयोग करूंगा। नवनियुक्त जिला सचिव अंकित दीक्षित ने कहा कि किसी भी राष्ट्र के निर्माण में युवाओं का सदैव अहम योगदान रहा युवा जिधर चलता है उधर कारवां अपने आप बन जाता है। इस मौके पर राष्ट्रीय हिंदू शेर सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष ,विकास हिंदू,राष्ट्रीय महासचिव प्रदीप हिंदू, प्रदेश अध्यक्ष दीपक हिंदू,जिला प्रभारी भगवान शरण हिंदू ,अभिषेक हिंदू ,व समस्त पदाधिकारी,समाज के गणमान्य व्यक्तियों सहित बहुतायत संख्या में समाजसेवियों ने शुभकामनाएं व बधाई संदेश प्रेषित किए।

परसेहरा माल में संचालित हो रहे पेड़ के नीचे क्लीनिक

पेड़ो के नीचे लिटाकर किया जा रहा इलाज

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता राकेश पाण्डेय

सीतापुर - जब एक तरफ उत्तर प्रदेश सरकार के मुखिया आम जनमानस को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने का दम भर रहे है तो वहीं दूसरी तरफ स्वास्थ्य विभाग की खाऊ कमाऊ नीति के चलते उनके संरक्षण में गली-गली गांव गांव खुले मानक वहीन स्वास्थ्य केंद्र आम जनमानस की जब पर डाका डाल कर मौत के मुंह में ढ़केलना का काम कर रहे हैं। हरगांव थाना क्षेत्र के अन्तर्गत हरगांव सीतापुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर परसेरामाल में सड़क के किनारे एक क्लीनिक चलाया जा रहा है।जिसमें मरीजों को पेड़ के नीचे लिटाकर इलाज किया जा रहा है।इस अनियमितता की ओर स्वास्थ्य विभाग के उच्चाधिकारियों का ध्यान क्यों नहीं जा रहा है।एक सोचनीय विषय है। जानकारी के अनुसार हरगांव थाना क्षेत्र के अन्तर्गत व सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र हरगांव के अधीक्षक डा0निनितेश वर्मा की नाक के नीचे हरगांव सीतापुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर ग्राम परसेहरामाल चौराहे पर एक अवैध रुप से हरिओम क्लीनिक नाम से चिकित्सालय चलाया जा रहा है। बताते हैं की संचालित हरिओम क्लीनिक का रजिस्ट्रेशन भी नही है। गौरतलब रहे चिकित्सालय इससे पहले अनन्या क्लीनिक के नाम से अवैध रूप से चलाया जा रहा था।जिसको स्वास्थ्य विभाग सीतापुर के प्रशासन ने सीज कर दिया था। जो अब नाम बदलकर बिना रजिस्ट्रेशन कराए हरिओम क्लीनिक के नाम से चलाया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार इसके संचालक जगजीवन के पास स्वास्थ्य विभाग की कोई भी डिग्री नहीं है।इसके बावजूद भी झोलाछाप डॉक्टरों की तरह इलाज क्लीनिक के बाहर मेज पर लिटाकर मरीजों को ग्लूकोज चढ़ाया जाता है।क्लीनिक संचालक स्वास्थ्य विभाग के नियम/ शर्तों को नहीं मानते हैं। मरीजों को मेज पर ही लिटा कर बाहर पेड के नीचे इलाज करते आए नजर आते है।क्लीनिक के अन्दर एक भी बेड नही पाए गए। देखना अब यह है की क्या सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र हरगांव के अधीक्षक डा. नीतेश वर्मा व मुख्य चिकित्सा अधिकारी सीतापुर डा. हर पाल सिंह क्या संज्ञान लेते है यह भविष्य के गर्भ में है।

सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत, एक घायल

फतेहपुर, । कल्यानपुर थाना क्षेत्र के नेशनल हाईवे-2 स्थित चौडगरा के समीप बाइक सवार को अज्ञात वाहन टक्कर मारते हुए निकल गया। जिससे बाइक सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया जहां डॉक्टर ने जांच के बाद एक को मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार हथगाम थाना क्षेत्र के जाफराबाद गांव निवासी श्यामलाल का 40 वर्षीय पुत्र अशोक कुमार व थाना क्षेत्र के रुस्तमपुर गांव निवासी सूरज का 20 वर्षीय पुत्र पप्पू दोनों बाइक पर सवार होकर कल्यानपुर थाना क्षेत्र के कटरी गांव किसी काम से गए थे। वहां से वापस लौटते समय थाना क्षेत्र की नेशनल हाईवे 2 पर स्थित चौडगरा के समीप अज्ञात वाहन उनकी बाइक को टक्कर मारते हुए निकल गया। जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना स्थानियों ने सरकारी 108 एंबुलेंस को दिया।

विंढमगंज में विजली विभाग के खिलाफ ग्रामीणों का फूटा गुस्सा

⇨ व्यापार मण्डल अध्यक्ष की अगुवाई में जोरदार प्रदर्शन

कोन, सोनभद्र। कोन थाना क्षेत्र से सटे विंढमगंज क्षेत्र में लगातार तीन दिनों से रात्रि को अघोषित बिजली कटौती के कारण, व हल्के बरसात होने से हो रही उमस से बेहाल ग्रामीणों ने शुक्रवार को सुबह 10ः00 बजे सुभाष तिराहे पर व्यापार मंडल अध्यक्ष राकेश कुमार केसरी के अगुवाई में जोरदार प्रदर्शन कर, गांधी पार्क में बिजली आपूर्ति के लिए पूरे दिन अनशन किया। वहीं पूरे दिन बिजली नहीं आने पर ग्रामीणों का गुस्सा रात्रि लगभग 9ः00 बजे युवा नेता ओम प्रकाश यादव , विजय पासवान , लवकुश चंद्रवंशी के नेतृत्व में सैकड़ो की तादात में ग्रामीण युवाओं का गुस्सा रांची रीवा राष्ट्रीय राजमार्ग पर जोरदार नारों के साथ बिजली विभाग मुर्दाबाद, बिजली विभाग की मनमानी नहीं चलेगी, के साथ फूट पड़ा, तथा नारेबाजी करते हुए थाने के गेट पर पहुंचे जहां थाना प्रभारी निरीक्षक प्रमोद यादव ने ग्रामीणों को शांत कर उनकी समस्या को सुना। तत्पश्चात सेल फोन के माध्यम से उच्च अधिकारियों को बिजली आपूर्ति की समस्या से अवगत कराया। बिजली विभाग के संबंधित अधिकारियों के द्वारा 10 मिनट के अंदर बिजली बहाल किए जाने के बाद एकत्रित नौजवान अपने-अपने घरों को गए।

थाना क्षेत्र के अंतर्गत 32 ग्राम पंचायत की बिजली आपूर्ति बहाल किए जाने के लिए बना केवाल सब स्टेशन पर बीते तीन दिनों से मेन लाइन बाधित किए जाने के कारण क्षेत्र में बिजली आपूर्ति बंद थी । वहीं दूसरी ओर हल्की बरसात से हो रही उमस के कारण आम जनमानस बेहाल हो गया था, जिसके क्रम में शुक्रवार को सुबह सुबाश तिराहा पर व्यापार मंडल अध्यक्ष के द्वारा जोरदार प्रदर्शन कर पूरे दिन गांधी पार्क में क्रमिक अनशन करने के पश्चात थाने पर संबंधित अधिकारी को बिजली आपूर्ति बहाल किए जाने का ज्ञापन दिया था। आपूर्ति बहाल नहीं किए जाने पर भूख हड़ताल की चेतावनी दी गई थी। इसके बाद भी बिजली आपूर्ति बहाल नहीं होने पर बीती रात्रि लगभग 9ः00 बजे गर्मी व उमश से बेहाल सैकड़ो नौजवानों का जत्था मेन रोड व बाजार में भ्रमण कर बिजली विभाग मुरादाबाद, बिजली विभाग की मनमानी नहीं चलेगी ,के नारे लगते हुए थाने पर पहुंचे, जहां थाना प्रभारी निरीक्षक ने तत्काल संबंधित अधिकारियों से सेल से फोन वार्ता कर बिजली आपूर्ति कराए जाने पर लोग अपने-अपने घरों को गए। इस दौरान ओम प्रकाश यादव, विजय पासवान, लव कुश चंद्रवंशी ,मन्नू केसरी, रविंद्र जायसवाल, उदय जायसवाल, अभय उपाध्याय, दिनेश कुमार, प्रमोद कुमार, सुरेंद्र कुमार, प्रिंस कुमार ,अमरजीत केसरी, हर्षित चंद्रवंशी, अमरेश केसरी सहित दर्जनों की संख्या में लोग मौजूद रहे । थाना प्रभारी निरीक्षक के द्वारा बिजली की समस्या पर उठाए गए कदम के पश्चात तत्काल बिजली आपूर्ति बहाल किए जाने पर मौजूद सैकड़ो नौजवानों ने थाना प्रभारी निरीक्षक की भूरि भूरि प्रशंसा की।

ताहिरा कश्यप

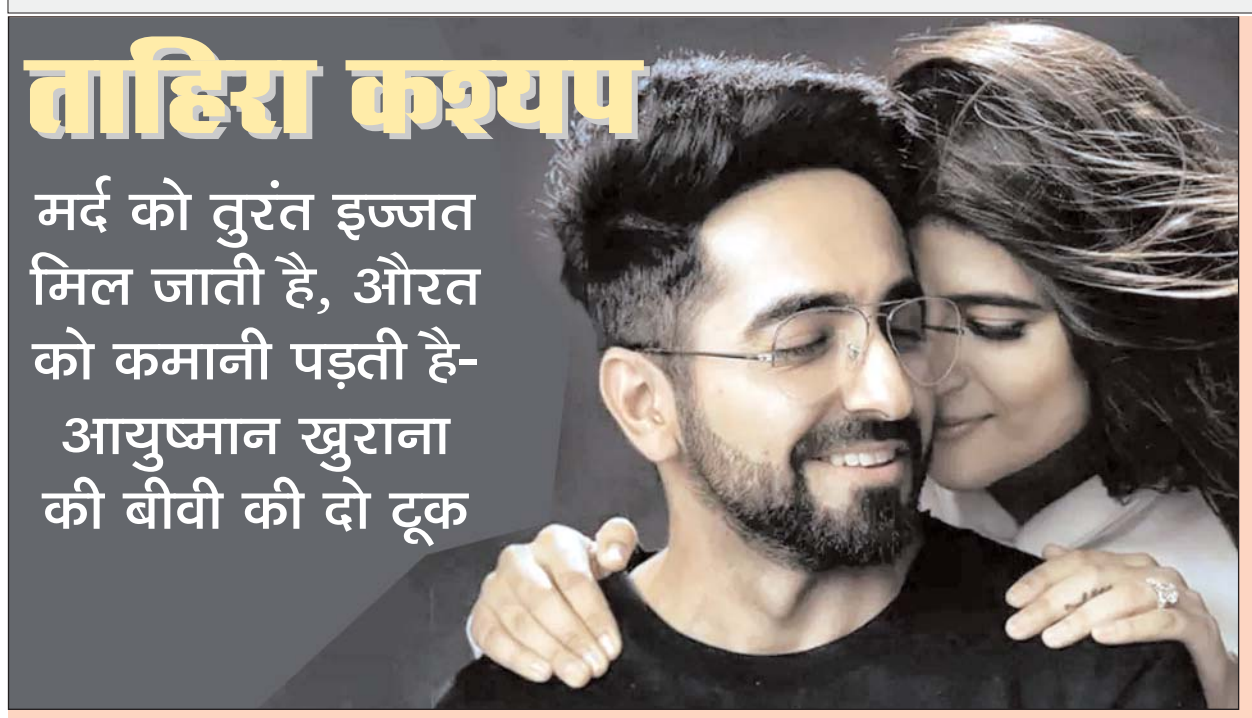

मर्द को तुरंत इज्जत मिल जाती है, औरत को कमानी पड़ती है- आयुष्मान खुराना की बीवी की दो टूक

आयुष्मान खुराना की वाइफ अब फेमस राइटर और डायरेक्टर बन चुकी हैं। अब उनकी अपनी पहचान है। अब वो खुद के नाम से जानी जाती हैं। उनका ये सफर कब और कैसे शुरू हुआ, आइए इस बारे में खुद उनसे जानते हैं, जो ब्रेस्ट कैंसर जैसी गंभीर बीमारी को मात दे चुकी हैं।

आयुष्मान खुराना की वाइफ ताहिरा कश्यप अब फेमस राइटर और डायरेक्टर हैं

वो अपनी पहली फीचर फिल्म शशर्मा जी की बेटीश् के साथ दर्शकों के सामने हैं

अपनी इस पहचान बनाने के सफर में कब-कहां किससे प्रेरणा मिली, आइये जानते हैं

सालों पहले उनकी पहचान जाने-माने एक्टर आयुष्मान खुराना की पत्नी के रूप में थी, मगर प्रोफेसर, लेखक, निर्देशक बनकर और ब्रेस्ट कैंसर की जंग जीतकर उन्होंने खुद को न केवल एक फाइटर साबित किया बल्कि अपनी अलग पहचान भी बनाई। हम बात कर रहे हैं ताहिरा कश्यप की। कई किताबों के लेखन और शॉर्ट फिल्म्स के निर्देशन के बाद अब वे अपनी नई फीचर फिल्म शशर्मा जी की बेटीश् के साथ सामने हैं। उनसे एक खास बातचीत।

आज से तकरीबन सात साल पहले आपकी एक शार्ट फिल्म आई थी शटॉफीश् और अब आप ओटीटी पर अपनी फिल्म शशर्मा जी की बेटीश् लेकर आ रही हैं?

-हमेशा से जेहन में निर्देशक बनने की चाहत रही है। मगर हिम्मत जुटाने में थोड़े साल और लग गए। मेरी परवरिश एक मध्यमवर्गीय परिवार की है, तो मेरे लिए आर्थिक स्थायित्व बहुत मायने रखता है। स्कूल-कॉलेज में मैंने दस साल थिएटर किया, मगर जब एमेच्योर थिएटर को प्रोफेशनल थिएटर ग्रुप बनाने की कोशिश की, तो कोई टिकट खरीदने नहीं आया। उस वक्त मैंने कॉर्पोरेट जॉब का सहारा लिया।श

फिल्म की हुई तारीफ लेखन-निर्देशन को मिला बलश

शमैंने जर्नलिज्म और मास कम्युनिकेशन में पोस्ट ग्रेजुएशन की। फिर मैं कॉलेज में प्रोफेसर बन गई। उससे पहले मैंने रेडियो में काम किया। मैं जब ये सारा काम कर रही थी, तब भी मेरा दिल कहीं और था। यही वजह थी कि मैंने अपनी पहली शॉर्ट फिल्म शटॉफीश् बनाई। मेरी इस फिल्म का काफी प्यार मिला। यह फिल्म मामी, ताइवान इंटरनैशनल फिल्म फेस्टिवल्स जैसी कई फिल्मोत्सवों में सराही गई। इस तारीफ से मेरे लेखन- निर्देशन को बल मिला। उसके बाद मैंने 2-3 और शॉर्ट फिल्म बनाई और अब मैं पांच औरतों के इर्द गिर्द घूमने वाली शशर्मा जी की बेटीश् के साथ प्रस्तुत हुई हूं। मेरा मानना है कि आज की तारीख में महिला प्रधान फिल्म बनाने, उसे हाइलाइट और रिलीज करना बहुत बड़ा टास्क है। इसलिए यह सफर मेरे लिए काफी चुनौतीपूर्ण रहा है। यह फिल्म मेरे लिए खास है। इसमें ड्रामा और कॉमिडी सब कुछ है।श

-(हंस कर) जब भी अपनी कहानियों में एक मेल किरदार पाऊंगी, तब मुझे उनके लिए एक स्क्रिप्ट लिखनी होगी। एक ऐसी कहानी, जो उन्हें पसंद आए और साथ ही मुझे भी। ये म्युचुअल होगा। वो इंडस्ट्री में मेरे सीनियर हैं, तो उनको डायरेक्ट करने के लिए मुझे थोड़ा काम और करना पड़ेगा।

पत्नी ताहिरा कश्यप के साथ डिनर डेट पर निकले आयुष्मान खुराना, कैसी लगी जोड़ी?

तो आपको किस तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ा है?

-महिला निर्देशक होने की, तो खैर एक अलग चुनौती है, मगर एक औरत होने के नाते जो चौलेंज होते हैं, वो भी कम नहीं हैं। आप जब घर से बाहर निकलती हैं, तो प्राथमिकता के मामले में आपको कदम-कदम पर अहसास दिलाया जाता है कि आप एक औरत हैं। चाहे वो एक वेटर आकर आपको मैन्यू कार्ड दे रहा है या फिर बिल किसे थमा रहा है? वो बिल आपको नहीं देता, वो उम्मीद नहीं करता कि बिल आप देंगी या मैन्यू आप ऑर्डर करेंगी। उसको लगता है बिल तो मर्द ही पे करेगा। हमारी सोसायटी में ही मैंने ऑब्जर्व किया है कि सिक्योरिटी जय हिंद सर कहता है, जय हिंद मैम बहुत कम बोला जाता है। हमें रोजमर्रा की जिंदगी में इस असमानता का सामना करना पड़ता है। ये तो फिर भी बहुत छोटी-छोटी बातें हैं। हम महिलाओं को एजुकेशन हो या जॉब अपॉर्चुनिटी, असमानता झेलनी पड़ती है। सैलरी और हमारे अधिकार तो बहुत बड़े मुद्दे हैं। हमें रिस्पेक्ट हासिल करने के मामले में भी पक्षपात सहना पड़ता है। तो महिला होने की चुनौतियां अनंत हैं और उन्हीं चुनौतियों को मैंने अपनी फिल्म में हलके-फुलके ढंग से दर्शाया है।

मर्द को तुरंत मिलती है इज्जत, औरत को खुद को साबित करना पड़ता है

ताहिरा ने कहा, शएक मर्द जब काम के लिए घर से बाहर जाता है, तो उसे मर्द होने के नाते तुरंत इज्जत मिलती है, जबकि एक औरत को खुद को ज्यादा साबित करना पड़ता है कि उसे अपन काम आता है। अपने सेट पर, क्रू में आपको सिद्ध करना पड़ता है कि आप अपने काम में माहिर हैं। महिलाओं को लगातार हर मोर्चे पर साबित करना पड़ता है कि वे अच्छी मां हैं, अच्छी पत्नी हैं। बहुत एनर्जी लग जाती है, इसमें।श

ब्रेस्ट कैंसर सर्वाइवर के रूप में आप एक फाइटर भी रही हैं। कैंसर की जंग में आपके लिए सबसे ज्यादा मुश्किल क्या था?

-देखिए, कैंसर की जंग में फिजिकल पेन तो एक हिस्सा होता ही है, जिससे गुजरना पड़ता है। मगर उस दौर में इस ट्रीटमेंट के दौरान पितृसत्ताक सोच कैसे अपनी भूमिका निभाती है, यह जानना भी कम दुखदायी नहीं था। मुझे जब अपने ब्रेस्ट कैंसर का पता चला, तो मैंने इसे बहुत ही सकारात्मक और गरिमापूर्ण ढंग से हैंडल करने का फैसला किया। अपने ट्रीटमेंट के दौरान मुझे पता चला कि कई औरतें अपनी मैमोग्राफी, कीमोथेरेपी नहीं करवाती, क्योंकि एक जॉइंट फैमिली सिस्टम में वे ब्रा नहीं बोल सकती, तो ये कैसे बोलें कि उनके ब्रेस्ट में गांठ है। ब्रेस्ट बोलना ही टैबू है। कई औरतें यह ट्रीटमेंट न करवाने के कारण अपनी जान गंवाती हैं। डॉक्टर ने मुझे आंकड़े बताए, जो बहुत भयावह हैं। हम औरतों को हमेशा ऑब्जेक्टिफाय किया जाता है कि स्तनों का काम किसी खास चीज के लिए है।

मगर लोग ये भूल जाते हैं कि एक महिला जब बच्चे को जन्म देती है, तो उसे ब्रेस्ट से ही फीड करवाना पड़ता है। यह मेरे लिए बहुत ही शॉकिंग और पेनफुल था। यही वजह थी कि मैंने लोगों के सामने अपनी ब्रेस्ट कैंसर की जर्नी शेयर की, ताकि लोगों में एक जागरूकता आए।

आप एक बहुमुखी प्रतिभा की स्वामिनी होने के साथ-साथ दो बच्चों की मां भी हैं। कैसे मैनेज करती हैं? क्या आपको भी मदर गिल्ट सताता है?

-मुझे लगता है मदर गिल्ट तो हम सभी माओं के जीवन का हिस्सा होता है। आप यकीन नहीं मानेंगे कि मैं यहां आप से इंटरव्यू कर रही हूं और मेरे दिमाग में चल रहा है कि बच्चों ने शाम का नाश्ता किया या नहीं?

सच में आप कुछ भी काम कर रहे हों, बच्चों की फिक्र लगी रहती है। मुझे लगता है, हमें मर्दों को भी ये सवाल लगातार हथोड़े मारने की तरह पूछते रहना चाहिए कि आप बच्चे और काम को कैसे मैनेज करते हैं? हो सकता है, वे गिल्ट महसूस करने लगें और तब जाकर शायद हमारा गिल्ट कम हो। ये होना जरूरी है।

बॉलीवुड में कई एक्टर्स ऐसे हैं, जिनकी बतौर कपल मिसाल दी जाती है। उनकी लव स्टोरी फैंस को भी खूब भाती है। इन ही कपल्स में से एक हैं आयुष्मान खुराना और ताहिरा कश्यप, जिनके प्यार की कहानी स्कूल टाइम से शुरू हुई और शादी के मंडप तक पहुंची।

जब आयुष्मान खुराना फिल्म इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाने के लिए संघर्ष कर रहे थे, तो उस दौरान भी ताहिरा ने उनका साथ नहीं छोड़ा।

हालांकि, खुद आयुष्मान ने अब एक इंटरव्यू में बताया कि जब उन्हें शुरुआत में प्रसिद्धि मिली थी, तो उन्होंने सीधा जाकर ताहिरा कश्यप से ब्रेकअप कर लिया था। वह उनके पास वापस क्यों लौटे इसकी वजह भी आयुष्मान खुराना ने बताई।

ग्लैमर की दुनिया में प्रसिद्धि मिलना यूं तो कठिन होता है, लेकिन उससे ज्यादा मुश्किल होता है, उस लोकप्रियता के मिलने के बाद अपने पांव जमीन पर बनाए रखना। अभिनेता आयुष्मान खुराना ने एक साक्षात्कार में बताया कि, श् जब उन्हें नई-नई प्रसिद्धि मिली थी, तो उन्होंने सीधे ताहिरा कश्यप जो अब उनकी पत्नी हैं, लेकिन पहले गर्लफ्रेंड हुआ करती थीं, उनसे ब्रेकअप कर लिया था।

वह बताते हैं कि मैं 17-18 साल का था, जब प्रसिद्धि से मेरा सामना हुआ था । तब इंटरनेट मीडिया नहीं था। मैं कॉलेज के फेस्टिवल में भाग लेते-लेते रियलिटी शो तक पहुंच गया था, पहले प्रतिभागी, फिर उसी शो में एंकर और जज बन गया था। मुझे लोगों से काफी अटेंशन मिल रहा था। चंडीगढ़ में प्रसिद्ध हो गया था । मैंने ताहिरा से ब्रेकअप कर लिया यह कहकर कि मुझे जिंदगी जीनी हैश।

इस वजह से उल्टे पांव लौटे थे आयुष्मान

आयुष्मान ने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा, ष्छह महीने एक साल बाद मैं उनके पास वापस आ गया कि यह अटेंशन मुझसे नहीं संभल रही है। रियलिटी शो में एक साल तक लोकप्रियता मिलती है। अगले साल उसमें कोई और विजेता बनता है और लोग आपको भूल जाते हैं। फेम बहुत ही अस्थाई होता है।

अब इंटरनेट मीडिया पर तो सफलता मिलने से पहले ही कुछ लोगों को प्रसिद्धि मिल जाती है। कुछ लोग तो ऐसे हैं, जो फेमस हैं, लेकिन कुछ कमा नहीं रहे हैं।

प्रसिद्धि के साथ डील करना कठिन है। मैं तो यही कहता हूं कि खुद को गंभीरता से न लें। हर दिन सीखने वाला होता है। कुछ सीखो अपनी मिट्टी से जुड़े रहोष।

आलिया के साथ नजर आएंगी शरवरी वाघ

15 जुलाई से शुरू होगी स्पाई फिल्म की शूटिंग, भारत-पाक की रंजिश से अलग होगी कहानी

आलिया भट्ट अपने करियर की चौथी एक्शन फिल्म की शूटिंग 15 जुलाई से शुरू करेंगी। इसमें उनके साथ शरवरी वाघ, अनिल कपूर और बॉबी देओल भी हैं। इसका बुनियादी प्लॉट देशभक्ति के इर्द-गिर्द बुना गया है। उनके करीबियों ने जाहिर किया कि जासूसों की फिल्म होने के बावजूद इसमें भारत-पाकिस्तान की रंजिश वाला टिपिकल एंगल नहीं है। इसके बजाय देश के अंदरूनी दुश्मनों के नापाक इरादों को आलिया और शरवरी का किरदार ध्वस्त करता नजर आएगा। इसमें देश की खूफिया एजेंसियों में मौजूद गद्दारों और विभागीय राजनीति को भी प्रमुखता से दिखाया जाएगा। इस फिल्म को शिव रवैल डायरेक्ट कर रहे हैं। उस वेब सीरीज से जुड़े अधिकांश क्रू मेंबर्स को आलिया की इस फिल्म पर भी रिपीट किया गया है।

फिल्म की शूटिंग 15 जुलाई से मुंबई में शुरू होनी है, फिर कश्मीर रवाना होगी टीम

सूत्रों के फिल्म के लिए संबंधित और जरूरी खूफिया विभाग के दफ्तरों के सेट लगने का काम अंतिम चरण में है। सेट मुंबई में ही क्रिएट किया जा रहा है। फिर टीम आने वाले महीनों में कश्मीर का रुख करेगी। इस फिल्म की शूटिंग 15 जुलाई से मुंबई में शुरू होगी। मेकर्स इसे विशुद्ध एक्शन फिल्म की शक्ल दे रहे हैं। इसमें आलिया और शरवरी के किरदारों का कोई रोमांटिक एंगल नहीं है। दोनों एक्ट्रेस इसमें बहन के रोल में हैं। अनिल कपूर उनके पिता की भूमिका में हैं, जबकि बॉबी देओल को विलन के तौर पर कास्ट किया गया है।'

2 दशकों में खूफिया विभाग के काम करने के तरीकों में बदलावों को भी दिखाएगी फिल्म

रिपोर्ट्स की मानें तो, फिल्म की कहानी वर्ष 2000 से लेकर 2024 तक यानी 24 सालों तक ट्रैवल करती है। उस पूरे दो से ज्यादा दशकों में खूफिया विभागों के काम करने के तरीकों में हुए बदलावों को भी यह एक्सप्लोर करेगी। मेकर्स मुंबई और कश्मीर के अलावा देश के बाहर भी शूट करने जाएंगे। हालांकि वह इस साल दिसंबर के आखिर में किया जाएगा। इस वक्त तय किया जा रहा कि किस देश में जाकर शूटिंग की जाएगी। मुंबई में तय पहले शेड्यूल में सिर्फ आलिया और शरवरी अपने हिस्सों की शूटिंग करेंगी। अनिल और बॉबी बाद के शेड्यूल्स में टीम को जॉइन करेंगे।'

एक्शन के लिए 'पठान' फेम केसी ओ%नील को बोर्ड पर लिया गया

रहा सवाल कश्मीर का तो वह शेड्यूल अगस्त महीने में तय किया गया है। इस स्पाई फिल्म में एक्शन का हेवी डोज होगा। तभी इस फिल्म के लिए 'पठान' फेम एक्शन डायरेक्टर केसी ओ%नील को ही ऑन बोर्ड लिया गया है, जो इससे पहले 'जैक रीचर' और 'मिशन इम्पॉसिबल' सीरीज जैसी फिल्मों के स्टंट डायरेक्टर रहे हैं।'

सूत्रों के तहत, 'टीम अगस्त के पहले महीने में ही जाकर वहां के अहम हिस्से फिल्माएगी। वह इसलिए कि उसके ठीक महीने भर बाद से आलिया के सामने संजय लीला भंसाली की एक और बिग बजट फिल्म 'लव एंड वॉर' की शूटिंग कतार में है। 'लव एंड वॉर' को लेकर भी सूत्र जानकारियां देते हैं कि 'ब्रह्मास्त्र' के बाद यह आलिया की दूसरी ऐसी फिल्म होगी, जिसमें वो रणबीर कपूर के अपोजिट हैं।

'रामायण' के लिए भी लाइव एक्शन और मॉक अप शूट हो रहा था

वहीं सूत्र अलिया के पति रणबीर कपूर की 'रामायण' पर भी जानकारी देते हैं कि 'लव एंड वॉर' की शूटिंग रणबीर की डेट्स के मुताबिक शुरू होगी। सूत्र कहते हैं...'मेकर्स का मकसद 'रामायण' को तीन पार्ट में बनाने का है। हालांकि वह इस चीज पर निर्भर करेगा कि निर्देशक को अतिरिक्त बजट मिल पाता है कि नहीं। वैसा न होने पर निर्देशक फिल्म को दो पार्ट में पूरा करेंगे। फिल्म की शूटिंग लगातार लाइव एक्शन और मॉक अप शूट के तहत हो रही है। जो कलाकार मौजूद नहीं होते या उनका अगर स्पेशल इफेक्ट दिखाना है तो उनकी जगह कैमरे के सामने किसी और को रखा जाता है। उसे ग्रीन शूट पहनाया जाता है। फिर आगे कंप्यूटर पर मेन एक्टर के फेस की पैडिंग की जाती है।

'रामायण' पर अब तक कुल मिलाकर 70 दिनों की शूटिंग हुई है। फिल्म का पहला शेड्यूल शूट हो चुका है। अब आगे पांच महीने का गैप है। दिसंबर बाद से मेकर्स फिल्म के दूसरे पार्ट की शूटिंग पर जुटेंगे। अब तक सिर्फ रणबीर और साई पल्लवी ने शूट किया। सनी देओल और 'केजीएफ' फेम यश की शूटिंग बाकी है, जो 'रामायण' में हनुमान और रावण के रोल में हैं।

आमिर खान ने खरीदी नई प्रॉपर्टी

पाली हिल्स मुंबई के सबसे प्रतिष्ठित और लोकप्रिय आवासीय क्षेत्रों में से एक है। अपने शांत वातावरण और हरे-भरे परिदृश्यों के लिए जाना जाने वाला पाली हिल्स शहर की हलचल से बिल्कुल अलग है। बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान ने मुंबई के बांद्रा पश्चिम में पाली हिल्स की एक आलीशान आवासीय इमारत में लगभग 10 करोड़ रुपये में एक अपार्टमेंट खरीदा है। रियल एस्टेट परामर्श कंपनी स्क्वायरयार्ड्स.कॉम को मिले संपत्ति पंजीकरण दस्तावेजों के अनुसार, खान ने मुंबई के बांद्रा उपनगर में अपने नाम पर एक आवासीय संपत्ति का हस्तांतरण किया है। अभिनेता ने यह संपत्ति 9.75 करोड़ रुपये में खरीदी है। यह संपत्ति रहने के लिए तैयार है और इसका आकार लगभग 1,027 वर्ग फुट (कालीन क्षेत्र) है। इस सौदे पर 58.5 लाख रुपये का स्टाम्प शुल्क और 30,000 रुपये का पंजीकरण शुल्क लगा। यह संपत्ति बेला विस्टा अपार्टमेंट्स में स्थित है, जो पाली हिल्स क्षेत्र में स्थित एक उच्चस्तरीय आवासीय इमारत है। पाली हिल्स मुंबई के सबसे प्रतिष्ठित और लोकप्रिय आवासीय क्षेत्रों में से एक है। अपने शांत वातावरण और हरे-भरे परिदृश्यों के लिए जाना जाने वाला पाली हिल्स शहर की हलचल से बिल्कुल अलग है। बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान ने मुंबई के बांद्रा पश्चिम में पाली हिल्स की एक आलीशान आवासीय इमारत में लगभग 10 करोड़ रुपये में एक अपार्टमेंट खरीदा है। रियल एस्टेट परामर्श कंपनी स्क्वायरयार्ड्स.कॉम को मिले संपत्ति पंजीकरण दस्तावेजों के अनुसार, खान ने मुंबई के बांद्रा उपनगर में अपने नाम पर एक आवासीय संपत्ति का हस्तांतरण किया है। अभिनेता ने यह संपत्ति 9.75 करोड़ रुपये में खरीदी है। यह संपत्ति रहने के लिए तैयार है और इसका आकार लगभग 1,027 वर्ग फुट (कालीन क्षेत्र) है। इस सौदे पर 58.5 लाख रुपये का स्टाम्प शुल्क और 30,000 रुपये का पंजीकरण शुल्क लगा। यह संपत्ति बेला विस्टा अपार्टमेंट्स में स्थित है, जो पाली हिल्स क्षेत्र में स्थित एक उच्चस्तरीय आवासीय इमारत है। पाली हिल्स मुंबई के सबसे प्रतिष्ठित और लोकप्रिय आवासीय क्षेत्रों में से एक है। अपने शांत वातावरण और हरे-भरे परिदृश्यों के लिए जाना जाने वाला पाली हिल्स शहर की हलचल से बिल्कुल अलग है।बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान ने मुंबई के बांद्रा पश्चिम में पाली हिल्स में एक आलीशान रिहायशी इमारत में करीब 10 करोड़ रुपये में एक अपार्टमेंट खरीदा है। रियल एस्टेट सलाहकार स्क्वह्वड्डह्म्द्गब्ड्डह्म्स्रह्य.ष्शद्व द्वारा एक्सेस और विश्लेषण किए गए संपत्ति पंजीकरण दस्तावेजों के अनुसार, खान ने मुंबई के बांद्रा उपनगर में अपने नाम पर एक आवासीय संपत्ति के हस्तांतरण का कार्य निष्पादित किया है। अभिनेता ने यह प्रतिष्ठित संपत्ति 9.75 करोड़ रुपये में हासिल की। संपत्ति तैयार है और आकार में लगभग 1,027 वर्ग फुट (कालीन क्षेत्र) है। हस्तांतरण विलेख, जिसे 25 जून को अंतिम रूप दिया गया था, पर 58.5 लाख रुपये का स्टांप शुल्क और 30,000 रुपये का पंजीकरण शुल्क लगा। संपत्ति बेला विस्टा अपार्टमेंट में स्थित है, अपने शांत वातावरण और हरे-भरे परिदृश्यों के लिए मशहूर पाली हिल्स शहर की हलचल से एकदम अलग है। सलाहकार ने कहा कि यह आलीशान इलाका कई मशहूर हस्तियों, उद्योगपतियों और प्रवासियों का घर है। कोविड महामारी के बाद, प्रमुख शहरों में लग्जरी हाउसिंग प्रॉपर्टी की मांग में उछाल आया है। मशहूर हस्तियां, उद्योगपति और शीर्ष अधिकारी प्रमुख खरीदारों में से हैं।बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान ने मुंबई के बांद्रा पश्चिम में पाली हिल्स की एक आलीशान आवासीय इमारत में लगभग 10 करोड़ रुपये में एक अपार्टमेंट खरीदा है। रियल एस्टेट परामर्श कंपनी स्क्वायरयार्ड्स.कॉम को मिले संपत्ति पंजीकरण दस्तावेजों के अनुसार, खान ने मुंबई के बांद्रा उपनगर में अपने नाम पर एक आवासीय संपत्ति का हस्तांतरण किया है। अभिनेता ने यह संपत्ति 9.75 करोड़ रुपये में खरीदी है।

भारत ने 17 साल के बाद जीता टी20 विश्वकप

भारत ने दूसरी बार जीता टी20 विश्व कप, फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 7 रन से हराया

बारबाडोस आज टी20 विश्व कप 2024 का खिताबी मुकाबला भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेला गया। भारत ने अजेय रहते हुए चैंपियनशिप जीती है। भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया और 20 ओवर में सात विकेट पर 176 रन बनाए। जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम 169 रन ही बना सकी। भारत ने जीता टी20 विश्व कप भारत ने दूसरी बार टी20 विश्व कप का खिताब जीत लिया है। बारबाडोस में खेले गए फाइनल में टीम इंडिया ने दक्षिण अफ्रीका को रोमांचक मुकाबले में सात रन से हरा दिया।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 20 ओवर में सात विकेट गंवाकर 176 रन बनाए थे। जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 169 रन बना सकी। इस जीत के साथ भारत ने 11 साल के आईसीसी ट्रॉफी के सूखे को खत्म कर दिया। भारत ने इससे पहले 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी। वहीं, भारत ने 17 साल बाद टी20 विश्व कप जीता है। 13 साल बाद कोई विश्व कप जीता है। 2011 में भारत ने वनडे विश्व कप जीता था। 17वें ओवर में भारत ने मैच पलटा। 16 ओवर तक दक्षिण अफ्रीका ने चार विकेट पर 151 रन बना लिए थे। तब मिलर और क्लासेन क्रीज पर थे। आखिरी 24 गेंद में दक्षिण अफ्रीका को 26 रन चाहिए थे। इसके बाद 17वें ओवर में हार्दिक ने क्लासेन को आउट किया और मात्र चार रन दिए। 18वें ओवर में बुमराह ने यानसेन को आउट किया और दो रन दिए। 19वें ओवर में अर्शदीप ने चार रन दिए। आखिरी ओवर में दक्षिण अफ्रीका को 16 रन चाहिए थे। हार्दिक ने पहली ही गेंद पर मिलर को आउट किया। दूसरी गेंद पर रबाडा ने चार रन बटोरे। तीसरी गेंद पर रबाडा ने एक रन लिया। चौथी गेंद पर महाराज ने एक रन लिया। इसकी अगली गेंद वाइड रही। पांचवीं गेंद पर हार्दिक ने रबाडा को आउट किया। आखिरी गेंद पर एक रन आया और भारत ने सात रन से जीत हासिल की। दक्षिण अफ्रीका को आखिरी छह गेंद में 16 रन की जरूरत है। मिलर और महाराज क्रीज पर हैं। 18वें ओवर में बुमराह ने दो रन और 19वें ओवर में अर्शदीप ने चार रन दिए और मैच में टीम इंडिया की वापसी कराई। आखिरी ओवर में हार्दिक पांड्या गेंदबाजी करते दिखेंगे। 156 के स्कोर पर दक्षिण अफ्रीका को छठा झटका लगा। जसप्रीत बुमराह ने मार्को यानसेन को क्लीन बोल्ड किया। फिलहाल केशव महाराज और डेविड मिलर क्रीज पर हैं। दक्षिण अफ्रीका को दो ओवर में 20 रन की जरूरत है। 17वें ओवर में 151 के स्कोर पर दक्षिण अफ्रीका को पांचवां झटका लगा। हार्दिक पांड्या ने हेनरिक क्लासेन को विकेटकीपर पंत के हाथों कैच कराया। उन्होंने मैच बदलने वाली 27 गेंद में 52 रन की पारी खेली। फिलहाल डेविड मिलर और मार्को यानसेन क्रीज पर हैं। दक्षिण अफ्रीका को अब 18 गेंद में 22 रन की जरूरत है। 14 ओवर के बाद दक्षिण अफ्रीका ने चार विकेट पर 123 रन बना लिए हैं। फिलहाल हेनरिक क्लासेन और डेविड मिलर क्रीज पर हैं। उन्हें 36 गेंद में 54 रन की जरूरत है। कुलदीप ने चार ओवर के स्पेल में 45 रन लुटाए। उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। 13वें ओवर में 106 के स्कोर पर दक्षिण अफ्रीका को चौथा झटका लगा। अर्शदीप सिंह ने क्विंटन डिकॉक को कुलदीप के हाथों कैच कराया। डिकॉक ने 31 गेंद में चार चौके और एक छक्के की मदद से 39 रन की पारी खेली। फिलहाल हेनरिक क्लासेन और डेविड मिलर क्रीज पर हैं। 13 ओवर के बाद दक्षिण अफ्रीका का स्कोर चार विकेट पर 109 रन है। उन्हें 42 गेंद में 68 रन की जरूरत है। 12 ओवर के बाद दक्षिण अफ्रीका ने तीन विकेट पर 101 रन बना लिए हैं। अब उन्हें 48 गेंद में 76 रन की जरूरत है। फिलहाल हेनरिक क्लासेन और डिकॉक के बीच 30+ रन की साझेदारी हो चुकी है। भारत को हर हाल में विकेट की जरूरत है। कुलदीप यादव आज विकेट को तरस गए हैं।

11 ओवर के बाद दक्षिण अफ्रीका ने तीन विकेट पर 93 रन बना लिए हैं। अब उन्हें 54 गेंद में 84 रन की जरूरत है। फिलहाल हेनरिक क्लासेन और डिकॉक के बीच 20+ रन की साझेदारी हो चुकी है। भारत को हर हाल में विकेट की जरूरत है। 10 ओवर के बाद दक्षिण अफ्रीका ने तीन विकेट गंवाकर 81 रन बना लिए हैं। फिलहाल हेनरिक क्लासेन और क्विंटन डिकॉक क्रीज पर हैं। अब दक्षिण अफ्रीका को 60 गेंद में 96 रन की जरूरत है। वहीं, भारत को विकेट चाहिए। कुलदीप यादव की गेंदबाजी अच्छी नहीं रही है। उन्होंने दो ओवर में 23 रन लुटाए हैं। 70 रन के स्कोर पर द. अफ्रीका को तीसरा झटका लगा। अक्षर पटेल ने नौवें ओवर में ट्रिस्टन स्टब्स को बोल्ड किया। वह 21 गेंदों में 31 रन बनाकर आउट हुए। स्टब्स ने तीसरे विकेट के लिए डिकॉक के साथ 58 रनों की साझेदारी निभाई। पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए हेनरिक क्लासेन उतरे हैं। उनका साथ देने के लिए डिकॉक क्रीज पर मौजूद हैं।

द्रविड़ ने कप्तान रोहित का कंधा थपथपाया

गुयाना। इंग्लैंड के खिलाफ 68 रनों की जीत और टी 20 विश्व कप के फाइनल में पहुंचने के बाद, भारत के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने कप्तान रोहित शर्मा की रणनीति की खूब तारीफ की। राहुल द्रविड़ ने कहा कि वह रणनीति और योजना बनाने के लिए मैदान के बाहर काफी समय बिताते हैं।

ऑस्ट्रेलिया और गत चैंपियन इंग्लैंड से मिली चुनौतियों के बावजूद रोहित के नेतृत्व कौशल ने भारत को इस अभियान में अजेय बनाए रखा। भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ 2022 संस्करण में मिली 10 विकेट की हार का बदला लेते हुए 2014 के बाद पहली बार टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। रोहित की कप्तानी के बारे में बात करते हुए द्रविड़ ने कहा, रोहित के बारे में मैं जो भी कहूंगा वह कम होगा। जिस तरह से उन्होंने टीम के साथ काम किया है, उनकी रणनीति, उनकी परिपक्वता, टीम की उनके प्रति प्रतिक्रिया और रणनीति, योजना और हम सभी के साथ चर्चा में उन्होंने जो समय बिताया है। मैं एक क्रिकेटर और एक व्यक्ति के रूप में उनके बारे में इससे अधिक कुछ नहीं कह सकता। द्रविड़ ने टूर्नामेंट में खराब फॉर्म के बावजूद विराट कोहली का समर्थन किया और कहा कि वह खिताबी मुकाबले में पूरी ताकत से उतरेंगे। द्रविड़ ने कहा, आप जानते हैं कि विराट के साथ, बात यह है कि जब आप थोड़ा ज्यादा जोखिम वाला क्रिकेट खेलते हैं, तो कई बार ऐसा हो सकता है कि यह सफल न हो। इंग्लैंड के खिलाफ मुझे लगा कि उसने गति निर्धारित करने के लिए एक बहुत अच्छा छक्का मारा, लेकिन वह बदकिस्मत था कि अगली गेंद थोड़ी ज्यादा सीम कर गई। लेकिन मुझे उसका इरादा और तरीका पसंद है। अगर वह ऐसा करने के लिए तैयार है, तो यह समूह के लिए भी एक अच्छा उदाहरण है। यह द्रविड़ का भारतीय टीम के साथ आखिरी असाइनमेंट होगा, क्योंकि नए कोच टी20 विश्व कप के समापन के बाद टीम से जुड़ेंगे। 51 वर्षीय द्रविड़ ने अपने कार्यकाल का समापन एक ऐसे खिताब के साथ करने की इच्छा जताई जो पिछले साल वनडे विश्व कप और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में उन्हें नहीं मिला था। भारत शनिवार, 29 जून को बारबाडोस में फाइनल में दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगा।

मिनर्वा एकेडमी एफसी ने मिजो चैंपियन इलेक्ट्रिक वेंग को हराकर तालिका के शीर्ष पर बनाई जगह

चंडीगढ़। एआईएफएफ फुटबॉल क्लब चैम्पियनशिप में गत चैंपियन मिनर्वा एकेडमी एफसी की जीत का सिलसिला जारी है। अब टीम ने लगातार तीसरे गेम में इलेक्ट्रिक वेंग एफसी को हराया। वडोदरा में खेल आखिरी मिनट तक बराबरी पर रहा, लेकिन गत चैंपियन ने 7–5 के स्कोर के साथ जीत हासिल की। इलेक्ट्रिक वेंग ने खेल की जोरदार शुरुआत की और 12 मिनट में 0–2 की बढ़त ले ली, जिससे मिनर्वा टीम शुरुआती दौर में पिछड़ गई। थापा (14%) और नाओबा (15%) ने मिनर्वा के लिए वापसी की और लगातार मिनटों में दो गोल करके स्कोर को बराबरी पर ला दिया। हाओकिप (18%) ने मिनर्वा एकेडमी के लिए बढ़त का गोल दागा और पहला हाफ खत्म होने तक टीम को 3–2 से आगे कर दिया। दूसरा हाफ दोनों तरफ से गोल के अनुकूल साबित हुआ। इसमें लालरेमटुलुंगा (23′, 27′) के दो गोलों ने इलेक्ट्रिक वेंग को शुरुआती बढ़त दिलाई। गत विजेता ने देर से शुरुआत की, लेकिन आखिरी 10 मिनट में नाओबा (32′), चनप्रीत (30′), सैमसन (33′) और हिमांशु (34′) के गोलों से इलेक्ट्रिक वेंग को ध्वस्त करते हुए 7–5 से आसान जीत दर्ज की। मिनर्वा एकेडमी एफसी अभी तक खेले 3 मैचों में 19 गोल कर चुकी है, जबकि 7 उसके खिलाफ हुए हैं। 3 मैच में 3 जीत के बाद मिनर्वा के खाते में 9 अंक है और वो तालिका के शीर्ष पर है।

बेहतर मॉनसून से घट सकती हैं खाद्य कीमतें

नयी दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक की वित्तीय स्थायित्व रिपोर्ट के अनुसार 2024 में दक्षिण–पश्चिमी मॉनसून की बारिश सामान्य से अधिक रहना आगामी खरीफ सीजन के लिए अच्छा संकेत है और इससे खाद्य कीमतों पर दबाव कम हो सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि महंगाई में कमी के संकेत मिल रहे हैं, हालांकि यह असमान है। वहीं राजकोषीय घाटे में कमी के मामले में स्थिति प्रगति पर है।मई महीने में समग्र महंगाई दर गिरकर 12 महीने के निचले स्तर 4.75 प्रतिशत पर पहुंच गई है, जो अप्रैल के 4.83 प्रतिशत से कम है। इस गिरावट के बावजूद खाद्य महंगाई लगातार चौथे महीने उच्च स्तर पर बनी हुई है और यह मई में 8.5 प्रतिशत पार कर गई। प्रमुख क्षेत्र की महंगाई दर, जिसमें खाद्य व ईंधन शामिल नहीं होता, मई महीने में गिरकर 3 प्रतिशत पर आ गई है, जो मौजूदा सीपीआई श्रृंखला का निचला स्तर है।रिपोर्ट में कहा गया है कि वहीं दूसरी ओर बृहद आर्थिक और वित्तीय स्थिरता के कारण वास्तविक जीडीपी वृद्धि लगातार आगे बढ़ रही है। वैश्विक झटकों के बावजूद विदेशी क्षेत्र सुधर रहा है। घरेलू स्तर पर मजबूत पूंजी और नकदी अनुपातों, परिसंपत्ति हानि के स्तर में कमी तथा मुनाफे में वृद्धि के साथ वित्तीय स्थिति बेहतर बनी हुई है।मौद्रिक नीति समिति ने वित्त वर्ष 2024–25 के लिए जीडीपी वृद्धि का अनुमान 7 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.2 प्रतिशत कर दिया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि मौजूदा आर्थिक परिदृश्य कुछ सकारात्मक वजहों के साथ बेहतर स्थिति दिखा रहा है। घरेलू मांग तेज है। कारोबारी भरोसा बढ़ा है। इसकी वजह से भारत कई अन्य वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। वैश्विक झटकों के बावजूद विदेशी क्षेत्र सुधर रहा है।

मजदूर एकता जिन्दाबाद ! भारतीय जनता – जिन्दाबाद !! जय जवान, जय किसान !!!

राष्ट्रीय तीसरा विकल्प पार्टी

(गरीबों, मजदूरों, किसानों, शोषितों के लिए गठित दल)

राष्ट्रीय मुख्यालय : न्यू गड़ौरा, बेहसा, शहीदपथ, कानपुर रोड, लखनऊ

मा. सुरेन्द्र शर्मा
''संस्थापक/राष्ट्रीय अध्यक्ष''

श्री हिमांशु त्रिपाठी
''राष्ट्रीय उपाध्यक्ष'' (एडवोकेट)

श्री भरत व्यास गौतम
''राष्ट्रीय महासचिव''

श्री रजनीश कुमार
''राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष''

भारतीय मजदूर किसान संगठन (राष्ट्रवादी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने गांव–गांव जाकर अपनी जनता का हाल देखा और जाना कि कैसे अन्य पुराने राजनैतिक दलों ने 75 वर्षों से लोगों का शोषण किया है? आज गरीब मजदूर किसान नर्कीय जीवन जीने को मजबूर है। मोदी सरकार ने लोगों को आवास व शौचालय दिये परन्तु अनियंत्रित अधिकारियों ने प्रधानों ने जमकर लूट करी, जिससे सुविधायें उचित जगह तक नहीं पहुँच पायीं । उदासीन सरकार के कारण जनता त्रस्त है व त्राहि–त्राहि कर रही है। गरीबों, मजदूरों, किसानों, छात्रों व महिलाओं के विकास के लिए राष्ट्रीय तीसरा विकल्प अति आवश्यक होगा ।

SPORTS न्यूज़

कबाड़ से आय पर बीमा कंपनी को देना होगा कर

नयी दिल्ली। वस्तु एवं सेवाकर (जीएसटी) परिषद ने मोटर बीमा दावों में कबाड़ के निस्तारण से होने वाली आमदनी पर कर लगाए जाने को लेकर स्थिति साफकरते हुए कहा है कि दावों के निपटान के बाद कबाड़ या मलबे की बिक्री या निपटान के मामले में जनरल इंश्योरेंस करने वालों को जीएसटी देनदारी का भुगतान करना होगा।कबाड़ के मूल्य से आशय क्षतिग्रस्त या नष्ट हो चुकी संपदा की कीमत से है। बीमित संपदा के दावों के निपटान के बाद क्षतिग्रस्त हुई संपदा को रिकवर करके उसे बेचा जाता है, जिससे बीमा कंपनियों को धन मिलता है। उद्योग से जुड़े कारोबारियों ने अनुरोध किया था कि कबाड़ के मूल्य को लेकर स्थिति साफ की जानी चाहिए, उसके बाद परिषद ने स्थिति साफ की है। हितधारकों की ओर से स्पष्टीकरण की मांग की गई थी कि क्या मोटर वाहन बीमा के मामले में, मोटर वाहन को हुए नुकसान के दावे के मूल्यांकन में निर्धारित अवशेष या मलबे के मूल्य पर बीमा कंपनी द्वारा जीएसटी का भुगतान किया जाना है?कर अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि अगर बीमा अनुबंध में मलबे के मूल्य में कटौती किए बगैर बीमित वस्तु के घोषित मूल्य (आईडीवी) पर दावों के निपटान का प्रावधान है, वह संपत्ति बीमा कंपनी की होगी। ऐसे मामलों में बीमा कंपनी उस संपत्ति का निपटान करती है, इसलिए मलबे के निपटान या बिक्री पर जीएसटी की देनदारी बीमा कंपनियों की होगी।बहरहाल ऐसे मामलों में जहां जनरल इंश्योरेंस कंपनियां मलबे के मूल्य को दावे की राशि में से घटा देती हैं, वह संपत्ति बीमा कराने वाले व्यक्ति की होती है। ऐसे में बीमा कंपनियों की इस पर जीएसटी की देनदारी नहीं बनेगी। जनरल इंश्योरेंस सर्विस के काम में लगी बीमा कंपनियां पॉलिसीधारकों द्वारा मोटर वाहनों की मरम्मत या क्षति की लागत का बीमा करती हैं।

क्रिस सिल्वरवुड ने श्रीलंका के मुख्य कोच के पद से इस्तीफा दिया

कोलंबो। श्रीलंका के मुख्य कोच क्रिस सिल्वरवुड ने बृहस्पतिवार को टी20 विश्व कप में टीम के खराब प्रदर्शन के बाद पद से इस्तीफा दे दिया। पूर्व कप्तान महेला जयवर्धने ने भी सलाहकार कोच के पद से इस्तीफा दे दिया था। सिल्वरवुड ने एक बयान में कहा ,''अंतरराष्ट्रीय कोच होने का मतलब लंबे समय तक अपनों से दूर रहना है। अपने परिवार से सलाह लेने के बाद मैं भारी मन से घर लौटने और परिवार के साथ समय बिताने का फैसला ले रहा हूं।'' उन्होंने कहा ,''श्रीलंका क्रिकेट का हिस्सा रहना मेरे लिये फख्र की बात रही है। मैं काफी अच्छी यादें लेकर जा रहा हूं।'' श्रीलंकाई टीम टी20 विश्व कप के ग्रुप चरण से ही बाहर हो गई थी जो आईसीसी टूर्नामेंट में उसका सबसे खराब प्रदर्शन रहा है।

डरना मना है, पहली बार फाइनल में पहुंचे दक्षिण अफ्रीका के कप्तान मार्क्रम ने टीम से कहा

तारोबा। दक्षिण अफ्रीका को पहली बार टी20 विश्व कप फाइनल में ले जाने वाले कप्तान एडेन मार्क्रम ने खिलाड़ियों से शांतचित्त रहने और खिताबी मुकाबले से नहीं डरने का आग्रह किया है। दक्षिण अफ्रीका ने पहले सेमीफाइनल में अफगानिस्तान को नौ विकेट से हराया। अब फाइनल में उसका सामना इंग्लैंड या भारत से होगा। मैच के बाद मार्क्रम ने कहा ,'' यह हमारे लिये अगला कदम है। फाइनल हम पहली बार खेलने जा रहे हैं लेकिन डरने की कोई बात नहीं है।'' उन्होंने कहा ,'' यह जीत हमारे लिये काफी मायने रखती है। हमारे पास कई विश्व स्तरीय खिलाड़ी हैं लेकिन इस तरह के प्रदर्शन के लिये पूरी टीम को एक इकाई के रूप में खेलना होता है।'' अफगानिस्तान को 56 रन पर समेटने वाले अपने गेंदबाजों की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा ,'' हमने शानदार गेंदबाजी की। सही जगहों पर गेंद डाली। गेंदबाजों ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया है।'' मार्क्रम ने कहा ,'' इन हालात में बल्लेबाजी करना चुनौतीपूर्ण था। किस्मत ने हमारा साथ दिया कि हम साझेदारी निभा सके। कुछ मुकाबले करीबी रहे और दक्षिण अफ्रीका में भोर में उठकर मैच देखने वालों की सांसें थम गई होगी लेकिन शुक्र है कि आज ऐसा नहीं हुआ।'' प्लेयर आफद मैच मार्को जेनसन ने कहा कि उनका फोकस सही जगहों पर गेंद डालने पर था। उन्होंने कहा ,'' शानदार लग रहा है। हमने अच्छा खेला और रणनीति पर बखूबी अमल किया। हम सही जगहों पर गेंद डालने पर ही फोकस कर रहे थे।

साउथ अफ्रीका टीम ने रचा इतिहास, अफगानिस्तान को दी 9 विकेट से मात पहली बार टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंची

टी20 वर्ल्ड कप 2024 फाइनल के लिए साउथ अफ्रीका ने अपने नाम की मुहर लगा दी है। साउथ अफ्रीका ने गुरुवार को हुए सेमीफाइनल मुकाबले में अफगानिस्तान को 9 विकेट से हराकर टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में अपनी जगह बना ली है। बता दें कि, ये पहली बार है जब अफ्रीकी टीम टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंची है, इसके साथ ही टीम ने इतिहास भी रच दिया है। पहले बल्लेबाजी करते हुअ अफगान टीम महज 56 गेंदों पर धराशाही हो गई, जिसके जवाब में अफ्रीकी टीम ने आसानी से इस टारगेट को चेज कर लिया। साउथ अफ्रीका के लिए रीजा हेंड्रिक्स ने 29 रन बनाए। वहीं कप्तान एडम मार्क्रम ने 23 रन बनाए। ये दोनों खिलाड़ी अंत तक आउट नहीं हुए और महज 8.5 ओवर्स में ही टारगेट को चेज कर लिया। टीम की शुरुआत बेहद ही खराब रही। जब क्विंटन डिकॉक सिर्फ5 रन बनाकर पवेलियन लौट गए उन्हें फजलहक फारूकी ने अपना शिकार बनाया। इसके साथ ही अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया, जो बाद में गलत साबित हुआ। टीम के बल्लेबाज बुरी तरह फ्लॉप रहे और कोई भी खिलाड़ी दमदार प्रदर्शन नहीं कर सका। अजमतुल्लाह उमरजई ही दोहरे अंक तक पहुंच पाए थे, उन्होंने 10 रन बनाए। जबकि रहमानुल्लाह गुरबाज, नूर अहमद और मोहम्मद नबी अपना खाता तक नहीं खोल पाए। इसी कारण से अफगानिस्तान टीम पूरे 20 ओवर भी नहीं खेल पाई और महज 56 रनों पर ही समिट गई। टी20 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में किसी भी टीम द्वारा बनाया गया ये सबसे कम स्कोर है। दूसरी तरफ साउथ अफ्रीकी गेंदबाजों का प्रदर्शन काबिले तारीफ था। मार्को जेसन ने 3 ओवर में 16 रन देकर 3 विकेट अपने नाम किए। वहीं तबरेज शम्सी ने भी तीन विकेट अपने नाम किए। कगिसो रबाडा और एनरिक नॉर्खिया ने 2–2 विकेट चटकाए।

इंग्लैंड के खिलाफटीम इंडिया में बदलाव की संभावना कम, ऐसी हो सकती है भारत की प्लेइंग इलेवन

गुरुवार यानी 27 जून को भारत और इंग्लैंड के बीच टी20 वर्ल्ड कप 2024 का दूसरा सेमीफाइनल खेला जाएगा। ये हाईवोल्टेज मुकाबला 27 जून को भारतीय समयानुसार रात 8 बजे से खेला जाएगा। गयाना में खेले जाने वाले इस मुकाबले के लिए दोनों टीमें जीत तोड़ मेहनत कर रही हैं। एडिलेड ओवल मैदान पर 10 नवंबर 2022 को इंग्लैंड ने भारत को सेमीफाइनल में हराकर टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में जगह बनाई थी। करीब 16 महीने बाद ये दोनों टीमें फिर से एक बार टी20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में भिड़ेंगी। भारतीय टीम को उस वक्त इंग्लैंड के खिलाफ 10 विकेट से हार झेलनी पड़ी थी। कोहली से श्विराटश् पारी की उम्मीद भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज विराट कोहली की फॉर्म लगातार चिंता का विषय बनी हुई है। टीम के कप्तान रोहित शर्मा के अलावा सूर्यकुमार यादव, शिवम दुबे और हार्दिक पंड्या भी अच्छी लय में दिख रहे थे। लेकिन कोहली ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ डक आउट हुए थे। इस टूर्नामेंट में अभी तक उनके बल्ले से अर्धशतकीय पारी तक नहीं निकली है। अभी तक 6 मैचों में उन्होंने 01,04, 00, 24, 37 और 00 का स्कोर ही कर पाए, लेकिन अब इंग्लैंड के खिलाफफैंस उनसे विराट पारी की उम्मीद कर रहे हैं। इस टूर्नामेंट में भारत के लिए सबसे बड़ी ताकत उसकी गेंदबाजी रही है और गेंदबाजी में उसके पास कम से कम 6 विकल्प मौजूद हैं। जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह जहां नई गेंद से विरोधियों के लिए काल बने हुए हैं वहीं हार्दिक ने तीसरे तेज गेंदबाज की भूमिका अभी तक अच्छे से निभाई है। दोनों टीमों की संभावित प्लेइंग इलेवन भारतरू रोहित शर्मा (कप्तान), विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत, शिवम दुबे, हार्दिक पंड्या, रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, श्रीमती विजय लक्ष्मी शर्मा द्वारा त्रिपाठी प्रिंटिंग प्रेस 12/29, पुराना किला, कैण्ट रोड, लखनऊ 226001 (उ.प्र.) से मुद्रित कराकर 1372/12 न्यू गुडौरा बेहसा शहीदपथ लखनऊ 226008 (उ.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक–अनूप सिंह
आरएनआई न० UPHIN/2023/87118 मोबाइल नं. 7905289865,9839177720 Email- tvnews1979@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ ही मान्य होगा।